●वर्ष : 16 ●अंक : 239 ●मूल्य : 02 रूपया मात्र पृष्ठ : 08 RNI No. DELHIN/2008/23928

दैनिक लोकतंत्र की शान

लोकतंत्र का स्तंभ

दिल्ली से प्रकाशित रविवार 22 दिसम्बर 2024

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEUTICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

समाचार

तीखा हुआ अभियंताओं का विरोध, लखनऊ में होगी बिजली पंचायत

लखनऊ। पूर्वांचल और दक्षिणांचल को पीपीपी मॉडल पर देने का विरोध निरंतर जारी है। शनिवार को शक्ति भवन में भी अभियंताओं ने प्रदर्शन किया। रविवार को लखनऊ में बिजली पंचायत होगी, जिसमें देशभर के ऊर्जा संगठनों के पदाधिकारी हिस्सा लेंगे। वे निजीकरण से होने वाले नुकसान से वाकिफ कराएंगे। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति की ओर से शनिवार को शक्तिभवन और हाइडिल में जन जागरुकता अभियान चलाया गया। निजीकरण के विरोध में नारेबाजी हुई। चेतावनी दी गई कि कापोरेशन प्रबंधन ने निजीकरण का फैसला नहीं बदला तो उग्र प्रदर्शन किया जाएगा। देर शाम फील्ड हास्टल में हुई बैठक में रविवार को दोपहर 12 बजे राणा प्रताप मार्ग स्थित हाईडिल फील्ड हॉस्टल में होने वाली बिजली पंचायत की सफलता की रणनीति बनाई गई। बिजली पंचायत में कर्मचारियों, अभियन्ताओं, संविदा कर्मियों, किसानों और आम उपभोक्ताओं को भी बुलाया गया है। संघर्ष समिति ने कापोरेशन प्रबंधन पर आरोप लगाया है कि फील्ड के बिजली कर्मी और अभियन्ता एक मुश्त समाधान योजना में पूरी निष्ठा से लगे हुए हैं। बिजली पंचायत रविवार को है। इसके बाद भी पूर्वांचल और दक्षिणांचल के अभियंताओं और कार्मिकों को उसमें शामिल होने पर धमकी दी।

देवेंद्र सरकार में विभागों का बंटवारा

फडणवीस को गृह तो अजित को वित्त

>>> सबसे कम उम्र की मंत्री अदिति तटकरे को महिला व बाल विकास

देवेंद्र फडणवीस मंत्रिमंडल में सबसे कम उम्र की मंत्री एनसीपी की अदिति तटकरे को महिला व बाल विकास विभाग और सबसे उम्रदराज गणेश नाइक को वन विभाग मिला है। मंगल प्रभात लोढ़ा को कौशल विकास रोजगार, पूर्व केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के बेटे नीतेश राणे को मत्स्य उत्पादन व बंदरगाह और मुंबई भाजपा अध्यक्ष आशिष शेलार को सूचना व तकनीक विभाग का कार्यभार सौंपा गया है।

नूना न्यूज एजेंसी।

महाराष्ट्र। की महायुति सरकार में मंत्रियों के शपथ ग्रहण के एक हफ्ते बाद विभागों का बंटवारा कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, सीएम देवेंद्र फडणवीस के पास गृह मंत्रालय रहेगा। जबकि शिवसेना प्रमुख और डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे को शहरी विकास विभाग का जिम्मा मिला है। वहीं एनसीपी अध्यक्ष और डिप्टी सीएम अजित पवार के खाते में फिर से वित्त मंत्रालय आया है।

>>> 15 दिसंबर को राज्य की कैबिनेट का विस्तार

महाराष्ट्र में इससे पहले 15 दिसंबर को राज्य की कैबिनेट का विस्तार किया गया था। इस दौरान महायुति के घटक दलों (भाजपा, शिवसेना, एनसीपी) के कुल 39 विधायकों ने मंत्री और राज्यमंत्री पद की शपथ ली थी। जिसमें भाजपा के 19 विधायक मंत्री बने थे, इसमें तीन महिलाएं शामिल थी। शिवसेना के कोटे से 11 विधायकों को मंत्रिमंडल में जगह मिली थी। जबकि एनसीपी (अजित) कोटे के नौ विधायक मंत्री बने थे, इसमें एक महिला शामिल थी।

>>> ये विधायक बनाए गए हैं राज्यमंत्री

राज्यमंत्रियों में माधुरी मिसाल को शहर विकास, परिवहन, सामाजिक न्याय, अल्पसंख्यक विकास और चिकित्सा शिक्षा विभाग, आशीष जायसवाल को वित्त, योजना. विधि व न्याय विभाग, मेघना बोर्डिकर को सार्वजनिक स्वास्थ्य व परिवार कल्याण और जलापूर्ति, इंद्रनील नाइक को उच्च व तकनीकी शिक्षा, पर्यटन और आदिवासी विभाग, योगेश कदम को गृह विभाग (शहर), पंकज भोयर को गृह विभाग (ग्रामीण), शिक्षा, आवास विभाग का प्रभार सौंपा गया।

किसे-कौन सा विभाग मिला?

देवेंद्र फडणवीस - गृह मंत्रालय, कानून एवं न्यायपालिका मंत्रालय
एकनाथ शिंदे - शहरी विकास एवं आवास और लोक निर्माण विभाग
अजित पवार - वित्त मंत्रालय, योजना और आबकारी विभाग
चंद्रशेखर बावनकुले - राजस्व विभाग
राधाकृष्ण विखे पाटील - जल संसाधन (गोदावरी, कृष्णा घाटी विकास निगम)
हसन मुश्रीफ - चिकित्सा शिक्षा विभाग
चंद्रकांत बच्चू पाटील - उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, संसदीय मामले
गिरीश महाजन- जल संसाधन (विदर्भ, तापी, कोंकण विकास निगम), आपदा प्रबंधन विभाग
गणेश नाइक - वन विभाग
गुलाबराव पाटील - जल आपूर्ति और स्वच्छता विभाग
दादा भुसे - स्कूल शिक्षा विभाग
संजय राठौड़ - मृदा एवं जल संरक्षण
धनंजय मुंडे - खाद्य नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण
मंगल प्रभात लोढ़ा - कौशल विकास, रोजगार, उद्यमिता और नवाचार
उदय सामंत - उद्योग, मराठी भाषा
जयकुमार रावल - विपणन, प्रोटोकॉल
पकंजा मुंडे - पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन, पशुपालन
अतुल सावे - ओबीसी कल्याण, डेयरी विकास और नवीकरणीय ऊर्जा
अशोक उइके - जनजातीय विकास
शंभूराज देसाई- पर्यटन, खनन, पूर्व सैनिक कल्याण
आशीष शेलार - सूचना प्रौद्योगिकी, सांस्कृतिक मामले
दत्तात्रेय भरणे - खेल एवं युवा कल्याण, अल्पसंख्यक विकास और औकाफ
अदिति तटकरे - महिला एवं बाल विकास विभाग
शिवेंद्रसिंह भोसले - सार्वजनिक कार्य (सार्वजनिक उद्यमों को छोड़कर)

ज्वलंत मुद्दा

सम्पादकीय

संसद की कार्य उत्पादकता का लगातार कम होना संसदीय प्रणाली को विफल कराने की साजिश है

संसद का शीतकालीन सत्र सत्ता पक्ष और विपक्ष द्वारा एक दूसरे को अपनी अपनी ताकत दिखाने के बाद अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। अडाणी मुद्दे को लेकर हंगामे के साथ शुरू हुआ संसद का सत्र अम्बेडकर मुद्दे पर हंगामे के साथ खत्म हुआ। सत्र के दौरान संविधान पर चर्चा जरूर हुई लेकिन संसदीय व्यवधान का नया रिकॉर्ड भी बना दिया गया। 20 दिनों के इस सत्र के रिपोर्ट कार्ड की बात करें तो आपको बता दें कि लोकसभा में कामकाज की उत्पादकता 57.87 प्रतिशत रही। लोकसभा इन 20 दिनों में चार विधेयक ही पारित कर पाई। राज्यसभा में तो 40.03 प्रतिशत ही कामकाज हो सका और पूरे सत्र में कुल दो विधेयक पारित हुए। बात सिर्फ विपक्ष के हंगामे की वजह से होने वाले व्यवधान की नहीं है, सरकार भी तब शर्मसार हो गयी जब एक देश एक चुनाव जैसा महत्वपूर्ण विधेयक पेश किये जाते समय मत विभाजन के दौरान सत्ता पक्ष के ही दो दर्जन सांसद अनुपस्थित थे। क्या ऐसे ही चलेगा हमारा संसदीय लोकतंत्र? क्या इसीलिए छह महीने पहले देश की 140 करोड़ जनता ने 543 प्रतिनिधियों को निर्वाचित करके भेजा था? हम 2047 तक भारत को विकसित बनाने की बात कर रहे हैं लेकिन संसद का महत्वपूर्ण समय और देश का कीमती धन बर्बाद कर रहे हैं? संसद के सत्र के दौरान भले सत्ता पक्ष और विपक्ष के अपने अपने राजनीतिक हित सध गये हों लेकिन देश की जनता का और संसद की छवि को तो नुकसान हो गया है। आखिर कैसे होगी इसकी भरपाई? देखा जाये तो वर्तमान संसद का पहला सत्र भी हंगामेदार रहा था। इससे पिछली लोकसभा के भी लगभग सभी सत्र हंगामेदार रहे थे। पिछले कुछ सत्रों की कार्य उत्पादकता पर गौर करें तो जो आंकड़े सामने आते हैं वह चिंताजनक स्थिति को दशार्ते हैं। सत्र की कार्य उत्पादकता का 45%, 35 प्रतिशत और 24 प्रतिशत के आसपास रहने से हमारी संसदीय प्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े होते हो रहे हैं। सदन में जो कामकाज होता है वो भी हंगामे के बीच होता है यानि शोरशराबे के बीच क्या नए कानून बन गए यह देश को पता ही नहीं चल पाता। साथ ही संसद के कामकाज का प्रतिशत लगातार कम होते जाने से एक सवाल और खड़ा होता है कि कौन हैं वो लोग जो हमारी संसद को विफल दशार्ना चाहते हैं? कहीं हमारी संसदीय प्रणाली को विफल कराने के लिए कोई साजिश तो नहीं की जा रही है? विपक्ष लोकतंत्र बचाओ और संविधान बचाओ का आह्वान तो कर रहा है।

SYED ZAKI HAIDER
(EDITOR / PUBLISHER CUM MANAGING DIRECTOR
OF NAI UMMEED NEWS AGENCY
MOBILE NO. 9911371802
EMAIL SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

सार संक्षेप

नाबालिग की हत्या के दोषी को आजीवन कारावास

अजमेर : राजस्थान में अजमेर के यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम न्यायालय संख्या-दो ने एक नाबालिग लड़की की गला घोंट कर हत्या करने के आरोपी को शुक्रवार को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। विशेष न्यायाधीश ने आरोपी रफीक खान को शाहिस्ता गुल की हत्या करने का दोषी मानते हुए उस पर एक लाख 10 हजार रुपये का जुर्माना भी किया। मामले के अनुसार 15 जुलाई 2019 को शाहजहांपुर निवासी रफीक खान शाहिस्ता गुल को होटल लाया जहां उसने कमरे में टेलीफोन के तार से शाहिस्ता की हत्या कर दी और फरार हो गया।

अफीम तस्कर को चार वर्ष का कारावास

हनुमानगढ़ : राजस्थान में हनुमानगढ़ जिले के संगरिया में अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय ने एक किलो 300 ग्राम अवैध अफीम ले जाते आरोपी को शुक्रवार को चार वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश बलवंतसिंह भारी ने आरोपी ओमप्रकाश को अवैध रूप से अफीम रखने का दोषी मानते हुए उस पर 40 हजार रुपये का जुर्माना भी किया। मामले के अनुसार संगरिया थाना क्षेत्र में पुलिस ने 31 मार्च 2019 को ओमप्रकाश उर्फ प्रकाश (40) निवासी हिरणा, तहसील फतेहपुर, थाना सदर फतेहपुर, जिला सीकर को एक किलो 300 ग्राम अफीम ले जाते पकड़ा था।

रुपया नौ पैसे मजबूत

मुंबई : दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर के कमजोर पड़ने से शुक्रवार को अंतरबैंकिग मुद्रा बाजार में रुपया नौ पैसे मजबूत होकर 85.04 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, इसके पिछले कारोबारी दिवस रुपया 85.13 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। शुरूआती कारोबार में रुपया तीन पैसे सुधरकर 85.10 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और सत्र के दौरान तेल आयातकों एवं बैंकरों की डॉलर बिकवाली से 84.96 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

भोपाल के पास कार में मिले नौ करोड़ व 50 किलो सोना

● भोपाल,

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के समीप सुनसान इलाके में शुक्रवार तड़के एक कार से लगभग 50 किलो सोना और नौ करोड़ रुपयों से अधिक की नगदी मिलने का सनसनीखेज मामला सामने आने के बाद आयकर विभाग ने इस मामले में पड़ताल शुरू कर दी है। जप्त सोने की कीमत 40 करोड़ रुपयों के आसपास आंकी गई है।

इन दिनों भोपाल के एक बड़े कारोबारी और उसके सहयोगियों के भोपाल, इंदौर और ग्वालियर में 50 से अधिक ठिकानों पर आयकर विभाग की छापे की कार्रवाई के दौरान अरबों रुपयों की संपत्ति संबंधी दस्तावेज मिलने के अलावा राज्य की लोकायुक्त पुलिस के द्वारा परिवहन विभाग के एक पूर्व आरक्षक सौरव शर्मा के ठिकानों

जप्त सोने की कीमत 40 करोड़ रुपये के आसपास आंकी गई

पर की गयी छापे की कार्रवाई चर्चा में है। सौरव शर्मा के यहां स्थित दो तीन ठिकानों पर छापों के दौरान दो करोड़ 85 लाख रुपये नगद के अलावा गहने और संपत्तियों में निवेश संबंधी दस्तावेज मिले हैं।

इस बीच आयकर विभाग ने एक सूचना के आधार पर स्थानीय पुलिस की मदद से तड़के स्थानीय मेंडोरी क्षेत्र के सुनसान इलाके से एक लग्जरी कार की तलाशी ली, तो सभी की आंखें फटी रह गयीं। इस कार से 'सॉलिड गोल्ड' मिला, जो लगभग 50 किलो है।

राहुल मामले की जांच करेगी क्राइम ब्रांच

● नई दिल्ली,

संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान पार्लियामेंट परिसर में हुए धक्काकांड को लेकर विवाद जारी है। भाजपा और कांग्रेस दोनों पार्टियां एक दूसरे पर आरोप लगा रही हैं। धक्का-मुक्की में भाजपा के दो सांसदों के घायल होने के लेकर दिल्ली पुलिस ने शिकायत के आधार पर राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली थी। वहीं कांग्रेस ने भी भाजपा सदस्यों के खिलाफ शिकायत दी है। अब दिल्ली पुलिस ने शिकायतों को क्राइम ब्रांच को सौंप दिया है।

दिल्ली पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि संसद में में हुई हाथापाई की जांच क्राइम ब्रांच को सौंप दी गई है। क्राइम ब्रांच विवाद को लेकर भाजपा और कांग्रेस, दोनों की शिकायतों की जांच करेगी। साथ ही राहुल गांधी के खिलाफ दर्ज एफआईआर भी

क्राइम ब्रांच को सौंपी गई है। गुरुवार को आंबेडकर पर गृहमंत्री अमित शाह के बयान के विरोध में कांग्रेस पार्टी संसद में प्रोटेस्ट कर रही थी। ठीक इसी समय भाजपा भी कांग्रेस के खिलाफ प्रदर्शन कर रही थी। इस बीच गुरुवार सुबह 10.40 बजे कांग्रेस प्रोटेस्ट करते हुए संसद के मकर द्वार तक आ रही थी। इसी समय भाजपा मकर द्वार पर खड़ी थी। इस तरह भाजपाऔर कांग्रेस के सांसद एक दूसरे के ठीक सामने थे। दोनों ओर से नारेबाजी होने लगी। यह घटनाक्रम लगभग 20 मिनट तक चला। कांग्रेस का आरोप है कि भाजपा सांसदों ने उन्हें रोकने की कोशिश की और उनसे धक्का-मुक्की भाजपा का भी ठीक यही कहना है। भाजपा का आरोप है कि इस बीच राहुल गांधी ने एक सांसद के साथ धक्का-मुक्की की, जिससे वो सांसद भाजपा एमपी प्रताप सारंगी के ऊपर गिर गया। इस धक्का-मुक्की में सारंगी और भाजपा के एक और सांसद मुकेश राजपूत घायल हो गए। इस पूरे घटनाक्रम पर प्रताप सारंगी ने कहा कि मैं सीढ़ियों पर खड़ा था। राहुल गांधी ने एक सांसद को धक्का दिया और वो सांसद मेरे ऊपर गिर गए, जिससे मैं गिर गया और चोट लग गई।

शिवेसना यूबीटी नेता संजय राउत के बंगले की हुई रेकी

मुंबई : महाराष्ट्र में शिवसेना (उद्धव) के नेता और राज्य सभा सांसद संजय राउत के बंगले की रेकी किए जाने का दावा किया गया है। बंगले पर तैनात कर्मचारियों ने शुक्रवार को भांडुप पुलिस थाने में शिकायत की। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार सुबह 9 बजे संजय के बंगले (मैत्री) पर बाइक सवार दो लोग पहुंचे। दोनों ने बंगले के कुछ फोटो खींचे, कुछ देर वहां रुके और चले गए। बंगले की सुरक्षा में तैनात कर्मचारियों और अन्य लोगों ने बाइक सवारों देखा तो इसकी जानकारी संजय के भाई सुनील राउत को दी। वे इलाके के विधायक हैं। जानकारी मिलने पर पुलिस को बंगले पर पहुंची। वहां लगे सीसीटीवी में बाइक सवार नजर आए हैं। पुलिस ने कहा कि मामले की जांच शुरू की गई है। फिलहाल केस दर्ज नहीं कराया गया है।

साथी जवानों पर गोलीबारी करने वाला जवान हिरासत में

झालावाड़, वार्ता: राजस्थान में झालावाड़ जिला कारागृह में तैनात आरएसी के एक जवान ने देर रात साथी जवानों से कहासुनी होने पर इंसास रायफल से गोलीबारी कर दी इससे एक जवान घायल हो गया जबकि अन्य जवानों ने भागकर जान बचाई। पुलिस अधीक्षक ऋचा तोमर ने बताया कि गुरुवार रात को कारागृह में आरएसी के जवान रामसिह साथी जवानों से कहासुनी होने पर इंसास रायफल ले आया और उसमें गोलियां भरकर साथी जवानों पर अंधाधुंध सात चक्र गोलियां चलाई। जिससे एक जवान हाथ में गोली लगने से घायल हो गया, दो जवानों ने भाग कर जान बचाई।

सपा सांसद जियाउर्रहमान के आवास पर चला बुलडोजर

● संभल,

उत्तर प्रदेश के संभल में सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क आवास पर नगर पालिका परिषद ने बुलडोजर चलाकर बाहर निर्मित अवैध सीढ़ियों को तोड़ दिया है। बर्क का संभल के मोहल्ला दीपा सराय में आवास है। शुक्रवार को पुलिस व प्रशासन के साथ नगर पालिका परिषद की टीम सांसद के आवास पर बुलडोजर लेकर पहुंची और आवास के बाहर बनी सीढ़ियों को बुलडोजर से तुड़वाया। सपा सांसद पर दूसरे दिन बुलडोजर चलाने की बड़ी कार्रवाई की गई है, इससे पहले गुरुवार को सपा सांसद के विरुद्ध 16 किलोवाट से अधिक की बिजली चोरी का मुकदमा दर्ज हुआ था। बिजली चोरी में 1.91 करोड़ का जुर्माना बिजली विभाग ने सपा सांसद पर लगाया है तथा सपा सांसद के घर की बिजली भी काट दी गई है। बिजली चेकिंग के दौरान बिजली विभाग के अधिकारियों को धमकाने की रिपोर्ट भी गुरुवार को ही सपा सांसद के पिता ममलुकुर्रहमान वर्क के विरुद्ध बिजली विभाग के अधिकारियों ने दर्ज कराई थी। बीते माह जामा मस्जिद के सर्वे के दौरान हुए बवाल में भी सपा सांसद के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज हुई है।

मुस्कुराहट

शुक्रवार को नई दिल्ली में संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान संसद भवन के बाहर समाजवादी पार्टी की सांसद इकरा हसन और प्रिया सरोज।

अजब-गजब : एक ने किया बरी, दूसरे ने दी सजा

विधायक अभय को दो जजों ने सुनाए अलग-अलग फैसले, मामला अब चीफ जस्टिस की बेंच के हवाले

● लखनऊ,

इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने विधायक अभय सिंह पर हत्या के प्रयास के मामले में फैसला सुनाया लेकिन इस पर अभी भी पेंच फंस गया। कारण, दो जजों ने अलग-अलग फैसले दिए हैं और दोनों के एकमत ना होने से मामला अब चीफ जस्टिस की बेंच में जाएगा। दरअसल, जस्टिस मसूदी ने विधायक अभय सिंह को 3 वर्ष की सजा सुनाई है, जबकि जस्टिस अभय श्रीवास्तव ने उन्हें बरी करने का फैसला दिया है।

यह मामला अब चीफ जस्टिस की बेंच में जाएगा, क्योंकि दोनों जजों के फैसले अलग-अलग हैं। यह मामला वर्ष 2010 में हत्या के प्रयास के एक मामले से जुड़ा हुआ है, जिसमें गोसाईगंज अयोध्या के समाजवादी पार्टी के बागी विधायक अभय सिंह नामजद

हुए थे. ऐसे में अगर 3 वर्ष की सजा कायम रहती है, तो अभय सिंह की विधायकी चली जाएगी। बता दें कि अभय सिंह माफिया और आपराधिक छवि के नेता हैं, जिनके खिलाफ गंभीर अपराधों के मुकदमे हैं। यूपी

जस्टिस मसूदी ने विधायक अभय सिंह को 3 वर्ष की सजा सुनाई है, जबकि जस्टिस अभय श्रीवास्तव ने उन्हें बरी करने का फैसला दिया

विधानसभा चुनाव 2022 में उन्होंने अयोध्या की गोसाईगंज विधानसभा क्षेत्र से सपा प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़कर भाजपा प्रत्याशी आरती तिवारी को 13 हजार से अधिक वोटों से हराया था। हालांकि अब वह सपा के बागी विधायक के तौर पर जाने जाते हैं। हाल ही में हुए विधानसभा उपचुनाव के दौरान वह अयोध्या में काफी सक्रिय रहे और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अयोध्या दौरे के दौरान अभय सिंह की उनसे मुलाकात भी काफी चर्चा में रही।

माफिया छवि के नेता है अभय

अभय सिंह माफिया और आपराधिक छवि के नेता हैं, जिनके खिलाफ गंभीर अपराधों के मुकदमे हैं। यूपी विधानसभा चुनाव 2022 में उन्होंने अयोध्या की गोसाईगंज विधानसभा क्षेत्र से सपा प्रत्याशी के तौर पर चुनाव लड़कर भाजपा प्रत्याशी आरती तिवारी को 13 हजार से अधिक वोटों से हराया था। हालांकि अब वह सपा के बागी विधायक के तौर पर जाने जाते हैं।

दिसम्बर में आखिरी दस दिन पड़ेगी कड़ाके की ठंड

हिसार, वार्ता : हरियाणा के हिसार में दिसंबर के आखिरी 10 दिन कड़ाके की सर्दी वाले होंगे शुक्रवार को सुबह के समय हिसार में कोहरे का असर दिखाई दिया। कोहरे के कारण वाहनों की गति पर भी असर पड़ा। मौसम विशेषज्ञ की मानें तो अभी पांच दिन सर्दी का प्रकोप रहेगा। 25 दिसंबर के बाद एक बाद एक तीन पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होंगे, जिनके असर से बूंदाबांदी से लेकर ओलावृष्टि की संभावना रहेगी। मानसून सीजन के बाद मैदानी राज्यों विशेषकर हरियाणा, एनसीआर और दिल्ली में लगातार मौसम शुष्क और साफ बना हुआ है। ऊपरी जेट धाराओं के उत्तरायण होने से लगातार कमजोर श्रेणी के पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो रहे हैं, जिनके असर से उत्तरी पर्वतीय इलाकों पर हल्की बर्फबारी होगी।

बाबा साहेब पर गृह मंत्री की अपमानजनक टिप्पणी के विरोध में कांग्रेस ने किया राष्ट्रव्यापी अभियान का ऐलान

24 दिसंबर को देशभर में निकालेगी 'बाबा साहेब अंबेडकर सम्मान मार्च'

>> अमित शाह के इस्तीफे की मांग करते हुए हर जिले में 'बाबा साहेब अंबेडकर सम्मान मार्च' का होगा आयोजन, जिला कलेक्टरों को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन भी दिए जाएंगे

>> 22 और 23 दिसंबर को 150 शहरों में कांग्रेस नेता करेंगे पत्रकार वार्ता

>> महात्मा गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के 100 साल पूरे होने पर 26 दिसंबर को कर्नाटक के बेलगावी में होगी विस्तारित कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक, 27 दिसंबर को विशाल रैली

नई दिल्ली, 21 दिसंबर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बाबा साहेब डॉ. भीम राव अंबेडकर जी पर की गई अपमानजनक टिप्पणी के विरोध में कांग्रेस ने राष्ट्रव्यापी अभियान की घोषणा करते हुए 24 दिसंबर को देशभर के सभी जिला मुख्यालयों में 'बाबा साहेब अंबेडकर सम्मान मार्च' निकालकर राष्ट्रपति के नाम अमित शाह के इस्तीफे की मांग को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन देने का ऐलान किया है। पार्टी 22 और 23 दिसंबर को देश के 150 शहरों में पत्रकार वार्ता भी आयोजित करेगी। नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में यह जानकारी देते हुए कांग्रेस मीडिया एवं प्रचार विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को 2024 के चुनाव में जनता से जो धक्का लगा है, उससे ये लोग संभल नहीं पा रहे हैं। 400 पार और संविधान को बदलने के सपने को संविधान की रक्षा करने वाले लोगों ने जिस तरह तोड़ा है, उससे इनमें कुंठा पैदा हो गई। अमित शाह के मुंह से जो शब्द निकले, वे गलती से नहीं निकले। अगर गलती से निकले होते तो वे माफी मांग लेते। लेकिन आज तक भाजपा नेता अमित शाह के उस बयान पर कुतर्क कर रहे हैं, यही बात इनकी असली नीयत दिखाती है। डॉ. अंबेडकर जी के लिए शाह द्वारा कहे गए अपमानजनक शब्दों पर भाजपा, अमित शाह या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कोई खेद या पश्चाताप नहीं है। इस अपमानजनक टिप्पणी को लेकर कांग्रेस ने फैसला किया है कि लोकसभा व राज्यसभा के सभी कांग्रेस सांसद, कांग्रेस कार्यसमिति के सदस्य 22 और 23 दिसंबर को अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों, राज्य मुख्यालयों, जिला मुख्यालयों में पत्रकार वार्ता करेंगे एवं इस टिप्पणी की कड़ी निंदा कर अमित शाह के इस्तीफे की मांग करेंगे। खेड़ा ने कहा, इसके अलावा कांग्रेस द्वारा 24 दिसंबर को देश के हर जिले में 'बाबा साहेब अंबेडकर सम्मान मार्च' का आयोजन किया जाएगा। मार्च की शुरूआत डॉ. अंबेडकर जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण से होगी और संबंधित जिला कलेक्टरों (डीसी) के माध्यम से राष्ट्रपति को ज्ञापन दिया जाएगा। खेड़ा ने आगे बताया कि 26 दिसंबर,1924 को महात्मा गांधी जी बेलगावी में हुए कांग्रेस के अधिवेशन में कांग्रेस अध्यक्ष बने थे। इसी अधिवेशन से कांग्रेस और स्वतंत्रता आंदोलन की दिशा तय हुई थी। इस महत्वपूर्ण दिन को 100 वर्ष पूरे हो रहे हैं। आगामी 26 दिसंबर को बेलगावी में विस्तारित कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक होगी। 27 दिसंबर को बेलगावी में ही विशाल रैली होगी। कांग्रेस के शॉर्ट टर्म एवं मीडियम टर्म एक्शन प्लान की चर्चा की जाएगी। खेड़ा ने कहा कि महात्मा गांधी से लेकर मल्लिकार्जुन खरगे तक कांग्रेस ने कभी समझौते का रास्ता नहीं चुना, बल्कि संघर्ष का रास्ता चुनकर कई मंजिलें हासिल कीं।

दिल्ली दंगे 2020: दो मुस्लिम युवक ससम्मान रिहा

जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी ने सफल पैरवी पर वकीलों की प्रशंसा की, परिजनों ने जमीअत को धन्यवाद दिया

नई दिल्ली, 21 दिसंबर, 2024। कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली के अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने आज एक महत्वपूर्ण फैसले में फिरोज खान उर्फ पप्पू (निवासी पुराना मुस्तफाबाद) और मोहम्मद अनवर (निवासी पुराना मुस्तफाबाद) को दिल्ली दंगे 2020 के मामले में सभी आरोपों से बरी कर दिया। न्यायालय ने सबूतों के अभाव के आधार पर यह फैसला सुनाया और पुलिस अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाते हुए कहा कि उन्हें ठोस और कमजोर सबूतों की समझ-बूझ प्राप्त करनी चाहिए। यह मामला एफआईआर संख्या 130/2020 के रूप में दयालपुर थाने में दर्ज किया गया था। आरोपियों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 148, 380, 427, 451 के साथ-साथ भारतीय दंड संहिता की धारा 149, धारा 511 और भारतीय दंड संहिता की धारा 188 के तहत आरोप लगाए गए थे कि 24 फरवरी 2020 को पूर्वोत्तर दिल्ली के महालक्ष्मी एन्क्लेव इलाके में एक भीड़ ने तोड़फोड़, लूटपाट और आगजनी की, जिसमें इन आरोपियों को संलिप्त बताया गया था। हालांकि, अदालत ने गवाहों के बयानों में विरोधाभास, पहचान में अस्पष्टता और अविश्वसनीय सबूतों के आधार पर फैसला सुनाया कि आरोप साबित नहीं किए जा सके। न्यायालय ने यह भी कहा कि इस मामले में इस बात का भी सबूत नहीं पेश किया जा सका कि उक्त घर पर हमला भी किया गया था। जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी के संरक्षण में अनुभवी वकीलों की टीम विशेष रूप से वकील अब्दुल गफ्फार ने कानूनी सहायता प्रदान की, जिन्होंने अदालत में मजबूत बचाव किया और अभियोजन पक्ष के दावों में मौजूद खामियों को उजागर किया। इस मौके पर फिरोज खान उर्फ पप्पू के पिता मन्नान खान ने जमीअत उलमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद असद मदनी, महासचिव मौलाना हकीमुद्दीन कासमी और कानूनी मामलों के प्रभारी मौलाना नियाज अहमद फारूकी को धन्यवाद दिया। ज्ञात हो कि जमीअत उलमा-ए-हिंद के प्रयासों से अब तक सौ से अधिक लोग बाइज्जत बरी हो चुके हैं, जबकि 586 मामलों में पहले चरण में ही जमानत मिल गई थी।

जनता के बीच पहुंचे नेता जी... नई दिल्ली। के पालिका बाजार गेट नंबर-1 के सामने "मेरी दिल्ली मेरा संकल्प" अभियान के दौरान जनता के बीच पहुंचे सांसद मनोज तिवारी। **फोटो: भूपिंदर सिंह**

डॉ. भागवत के बयान के बाद बंद हो जायेगी मस्जिद के नीचे मंदिर की तलाश: डॉ. अनंत भागवत

बैठक के दौरान डॉ. अनंत भागवत, जफर लारी और विनय कुलकर्णी

नई दिल्ली। हर मस्जिद के नीचे मंदिर होने के विवाद पर आरएसएस सुप्रीमो डॉ. मनमोहन भागवत के बयान की काफी तारीफ हो रही है. गौरतलब है कि 19 दिसंबर को ग्लोबल स्ट्रैटजिक पॉलिसी फाउंडेशन पुणे के प्रमुख डॉ. अनंत भागवत और सहजीवन व्याख्यान माला के अध्यक्ष विनय कुलकर्णी द्वारा पुणे में विश्वगुरु भारत नामक एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस संबंध में एक बैठक आयोजित की गई, जिसमें फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. अनंत भागवत ने कहा कि हमारी टीम ने इस आयोजन की तैयारी के लिए दिन-रात काम किया क्योंकि हमें यकीन था कि इस आयोजन का नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा और देश में नफरत खत्म होगी. और देश में जो हिंसा का माहौल बनाने की कोशिश की जा रही है उस पर लगाम लगेगी. उन्होंने कहा कि डॉ. मोहन भागवत के इस बयान की न सिर्फ हमारे देश में बल्कि विदेशों में भी तारीफ हो रही है. इस बयान से यह साफ हो गया है कि आरएसएस को देश के अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और अधिकारों की कितनी चिंता है/ यह बयानहिंदू और मुसलमानों के बीच जानबूझकर पैदा की गई खाई को पाटने में मील का पत्थर साबित होगा। फाउंडेशन के राष्ट्रीय संयोजक जफर लारी ने भी डॉ. भागवत के बयान को स्वागतयोग्य और ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि डॉ. भागवत ने हमेशा सभी धर्मों के बीच सद्भाव को बढ़ावा दिया है और देश में प्रेम और भाईचारे का संदेश फैलाया है. उनका दृढ़ संकल्प है कि भारत तभी विश्व गुरु बन सकता है जब यहां का हर नागरिक एकजुट होकर देश के विकास में योगदान देगा। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि डॉ. भागवत का व्यक्तित्व एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व है और सभी धर्मों के लोग उनका सम्मान करते हैं, इसलिए उनके इस बयान के बाद मंदिर के नीचे मस्जिद की तलाश हमेशा के लिए बंद हो जाएगी क्योंकि डॉ. भागवत ने साफ तौर पर इस बात का संकेत दिया है यह लोग धर्म के अनुयायी नहीं हैं बल्कि खुद को धार्मिक नायक साबित करने की कोशिश कर रहे हैं।

आपकी 2025 की सफलता की योजना आज से शुरू होती है: गौरव भगत के प्रतिष्ठित 'रूल 2025' वर्कशॉप के अंदर की झलक!

नोएडा, 21 दिसंबर, 2024: गौरव भगत अकादमी ने आज आईटीसी फॉर्च्यून ग्रेज़िया, सेक्टर-27, नोएडा में बहुप्रतीक्षित 'रूल 2025' वर्कशॉप का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम ने पेशेवरों, उद्यमियों और छात्रों को एक साथ लाया, ताकि वे 2025 के लिए एक रणनीतिक रोडमैप तैयार कर सकें। एशिया के प्रमुख स्किल ट्रेनर और दूरदर्शी उद्यमी गौरव भगत ने इस वर्कशॉप का नेतृत्व किया। गौरव भगत अकादमी के संस्थापक और कंसोर्टियम गिफ्ट्स के प्रबंध निदेशक के रूप में, भगत ने माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन और कोका-कोला जैसे वैश्विक दिग्गजों के लिए कॉर्पोरेट प्रशिक्षण और गिफ्टिंग समाधान को फिर से परिभाषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 'रूल 2025' वर्कशॉप का उद्देश्य विभिन्न उद्योगों और आयु वर्गों के प्रतिभागियों को सशक्त बनाना था। दिन की शुरूआत सुबह की चाय और नेटवर्किंग के साथ हुई, जो इंटरएक्टिव सत्रों के लिए मंच तैयार कर रही थी। इन सत्रों में लक्ष्य निर्धारण, वित्तीय साक्षरता, उद्यमिता और व्यक्तिगत विकास पर गहन चर्चा की गई। प्रतिभागियों ने 10 दर्शन के सिद्धांतों पर आधारित गतिविधियों में भाग लिया, जो रणनीतिक योजना और निष्पादन के माध्यम से सफलता को कई गुना बढ़ाने पर केंद्रित थे। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण था 'GB Goal Planner' का परिचय। यह उपकरण विशेष रूप से इस उद्देश्य के लिए डिजाइन किया गया था ताकि लोग अपने लक्ष्यों को ठोस योजनाओं में बदल सकें और आगामी वर्ष के लिए एक स्पष्ट मार्गदर्शन प्राप्त कर सकें। प्रतिभागियों को गौरव भगत और उनकी टीम के साथ एक-से-एक मेंटरिंग सत्र का लाभ भी मिला, जहाँ उन्हें उनकी विशिष्ट पेशेवर यात्रा के अनुसार व्यक्तिगत मार्गदर्शन प्रदान किया गया। वर्कशॉप का समापन एक फोटो सत्र के साथ हुआ, जहाँ सभी प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिबद्धता और 2025 में असाधारण सफलता प्राप्त करने के उद्देश्य को साझा किया। प्रतिभागी न केवल व्यावहारिक रणनीतियों के साथ, बल्कि एक नई ऊर्जा, स्पष्ट उद्देश्य और सहयोगी नेटवर्क के साथ लौटे, जो उन्हें अपने लक्ष्यों तक पहुँचने में मदद करेगा। कार्यक्रम के बारे में अपने विचार साझा करते हुए गौरव भगत ने कहा,"रूल 2025 केवल एक वर्कशॉप नहीं है; यह एक आंदोलन है, जो इरादतन विकास और सफलता की ओर ले जाता है। हमारा उद्देश्य लोगों को वह उपकरण और मानसिकता प्रदान करना है, जो 2024 के सबक को 2025 की असाधारण उपलब्धियों की लॉन्चपैड में बदल सके। आगामी वर्कशॉप और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के बारे में अधिक जानकारी के लिए, गौरव भगत अकादमी की वेबसाइट https://gauravbhagatacademy.com/ पर जाएं।

इंडिगो ने चेन्नई और पेनांग के बीच दैनिक सीधी उड़ानें शुरू कीं

इंडिगो। ने शनिवार को चेन्नई और मलेशिया के पेनांग के बीच दैनिक सीधी उड़ानें शुरू कीं। यह एयरलाइन का 37वां अंतरराष्ट्रीय गंतव्य है। इंडिगो ने शनिवार को एक बयान में कहा कि नया मार्ग दोनों शहरों के बीच यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करेगा। इससे व्यावसायिक यात्रियों और पर्यटकों को सुविधाजनक तथा किफायती विकल्प मिलेगा। इंडिगो के वैश्विक बिक्री प्रमुख विनय मल्होत्रा ने एक बयान में कहा, हम चेन्नई से पेनांग के लिए सीधी उड़ानों की शुरूआत के साथ मलेशिया में अपने नेटवर्क का विस्तार करके बेहद खुश हैं। पेनांग के लिए इन उड़ानों को शामिल करने के साथ, इंडिगो अब भारत के दो शहरों से मलेशिया के लिए 28 साप्ताहिक उड़ानें संचालित करेगी। चेन्नई हवाई अड्डे के निदेशक सी वी दीपक ने उद्घाटन समारोह में पहले यात्री को बोर्डिंग पास सौंपा।

गीतकारों ने बनाया सबसे बड़े शास्त्रीय बैंड का गिनीज रिकॉर्ड, दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध

नई दिल्ली, दिसम्बर : ग्वालियर के ऐतिहासिक किले में आयोजित तानसेन संगीत समारोह की 100वीं कड़ी में 546 संगीतकारों ने मिलकर सबसे बड़े हिंदुस्तानी शास्त्रीय बैंड का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाकर इतिहास रच दिया। इस अनोखे आयोजन में संगीतकारों ने तानसेन के तीन प्रतिष्ठित रागों-राग मल्हार, राग मिया की तोड़ी, और राग दरबारी का प्रदर्शन कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। मध्य प्रदेश सरकार के सांस्कृतिक विभाग द्वारा आयोजित इस समारोह में ग्वालियर को हाल ही में यूनेस्को द्वारा सिटी ऑफ म्यूजिक का दर्जा मिलने का भी जश्न मनाया गया। इस उपलब्धि को भारतीय शास्त्रीय संगीत के वैश्विक महत्व के प्रतीक के रूप में देखा जा रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने की। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के सलाहकार निश्चल बारोट, जिन्होंने यह उनका 53वां सफल रिकॉर्ड है, ने आयोजन की सफलता पर खुशी व्यक्त की। उन्होंने कहा, यह रिकॉर्ड भारतीय शास्त्रीय संगीत की परंपरा और सामूहिक प्रयासों का प्रतीक है। ग्वालियर ने सांस्कृतिक और संगीत की उत्कृष्टता के क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। इस ऐतिहासिक आयोजन में गणमान्य व्यक्तियों, संगीत प्रेमियों और अंतर्राष्ट्रीय अतिथियों की उपस्थिति ने इसे और भी खास बना दिया।

स्मार्ट सिटी परियोजनाओं में एआई कैमरे : ट्रैफिक निगरानी से लेकर सार्वजनिक सुरक्षा तक दे रहे सुरक्षा

कार्यस्थलों पर खतरे को पहचानने और रोकने का एक स्मार्ट तरीका

नई दिल्ली, दिसम्बर : तकनीकी युग में सुरक्षा और निगरानी के क्षेत्र में एआई कैमरों का उपयोग एक क्रांति के रूप में सामने आया है। पारंपरिक सुरक्षा कैमरे सिर्फ रिकॉर्डिंग करते थे, जबकि एआई-आधारित कैमरे लाइव वीडियो प्रोसैसिंग और विश्लेषण करके असामान्य गतिविधियों का तुरंत पता लगा सकते हैं। उदाहरण के लिए इंडोएआई एज कैमरा न केवल उच्च गुणवत्ता की रिकॉर्डिंग करता है, बल्कि इसका एआई मॉडल उपयोगकर्त्ताओं को उनकी आवश्यकताओं के अनुसार अनुकूलित करने की सुविधा भी देता है। यह गोपनीयता को बनाए रखते हुए ऑन-डिवाइस डेटा प्रोसैसिंग करता है। एआई कैमरों का उपयोग विभिन्न उद्योगों में व्यापक रूप से किया जा रहा है। खुदरा क्षेत्र में, ये कैमरे ग्राहकों के व्यवहार का विश्लेषण कर सकते हैं और चोरी को रोकने में मदद करते हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में, अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों में मरीजों की मॉनिटरिंग और असामान्य गतिविधियों का पता लगाने में एआई कैमरे महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। स्मार्ट सिटी परियोजनाओं में, ये कैमरे ट्रैफिक और सार्वजनिक सुरक्षा की निगरानी करते हैं, जबकि शिक्षा क्षेत्र में छात्रों की उपस्थिति और अनुशासन को नियंत्रित करने में मदद करते हैं। इसके अलावा आवासीय और सामुदायिक सुरक्षा में भी इन कैमरों का उपयोग बढ़ रहा है। इंडोएआई एज कैमरा में चेहरे की पहचान और आपातकालीन स्थिति का पता लगाने की सुविधा है, जिससे घरों और सोसाइटियों की सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

गांव मंडोर में गोगा माडी के कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि की पार्षद मनीष आनंद मनी ने शिरकत

अंबाला शहर, दिसम्बर : अंबाला के वार्ड नंबर तीन के गांव मंडोर में गोगा माडी में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में बिजली विभाग के एसई वीके गोयल व वार्ड नंबर 3 के पार्षद मनीष आनंद मनी, कार्यकारी अभियंता सुखबीर सिंह, एसडीएम रविंद्र यादव ने शिरकत की। कार्यक्रम में पहुचने पर लोगों ने बुके देकर स्वागत किया। इस दौरान वीके गोयल व पार्षद मनीष आनंद मनी ने लोगों को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के बारे में जानकारी दी गई और इस योजना की लाभ लेने के लिए अपील कि की, ताकि आपका बिजली बिल कम आ सके।

भारत ने मलेरिया के मामलों को कम करने में महत्वपूर्ण प्रगति की: डब्ल्यूएचओ

दिल्ली। भारत ने देश के उन राज्यों में मलेरिया रोग के मामलों और इससे संबंधित मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है, जहां ये रोग बहुत व्यापक रूप से फैला हुआ था। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की विश्व मलेरिया रिपोर्ट 2024 के निष्कर्षों में यह जानकारी दी गई है। ब्रिटेन के संसद परिसर में इस सप्ताह आयोजित एक बैठक में, हितधारकों ने रिपोर्ट के निष्कर्षों पर विचार-विमर्श किया और यह तर्क दिया कि मलेरिया को समाप्त करने में योगदान करना आर्थिक रूप से समझदारी भरा कदम है। बैठक में इस बात पर गौर किया गया कि भारत में किस प्रकार से सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता दूरदराज की आबादी तक पहुंच रहे हैं और मलेरिया के मामलों तथा मौतों में उल्लेखनीय कमी ला रहे हैं। भातर में अधिकतर सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता मुख्य रूप से महिलाएं हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, भारत अपने उन राज्यों में मलेरिया की घटनाओं और मृत्यु दर को कम करने में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहा है जहां इस बीमारी से बहुत अधिक संख्या में लोग पीड़ित थे।

नवीन चौधरी ने गांधीनगर में कार्यकर्त्ता सम्मेलन आयोजित किया

संजय सिंह ने दिल्ली के विकास कार्यों पर चर्चा की

सम्मेलन में आए पार्टी कार्यकर्त्ता।

नई दिल्ली, दिसम्बर : गांधीनगर विधानसभा क्षेत्र से आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी नवीन चौधरी उर्फ दीपू ने राजगढ़ कॉलोनी स्थित अपने कार्यालय में कार्यकर्त्ता सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन में आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह भी शामिल हुए और कार्यकर्त्ताओं को संबोधित किया। सांसद संजय सिंह ने कहा कि सभी कार्यकर्त्ताओं को आम आदमी पार्टी की नीतियों और दिल्ली में किए गए कार्यों की सही जानकारी लोगों तक पहुंचानी चाहिए। उन्होंने बताया कि आम आदमी पार्टी के प्रयासों से दिल्ली के लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है, जिसे आगे भी जारी रखा जाएगा। नवीन चौधरी ने कहा कि 2020 के त्रिकोणीय मुकाबले में भाजपा तो आगे निकल गई थी, लेकिन इस बार यह संभव नहीं है, क्योंकि समीकरण पूरी तरह से आम आदमी पार्टी के पक्ष में हैं। उन्होंने कहा कि गांधीनगर में इस बार पार्टी की स्थिति मजबूत है और लोग बदलाव चाहते हैं। चौधरी ने आरोप लगाया कि भाजपा के सांसद, विधायक और पार्षदों ने पिछले 15 वर्षों में गांधीनगर में कोई काम नहीं किया, जिसकी वजह से जनता में नाराजगी है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस बार क्षेत्र की जनता उन्हें अपना समर्थन देगी। सम्मेलन में हजारों कार्यकर्त्ताओं और गांधीनगर की जनता ने नवीन चौधरी को अपना समर्थन देने का भरोसा दिया।

लीबिया में भारतीय कामगारों के हालात पर करीब से नजर रख रहे हैं: विदेश मंत्रालय

दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि त्रिपोली स्थित भारतीय दूतावास लीबिया में भारतीय कामगारों के एक समूह की स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है और उनकी वापसी के लिए काम कर रहा है, जो बिना उचित दस्तावेजों के उस देश में गए थे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल से उन भारतीय कामगारों के बारे में सवाल पूछा गया था जो लीबिया में एक सीमेंट कंपनी में काम रह रहे हैं और भारत वापस नहीं आ पा रहे हैं। जायसवाल ने अपने जवाब में कहा कि कामगारों के लिहाज से निकास परमिट की व्यवस्था करने के लिए हमारा दूतावास लीबिया के अधिकारियों के संपर्क में है। उन्होंने अपनी साप्तहिक प्रेस वार्ता में कहा, ये भारतीय कामगार दुबई के रास्ते बेंगाजी पहुंचे थे। वे वहां गए थे, लेकिन उनके पास उचित दस्तावेज नहीं थे। जब वे उतरे, तो उनके काम को लेकर कुछ समस्याएं थीं... हमें इन कठिनाइयों के बारे में पता चला... त्रिपोली में हमारा दूतावास सक्रिय है। हमने वहां अपने समुदाय के माध्यम से अपने कामगारों से संपर्क किया। जायसवाल ने कहा, और, हमने उनकी मदद की है, हमने उनके भोजन, उनके दैनिक जीवन के सामान की व्यवस्था की है। त्रिपोली में हमारे सीडीए (प्रभारी) ने भी इन कामगारों से मुलाकात की है। मुझे लगता है कि यह 4 नवंबर को हुआ था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि चूंकि ये लोग बिना उचित दस्तावेजों के लीबिया गए थे, इसलिए अब देश से बाहर निकलने के लिए उन्हें लीबिया के दिशा-निदेर्शों के अनुसार निकास परमिट की आवश्यकता है।

मंडल आयुक्त आन्जनेय कुमार सिंह ने किया बाबू विशेश्वर दयाल अधिवक्ता सभागार का लोकार्पण

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। शनिवार को तहसील बार एसोसिएशन हसनपुर के अधिवक्ताओं द्वारा स्वनिधि से निर्मित तहसील बार एसोसिएशन के नवनिर्मित बाबू विशेश्वर दयाल अधिवक्ता सभागार का लोकार्पण मंडल आयुक्त मुरादाबाद आन्जनेय कुमार सिंह ने जिलाधिकारी अमरोहा निधि गुप्ता वत्स सहित जनपद और तहसील के अधिकारियों, अधिवक्ताओं, नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष की मौजूदगी में फीता काट कर किया। मंडल आयुक्त आन्जनेय कुमार सिंह ने कहा कि बाबू विशेश्वर दयाल जी की सोच को सकारात्मक और समाज हित में बताते हुए उनकी प्रशंसा की , श्री सिंह ने कहा हसनपुर की धरती को नमन करते हुए कहा धन्य है हसनपुर की धरती, जहां विशेश्वर दयाल जी जैसे सज्जन और दूरदृष्टी रखने वाले समाज सेवक और हमारे आदर्श राजीव कुमार अग्रवाल जैसे वरिष्ठ आई ए एस पैदा हुए । जिन्हें आज भी हसनपुर की चिंता है ,जो निरंतर हसनपुर के विकास के लिए लगातार चिंतित रहते हैं । बार के अध्यक्ष गंगासरन खड़गवंशी, महासचिव सुरभित गुप्ता मंडल आयुक्त का माल्यार्पण कर व बुके देकर स्वागत किया । वहीं बार के अध्यक्ष द्वारा मंडल आयुक्त, जिलाधिकारी, अपर जिलाधिकारी, अपर पुलिस अधीक्षक, उप जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी न्यायिक, पुलिस क्षेत्राधिकारी, तथा तहसीलदार हसनपुर, जिला बार के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सलीम खान और महासचिव सतीश कुमार त्यागी को शाल भेंट कर सम्मानित किया गया । लोकार्पण कार्यक्रम की अध्यक्षता बार अध्यक्ष गंगा सरन खड़गवंशी ने की तथा महासचिव सुरभित गुप्ता ने संचालन किया । लोकार्पण कार्यक्रम में सर्वप्रथम मंडल आयुक्त सहित सभी अधिकारियों और अधिवक्ताओं द्वारा विशेश्वर दयाल अग्रवाल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई । पूर्व अध्यक्ष मुजाहिद चौधरी ने मंडल आयुक्त का स्वागत करते हुए कहा, "बार के इस आंगन में श्रीमन स्वागत है अभिनंदन है । बार बेंच का मधुर मिलन है स्वागत है अभिनंदन है ।।" उसके बाद विजेंद्र गहलोत एडवोकेट ने एक कविता प्रस्तुत की । अध्यक्ष गंगासरन खड़गवंशी ने बार की ओर से विभिन्न समस्याओं की ओर ज्ञापन देकर ध्यान आकृष्ट कराया । इस अवसर पर नगर पालिका परिषद हसनपुर के अध्यक्ष राजपाल सैनी ने शासन प्रशासन द्वारा सब रजिस्ट्री कार्यालय हेतु नवनिर्मित भवन में अथवा अन्यत्र व्यवस्था न होने की स्थिति में अपनी निजी भूमि में से 500 मीटर भूमि निशुल्क प्रदान करने की घोषणा की । कार्यक्रम के समापन होने पर मंडल आयुक्त, जिला अधिकारी, अपर जिलाधिकारी, उप जिलाधिकारी आदि द्वारा तहसील प्रांगण में पौधारोपण किया गया । तहसील की ओर से गरीब और जरूरतमंद नागरिकों को मंडलायुक्त तथा जिलाधिकारी द्वारा कंबलों का वितरण किया गया । इस अवसर पर बार अध्यक्ष गंगा सरन खड़गवंशी,महासचिव सुरभित गुप्त, अपर जिलाधिकारी माया शंकर, उप जिलाधिकारी सुनीता सिंह व मसीहा नजम, अपर पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार सिंह,पुलिस क्षेत्राधिकार दीप कुमार पंत, तहसीलदार मूसाराम, बार एसोसिएशन जिला अमरोहा के नवनिर्वाचित अध्यक्ष सलीम खान व महासचिव सतीश त्यागी, तहसील बार एसोसिएशन हसनपुर के कोषाध्यक्ष धीरेंद्र सिंह, उपाध्यक्ष रामचंद्र सिंह व फतेह सिंह , शिवचरन सिंह, दिनेश गुप्ता, आफताब आलम, डॉ इसरार खां,विनोद त्यागी, संजय चौहान, संजीव कुमार, नंदराम सागर ,पूर्व अध्यक्ष महावीर सिंह चौहान, मुजाहिद चौधरी, महीपाल सिंह, नरेश पाल सिंह चंद्रसेन अग्रवाल, चौ. गजेंद्र सिंह ,वीर सिंह सहित सैकड़ों अधिवक्ता मौजूद रहे ।

संपूर्ण समाधान दिवस में आई 22 शिकायतें 2 का हुआ निस्तारण

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। शनिवार को अपर जिलाधिकारी ने संपूर्ण समाधान दिवस में उप जिलाधिकारी एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी के साथ संपूर्ण समाधान दिवस में फरियादियों की फरियाद सुनी, जिसमें आई 22 शिकायतों में दो का मौके पर निस्तारण कर दिया। शनिवार को नगर के ब्लॉक सभागार में संपूर्ण समाधान दिवस का अपर जिलाधिकारी एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी दीप कुमार पंत एवं उपजिलाधिकारी श्री सुनिता सिंह के नेतृत्व में आयोजन किया गया। जिसमें फरियादियों द्वारा राजस्व विभाग सात, पुलिस विभाग पांच, विकास विभाग दो, विद्युत विभाग पांच एवं चकबंदी विभाग के तीन शिकायतों सहित कुल 22 शिकायतें दर्ज कराई गईं। वही अपर जिलाधिकारी अमरोहा की सूझबूझ के चलते दो शिकायतों का मौके पर निस्तारण करा दिया। साथ ही बाकी शिकायतों के लिए संबंधितों की टीम बनाकर निस्तारण किए जाने का निर्देश दिये। वहीं उन्होंने कहा कि शिकायतों का समाधान करते समय शिकायतकर्ता संतुष्ट होना चाहिए। इस दौरान मौके पर संबंधित विभागों के अधिकारी कर्मचारी आदि मौजूद रहे।

बाइक की टक्कर से महिला की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। शनिवार की देर शाम कोतवाली क्षेत्र के गांव तहारपुर निवासी 48 वर्षीय ललिया पत्नी स्वर्गीय राधेश्याम खेत से पैदल ही घर को जा रही थी। वहीं गांव के नजदीक पीछे से अनियंत्रित तेज गति में आए बाइक सवार ने पैदल महिला को जोरदार टक्कर मार दी जिसमें महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। आनन-फानन घायल महिला को नगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां चिकित्सकों ने घायल महिला को मृत घोषित कर दिया। उधर मौत की सूचना मिलते ही परिवार के लोगों में कोहराम मच गया और रोते बिलखते परिजन मौके पर पहुंच गए। परिजनों का कहना है की महिला के पति की काफी समय पूर्व मौत हो गई थी। और महिला अपनी तीन पुत्री एवं एक पुत्र का लालन-पालन कर रही थी। साथ ही टक्कर मारने वाले बाइक सवार को रहागीरों ने बाइक समेत पकड़ लिया। फिलहाल मामले में कोतवाली पुलिस का कहना है कि हादसे में महिला की मौत की सूचना प्राप्त हुई है और परिजनों से वार्ता कर मृतका का शव पोस्टपार्टम को भेजकर परिजनों की तहरीर के आधार पर मामले में अग्रिम विधिक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। वहीं खबर लिखे जाने तक मृतका का शव सीएचसी केंद्र में रखा हुआ था। और मौके पर भारी भीड़ जुटी हुई थी। वहीं पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

वन विभाग की शिथिलता से मछुआरों ने नील गाय को बनाया मछली पकड़ने का सहारा

तौफीक खान संवादाता
बस्ती

बस्ती। नगर थाना क्षेत्र के कप्तानगंज ब्लाक के ग्राम सभा पोखरा बाजार में कान्हा गौशाला मनोरमा नदी के जल को विधर्मियों द्वारा दूषित करने का प्रयास नीलगाय को मनोरमा नदी मे लटकाकर मछली को पकड़ने का कार्य जारी है जिस पर फारेस्ट विभाग व स्थानीय प्रशासन के द्वारा अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई है उपरोक्त जगह के बगल में ही अंत्येष्टि स्थल भी है जिससे आसपास के40से 50 गांव के लोगों को दाह संस्कार करने में स्नानादि में समस्याएं उत्पन्न हो रही है आए दिन मछुआरों के द्वारा ऐसे कृत्य किए जा रहे हैं लेकिन स्थानीय प्रशासन के द्वारा अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है जिससे आम जन मानस में काफी आक्रोश है । किंतु तमाम प्रयासों के बावजूद वन विभाग का कोई भी अधिकारी कर्मचारी मौके पर पहुंचकर ऐसे जघन्य अपराध पर कार्रवाई करने से कन्नी काट रहे हैं वास्तव में पूरी तरह बस्ती जनपद का वन विभाग भ्रष्टाचार में लिप्त पाया जा रहा है एक तरफ जीव हत्या दूसरी तरफ वनस्पति हत्या हो रही है अधिकारी कर्मचारी बीच में मालामाल हो रहे हैं अब देखना है इस खबर के बाद विभाग क्या कार्रवाई करता है जीव हत्या एवं वनस्पति हत्या को बढ़ावा मिलती है या कार्रवाई कर दोषियों को दंडित किया जाता है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार एवं आरटीआई परिषद के कार्यकताओं विद्युत विभाग खिलाफ दो शिकायती पत्र सौंपे

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस में राष्ट्रीय मानव अधिकार एवं आरटीआई परिषद के जिला अध्यक्ष अनुपम त्यागी के नेतृत्व में संगठन के कार्यकताओं ने विद्युत विभाग से संबंधित दो शिकायती पत्र समाधान दिवस में दिवस अधिकारी एसडीएम सुनीता सिंह को सौंपे,जिस का एसडीएम श्रीमती सुनीता सिंह ने तत्काल संज्ञान लेते हुए विद्युत एसडीओ को तत्काल समस्याओं का समाधान किए जाने हेतु निर्देशित किया है। इस दौरान मौके पर जिलाध्यक्ष अनुपम त्यागी, कोषाध्यक्ष नीरज शर्मा, जिला उपाध्यक्ष विजय पारछा, जिला सचिव मोहित त्यागी, तहसील अध्यक्ष सीमा यादव आदि उपस्थित रहे।

15 वर्षीय लड़की को चाचा समेत अन्य लोगों ने उतारा मौत के घाट पीड़ित परिवार ने पुलिस अधीक्षक से लगाई न्याय की गुहार

तौफीक खान संवाददाता
बस्ती। एक सप्ताह बीतने के बाद भी अंजान बनी सोनहा पुलिस मृतक लड़की की लाश को बरामद कर पीएम कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग पीड़ित गरीब परिवार न्याय के लिए दर दर भटकने को मजबूर सोनहा बस्ती - सोनहा थाना क्षेत्र के अन्तर्गत ग्राम पंचायत जोगिया में दिनांक - 14 - 12 - 2024 को 15 वर्षीय लड़की प्रीती को चाचा समेत अन्य लोगों ने पीट - पीट कर हत्या कर दिया है और आनन फानन में शव को ठिकाने लगाने का आरोप मृतक लड़की प्रीती की मां माया देवी पत्नी चिनगी प्रसाद ने लगाया है हत्या आरोपियों ने मृतक की मां माया देवी को भी 03 दिनों तक घर में कैद किये हुए थे और धमकी दे रहे थे कि यदि तुम घर से बाहर निकली या किसी ग्रामवासियों / रिश्तेदारों को फोन करके प्रीती के मृत्यु की सूचना दिया तो तुम्हे भी प्रीती की तरह मौत के घाट उतार दूंगा और तुम्हारे मायके वाले भी लाश को नहीं देख पायेंगे थाना कप्तानगंज के अन्तर्गत ग्राम पंचायत - महुआ लखननपुर पो. महराजगंज निवासी मामा ने पुलिस चौकी असनहरा को प्रीती के हत्या की सूचना देने गये थे चौकी प्रभारी असनहरा ने मामा रवीन्द्र कुमार को डाट कर भगा दिया और कहा कि तुम कौन होते हो प्रीती की हत्या का मुकदमा लिखाने वाले पीड़ित माया देवी के मायके वालों ने दिनांक - 19 - 12 - 2024 को पुलिस अधीक्षक बस्ती गोपाल कृष्ण चौधरी को लिखित सूचना देने के लिए गये थे लेकिन पुलिस अधीक्षक कार्यालय में नही थे उसी दिन पीड़ित परिवार ने रुधौली क्षेत्राधिकारी को घटना की लिखित सूचना दिया था मामा ने दिनांक - 20 - 12 - 2024 को मृतक की मां माया देवी को पुलिस बल के सहयोग से हत्या आरोपियों से मुक्त कराया और साथ अपने साथ ही मृतक की मां माया देवी को ग्राम पंचायत - महुआ लखनपुर लाया दिनांक - 21 -12 -2024 को पीड़ित मां माया देवी ने अपर पुलिस अधीक्षक बस्ती ओम प्रकाश सिंह से उक्त प्रकरण में जांच कर कार्रवाई की मांग किया है उक्त प्रकरण में अपर पुलिस अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच कर हत्या आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने का आश्वासन दिया है।

संयुक्त पुलिस आयुक्त द्वारा दिए गए दिशा निर्देश

लोकतंत्र की शान/देवेंद्र शर्मा

लखनऊ। संयुक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) कमिश्नरेट लखनऊ, द्वारा दिनांक 22/12/2024 को उत्तर प्रदेश लोक सेवा, आयोग द्वारा आयोजित सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा-2024 को सकुशल संपन्न कराने हेतु रिजर्व पुलिस लाइन लखनऊ के संगोष्ठी सदन में ड्यूटी पर लगे राजपत्रित/अराजपत्रित अधिकारी /कर्मचारीगणों को ब्रीफ कर दिए आवश्यक दिशा निर्देश।

हसनपुर तहसील बार एसोसिएशन के पदों के लिए हुआ नामांकन, राजीव शर्मा ने महासचिव पद के लिए भरा पर्चा

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। शनिवार को तहसील बार एसोसिएशन चुनाव हेतु शनिवार को अधिवक्ताओं ने नॉमिनेशन कराया जिसमें अध्यक्ष पद के लिए चंद्रसेन अग्रवाल तथा गजेंद्र सिंह ने, महासचिव पद पर राजीव शर्मा तथा मदन कुमार ने वहीं वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए विजेंद्र सिंह गहलोत, ओमपाल सिंह द्वारा तथा कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद के लिए मोहम्मद नवेद, सुधीर कुमार एवं कोषाध्यक्ष पद पर उदल सिंह तथा उप सचिव प्रशासन पद पर संजय सिंह तथा उप सचिव प्रशासन पद पर हितेश त्यागी, ओमपाल सिंह कोहली, कुलदीप कुमार के नाम सामने आए हैं, वहीं उप सचिव पुस्तकालय पद पर यामीन अली, तीरथ सिंह तथा वरिष्ठ सदस्य पद के लिए रविशंकर शर्मा, संजय सिंह एवं कनिष्ठ सदस्य पद पर संजीव कुमार, नंदराम सिंह, संदीप कुमार, नुसरत अली आदि के नाम आए हैं, एल्डर कमेटी के द्वारा बताया गया कि नामांकन पत्रों की जांच 23 दिसंबर को होगी तथा 24 दिसंबर को नाम वापसी होंगे और यदि आवश्यकता हुई तो 30 दिसंबर को चुनाव कराया जाएगा साथ ही 30 दिसंबर को ही चुनाव में विजय उम्मीदवारों की घोषणा की जाएगी, इस नामांकन प्रक्रिया में एल्डर कमेटी के शिवचरण सिंह, श्योराज सिंह राणा, दिनेश कुमार गुप्ता, ऋषिपाल सिंह चौहान, हरिओम शर्मा मौजूद रहे।

देश की एकता को तोड़ने की साजिश हरगिज बर्दाश्त नहीं

लोकतंत्र की शान/कौशल रस्तोगी

लखनऊ। 21 दिसंबर 2024 पीस पार्टी के जिला अध्यक्ष मोहम्मद नफीस मंसूरी ने आज प्रेस क्लब में एक बयान जारी करते हुए कहा कि कुछ मुनाफिक ताकतें देश को तोड़ने और समाज में नफरत फैलाने की कोशिश कर रही हैं। उन्होंने कहा कि पीस पार्टी ऐसी ताकतों का डटकर विरोध करेगी और उन्हें मुंहतोड़ जवाब देने के लिए प्रतिबद्ध है। साथ ही हमारा देश भाईचारे, एकता और सौहार्द की मिसाल है। लेकिन कुछ स्वार्थी और मुनाफिक ताकतें इस एकता को नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर रही हैं। पीस पार्टी इन ताकतों के खिलाफ मजबूती से खड़ी रहेगी और उनके मंसूबों को नाकाम करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि पीस पार्टी का उद्देश्य समाज में शांति, समानता और न्याय को बढ़ावा देना है। पार्टी हर उस व्यक्ति और संगठन के खिलाफ आवाज उठाएगी जो देश की अखंडता को खतरा पहुंचाने की कोशिश करेगा। अंत में, मोहम्मद नफीस मंसूरी ने सभी देशवासियों से अपील की कि वे आपसी भाईचारे और प्रेम को बनाए रखें और ऐसी ताकतों को पहचानें जो समाज में विघटन पैदा करना चाहती हैं।

हर महिला में है सफलता की नई कहानी लिखने का सामर्थ्य : मुख्यमंत्री

गोरखपुर, 21 दिसंबर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हर महिला में सफलता की नई कहानी लिखने का सामर्थ्य है। महिलाओं के लिए काम की भी कोई कमी नहीं है। जरूरत एक फील्ड का चयन कर उसके अनुरूप प्रशिक्षण लेकर खुद को तैयार करने और परिश्रम व पूरी तन्मयता से आगे बढ़ने की है। सीएम योगी शनिवार को योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (एसआरएलएम) द्वारा संचालित श्री बाबा गोरखनाथ कृपा दुग्ध उत्पादक संस्था और इस संस्था द्वारा गोरखपुर मंडल के अंतर्गत सात दुग्ध अवशीतन केंद्रों के लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाली विद्युत सखियों, बीसी सखियों, लखपति दीदियों, नमो ड्रोन दीदियों और बैंक सखियों को प्रमाण पत्र वितरित करने के अलावा राष्ट्रीय आजीविका मिशन से जुड़ी 7405 महिला स्वयं सहायता समूहों को 242.30 करोड़ रुपये की सहायता राशि का हस्तांतरण भी किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आधी आबादी की उपेक्षा करके कोई भी समाज सशक्त और समर्थ नहीं हो सकता है। देश और समाज के विकास तथा इसे सशक्त और शक्तिशाली बनाने के लिए महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन की दिशा में कार्य करना ही होगा। उन्होंने महिलाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सफलता की सभी जय जयकार करते हैं और विफलता को दुत्कारते हैं। जन्म सफलता के लिए हुआ है, दुत्कारने के लिए नहीं। जब हम सही दिशा में अच्छा कार्य करेंगे तो सफलता के साथ सराहना भी मिलेगी। इसलिए सही दिशा में बढ़ें और कभी असफलता मिले तो उसकी समीक्षा कर कमियों को दूर करें। याद रखना होगा कि परिश्रम का कोई विकल्प नहीं होता है। सही दिशा में किए गए परिश्रम से ही सफलतम कहानियां लिखीं जाती हैं।

पीएम मोदी की प्रेरणा से शुरू हुआ नारी सशक्तिकरण का नया दौर

सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा और मार्गदर्शन में महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन यानी नारी सशक्तिकरण का नया दौर शुरू हुआ है। बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना हो, नारी वंदन, या फिर प्रदेश में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना व मातृ वंदना योजना, ये सभी महिला सशक्तिकरण के लिए ही हैं। पहली बार स्वतंत्र भारत मे महिलाओं को यह अनुभव हुआ कि उनके नाम पर योजनाएं बनी हैं और इसका लाभ भी उन्हें प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के तहत हर घर बने शौचालय नारी गरिमा के प्रतीक हैं तो मुफ्त रसोई गैस कनेक्शन नारी सम्मान और समर्थ नारी का अभियान।

राष्ट्र सेवी संगठन ने ई-रिक्शा चोरी के मामले में कार्रवाई करने की मांग उठाई

लोक तंत्र की शान
प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा

हसनपुर। शनिवार को राष्ट्र सेवी संगठन के संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने पीड़ित परिवार के साथ कोतवाली हसनपुर में तहरीर देकर ई रिक्शा चोरी के मामले में कार्यवाही करने की मांग की। उन्होंने बताया कि हसनपुर के मोहल्ला कोट पश्चिमी रहरा अड्डा निवासी पुष्कर सागर ई रिक्शा चलाकर परिवार का पालन पोषण करता था। 17 दिसंबर की रात को पुष्कर सागर ने अपने घर के बाहर ई रिक्शा खड़ा किया था, लेकिन इस दौरान रिक्शा चोरी हो गया। इसकी शिकायत पुलिस से की गई, लेकिन कोतवाली पुलिस इस मामले में कोई कार्यवाही नहीं कर रही है। जिससे पीड़ित परिवार बहुत परेशान हो रहा है। परिवार के सामने भरण पोषण का संकट पैदा हो गया है। यह ई रिक्शा पीड़ित पुष्कर सागर ने किश्तों पर खरीदा था। पीड़ित परिवार की आ?र्थिक हालत ठीक नहीं है। हसनपुर स?र्किल में बाइक चोरी और ई रिक्शा चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ रही है। इस पर पुलिस कोई अंकुश नहीं लगा रही है। ई रिक्शा चोरी के मामले में दी गई तहरीर पर कोई कार्यवाही नहीं की गई और बढ़ती चोरी की घटनाओं पर यदि अंकुश नहीं लगाया गया तो राष्ट्र सेवी संगठन के द्वारा धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इसके साथ ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इसकी शिकायत दर्ज कराई जाएगी। पीड़ित परिवार से पुष्कर सागर, दीपक कुमार सभासद, सुशील भगतजी आदि मौजूद रहे।

सीएम योगी से मिलकर चहक उठे स्कूली बच्चे

गोरखपुर, 21 दिसंबर। अनुशासित शासन व्यवस्था के लिए देश-दुनिया में सुप्रसिद्ध मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के व्यक्तित्व का एक खास पहलू है, बाल प्रेम। देश के भविष्य के बीच सीएम योगी, वर्तमान के अपने निजी व्यस्तता में भी समय निकाल ही लेते हैं। प्रोटोकॉल से इतर मुलाकात, प्यार-दुलार, आशीर्वाद के बीच बच्चों की पढ़ाई से जुड़ी बातें करना उन्हें आत्मीय संतोष देता है। तभी तो कानून व्यवस्था को लेकर सख्त छवि वाले मुख्यमंत्री से मिलकर बच्चे चहक उठते हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बाल प्रेम और बच्चों के साथ परस्पर जुड़ाव की अनुभूति का एक दृश्य शनिवार दोपहर बाद गोरखपुर सर्किट हाउस परिसर में जीवंत हुआ। सीएम योगी आजीविका मिशन के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गोरखपुर आए। इसे लेकर शनिवार को गोरखपुर सर्किट हाउस परिसर के हेलिपैड पर प्रोटोकॉल और सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद थी। इसी बीच जैसे ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का हेलीकॉप्टर यहां लैंड हुआ, परिसर से सटे और एक बंद गेट से उस पार पड़ने वाले आंबेडकर पार्क में पिकनिक मनाने आए स्कूली बच्चों का उत्साह और उल्लास आसमान छूने लगा। हवा में लहराते सैकड़ों बच्चों के हाथ देख और बालकंठ से समवेत गुंजित अभिवादन की आवाज सुन सीएम योगी पहले से तय कार्यक्रम स्थल (योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह) जाने की बजाय मुस्कुराते हुए बच्चों के पास पहुंच गए। फिर शुरू हुआ वही सिलसिला जो मुख्यमंत्री को अलहदा बनाती है। बाल प्रेम, बच्चों के लिए प्रोटोकॉल से बेपरवाह। आंबेडकर पार्क के बंद गेट के पास बच्चों को प्यार-दुलार, खूब पढ़ने का आशीष तो जमकर हंसी ठिठोली भी। अकस्मात इस आत्मीय मुलाकात-संवाद के बीच बंद गेट से कई बच्चों ने मुख्यमंत्री की तरफ हाथ बढ़ा दिया और सीएम योगी ने भी बिना पल गंवाए अभिभावक सरीखे होकर उनके हाथ थाम लिए।

संगम की नावों पर हो रही चित्रकारी, देगी श्रद्धालुओं को सुखद अनुभव और संदेश

21 दिसंबर, महाकुम्भनगर। प्रयागराज की पहचान पूरे विश्व में त्रिवेणी संगम से होती है और संगम की पहचान यहां तैरती नावों से। नाव और नाविक ही हैं जो श्रद्धालुओं को तट से संगम की त्रिवेणी धारा तक ले जाते हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ के महाकुम्भ को स्वच्छ और सुरक्षित महाकुम्भ बनाने के अभियान में संगम तट की नावों और नाविकों का भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है। एक ओर तो सीएम योगी ने अपने हाथों से नाविकों को लाइफ जैकेट और सुरक्षा बीमा सार्टिफिकेट जारी किये, साथ ही उनकी नावों की मरम्मत और सुंदरीकरण का कार्य भी किया जा रहा है। नमामि गंगे मिशन के तहत गंगा, यमुना के घाटों और उनमें चलने वाली नावों को साफ, स्वच्छ रखने के साथ उन पर पेंटिग और चित्रकारी भी की जा रही है।

नमामि गंगे मिशन के तहत की जा रही है लगभग 2000 नावों की पेंटिंग

महाकुम्भ 2025 को लेकर पूरे प्रयागराज और महाकुम्भ मेला क्षेत्र में निर्माण और सौंदर्यीकरण के कार्य किये जा रहे हैं। इसी क्रम में संगम के पक्के घाटों और नावों को भी चित्रित और पेंट कर सुंदरीकृत किया जा रहा है। साथ ही उन पर स्वच्छता के संदेश भी लिखे जा रहे हैं जो श्रद्धालुओं को स्वच्छ महाकुम्भ अभियान में जुड़ने के लिए प्रेरित करेंगे। प्रयागराज मेला प्राधिकरण में एसडीएम अभिनव पाठक ने बताया कि पेंट माई सिटी अभियान के तहत पूरे प्रयागराज शहर और नमामि गंगे मिशन के अंतर्गत संगम क्षेत्र के घाट और नावों के सौंदर्यीकरण का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नमामि गंगे मिशन के तहत मेला प्राधिकरण 5 लाख स्क्वायर फिट क्षेत्र में पेंटिंग और चित्रकारी का कार्य करवा रहा है। उसी क्रम में लगभग 2000 नावों को भी चित्रित करने का कार्य किया जा रहा है, ताकि महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं को सुखद अनुभव हो और वो पेंट किये गये स्वच्छता संदेशों से प्रेरित होकर नदियों को स्वच्छ रखने में योगदान दें।

संगम के नाविक और मल्लाह सीएम योगी के प्रयासों से हैं उत्साहित

प्रयागराज संगम में पीढ़ियों से नाव चलाने वाले नाविक और मल्लाहों का कहना है कि कुम्भ 2019 और महाकुम्भ 2025 में पहली बार हम नाविकों की सुध लेने वाली कोई सरकार आई है। नाविक सियाराम निषाद का कहना है कि इसके पहले की सरकारें कुम्भ, महाकुम्भ जैसे बड़े अवसर पर केवल लाईसेंस जारी करती थीं और नाव यात्रा के रेट तय करती थीं, हम नाविकों को और किसी तरह की सुविधा नहीं मिलती थी। सीएम योगी की सरकार ने इस महाकुम्भ में तो हमें लाइफ जैकेट, सुरक्षा बीमा के साथ नाव यात्रा का रेट 50 फीसदी बढ़ा दिया है और अब हमारी नावों की मरम्मत और पेंटिंग भी करवा रही है। इससे बढ़कर हमलोगों के लिए क्या हो सकता है।

अंबाला

लॉर्ड महावीर जैन पब्लिक स्कूल में करियर काऊंसलिंग

काऊंसलिंग सेमिनार के दौरान विद्यार्थियों को सम्बोधित करते ईश्वर संधू।

अम्बाला छावनी : लॉर्ड महावीर जैन पब्लिक स्कूल में हिट बुल्स आईह्ल द्वारा करियर काउंसलिंग सेमिनार (सत्र)का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के कक्षा दसवीं के विद्यार्थियों ने भाग लिया। जिसमें ईश्वर संधू ने विद्यार्थियों को कक्षा दसवीं के बाद विभिन्न संकायों से संबंधित विषयों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हमें अपने विषय अपनी योग्यता और अभिरुचि के अनुसार ही तय करने चाहिए। आज केवल विज्ञान या वाणिज्य संकाय ही नहीं अपितु कला संकाय में भी रोजगार के सुनहरी अवसर उपलब्ध है। बोर्ड की परीक्षा की तैयारी कैसे करनी है और तनाव को कैसे दूर किया जाए उसके बारे में भी विस्तृत जानकारी दी। सत्र के अंत में विद्यार्थियों की शंकाओं का निवारण भी किया गया।इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या रुचि शर्मा ने कहा की ऐसे सत्र का आयोजन विद्यालय में समय-समय पर किया जाता है, जिससे कि विद्यार्थियों की शंकाओं का निवारण हो सके तथा वह सुनिश्चित कर सके कि वह कक्षा दसवीं के बाद किस संकाय में प्रवेश लेकर अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाना चाहते हैं। यह विद्यालय का कर्तव्य है कि वह अपने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करें।

ओमप्रकाश चौटाला के निधन पर वीरेश शांडिल्य ने जताया शोक

अंबाला : हरियाणा के पाँच बार मुख्यमंत्री रहे एवं इंडियन नेशनल लोकदल सुप्रीमो ओमप्रकाश चौटाला के निधन पर एंटी टैरेरिस्ट फ्रंट इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं विश्व हिंदू तख्त के प्रमुख वीरेश शांडिल्य ने गहरा शोक व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ओपी चौटाला का निधन केवल उनके परिवार के लिए नहीं, बल्कि पूरे हरियाणा के लिए अपूर्णीय क्षति है। वीरेश शांडिल्य ने कहा कि चौटाला ने हरियाणा के किसानों, मजदूरों और युवाओं के उत्थान के लिए अभूतपूर्व योगदान दिया। उन्होंने पूर्व उपप्रधानमंत्री चौधरी देवी लाल की सोच को आगे बढ़ाने का कार्य किया और हरियाणा के विकास में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने युवाओं को रोजगार देने के लिए ठोस कदम उठाए।

देव समाज कॉलेज फॉर गर्ल्स में किया गया एक दिवसीय शिविर

कार्यक्रम के दौरान प्राचार्या मुक्ता अरोड़ा के साथ ग्रुप फोटो

अंबाला शहर, दिसम्बर : देव समाज कॉलेज फॉर गर्ल्स अंबाला शहर में एन एस एस विभाग द्वारा एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। ₹ऊर्जा संरक्षण₹ विषय पर वक्तव्य का आयोजन किया गया।वक्तव्य प्रोफेसर शुभदा ठाकुर(विभागाध्यक्ष,अर्थशास्त्र) द्वारा दिया गया। उन्होंने बताया कि कैसे ऊर्जा संरक्षण किया जा सकता है। जैसे कि उपयोग न होने पर बिजली के उपकरणों को अनप्लग करें,सर्दियों में हीटिंग वेंट बंद करें,गर्म पानी के हीटर का तापमान 115-120 डिग्री तक कम करें।शिविर में वालंटियर्स ने कॉलेज कैंपस में पेंट किया। विश्व तंबाकू निषेध दिवस₹को मनाने के लिए वालंटियर्स ने पोस्टर और स्लोगन बनाए और कॉलेज कैंपस में भी लगाए। कार्यक्रम का संयोजन एन एस एस प्रभारी प्रोफेसर पूनम रानी द्वारा किया गया। प्रोफेसर सुखदीप कौर भी साथ रहे।

निगम अधिकारियों द्वारा सुनी गईं 28 शिकायतें, 13 का तुरंत प्रभाव से किया गया समाधान

लोगों की समस्याएं सुनते निगम अधिकारी।

अंबाला शहर : नगर निगम अंबाला शहर में अनुभाग अधिकारी सोमनाथ वह टैक्स सलाहकार शेर सिंह की अध्यक्षता में दिनांक 20/12/2024 को समाधान शिवर लगाया गया । जो की निरंतर जारी है जिसका समय सुबह 9:00 बजे से 11:00 बजे तक लगातार सरकार की हिदायतों के अनुसार लगाया जा रहा है जिसकी अध्यक्षता नगर निगम के अनुभाग अधिकारी द्वारा की गई इसमें आज 28 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें से 13 शिकायतों का समाधान करवाया गया। इस कैंप में टैक्स सलाहकार व अनुभाग अधिकारी नगर निगम अंबाला द्वारा शहर वासियों की समस्याओं को ध्यानपूर्वक सुनकर उनका समाधान कराया गया। कैंप में रोजाना लोगों की समस्याओं को सुना जा रहा है व उसका समाधान तुरंत प्रभाव से किया जा रहा है।

ओम प्रकाश चौटाला ने प्रदेश में हिन्दू सिख भाईचारे को मजबूत करने के लिए किया कार्य : पूर्व चेयरमैन

कुरुक्षेत्र, दिसंबर : पंजाब इंडस्ट्री डिवैल्पमैंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड के पूर्व चेयरमैन एवं शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी श्री अमृतसर के पूर्व सदस्य जत्थेदार अमरजीत सिंह मंगी ने हरियाणा के के पूर्व मुख्यमंत्री और इनेलो के वरिष्ठ नेता चौ. ओम प्रकाश चौटाला के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि दिवंगत चौटाला ने प्रदेश में हिन्दू सिख भाईचारे को मजबूत करने के लिए काफी कार्य किए। उन्होंने सभी बिरादरियों और समाज के लोगों में आपसी प्यार और सद्भाव बढ़ाया। उन्होंने कहा कि ओपी चौटाला के निधन से हरियाणा की राजनीति के एक अध्याय का अंत हो गया है। हरियाणा की राजनीति में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। पूर्व चेयरमैन ने कहा कि चौटाला का व्यक्तित्व सादगी और संघर्ष का प्रतीक था। वे एक दूरदर्शी नेता थे, जिन्होंने ग्रामीण विकास, शिक्षा और बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए कई योजनाएं चलाई। उनके निधन से न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे प्रदेश को गहरा आघात लगा है।

पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला थे एक महान नेता : निर्मल सिंह

कांग्रेस कार्यकर्ता अमित शाह का जलाएंगे पुतला

कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित करते शहर विधायक निर्मल सिंह।

अंबाला, दिसम्बर : अपना इलाज करवाने के बाद आज स्वस्थ होकर अंबाला विधायक निर्मल सिंह कांग्रेस भवन अपने साथियों से मिलने कांग्रेस भवन पहुंचे। कांग्रेस भवन पहुंचने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने निर्मल सिंह का स्वागत किया। इस अवसर पर हरियाणा के सह प्रभारी प्रहलाद विनोद रॉय ओर अंबाला प्रभारी बिशन लाल सैनी भी मौजूद रहे। सबसे पहले निर्मल सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला को श्रद्धांजलि दी और दो मिनट को मौन भी रखा। निर्मल सिंह ने कहा की ओम प्रकाश चौटाला प्रदेश के महान नेता थे। उन्होने कहा कि आने वाले मेयर चुनाव में कांग्रेस पार्टी बढ़चढ़ कर चुनाव लड़ेगी और जो साथी चुनाव लड? के इच्छुक हैं वे साथी अपना आवेदन पार्टी प्रभारी प्रहलाद विनोद रॉय व बिशन लाल सैनी को दे सकते हैं। चुनाव आयोग जब भी चुनाव करवाने का ऐलान करेगा कांग्रेस पार्टी का एक एक कार्यकर्ता चुनाव लड़ेगा उन्होंने कहा कि आज सरकारी अधिकारी राजनीतिक दबाव में विकास कार्य को रोक रहें हैं लेकिन प्रेस के साथी व आम जनता हमेशा विपक्ष को मजबूत बनाते हैं ताकि कोई भी सरकार तानाशाही न कर सके और उन्होंने उन राजनीतिक दल के नेता और अधिकारियों को भी चेतावनी दी जो आज अंबाला के विकास कार्यो में रोड़े अटका रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें काम करवाने भी आते हैं और सडकों पर भी उतरना जानते हैं। इस अवसर पर हरियाणा कांग्रेस के सह-प्रभारी प्रहलाद विनोद रॉय ने कांग्रेस पार्टी के साथियों को को संबोधित करते हुए कहा कि आज देश में एक तानाशाही सरकार चल रही है और साथ ही उन्होंने कहा कि कांग्रेस का इतिहास हे कांग्रेस हमेशा जोर जुल्म के खिलाफ लड़ती रही है। उन्होंने कहा कि अब ग्रामीण क्षेत्र से लेकर शहरी क्षेत्र के हर वार्ड में कांग्रेस का मजबूत संगठन तैयार किया जाएगा और उसके बाद ब्लॉक स्तर से लेकर जिला स्तर का संगठन तैयार किया जाएगा।

इस मौके पर जसबीर मलौर ने कहा कि कांग्रेस का एक एक कार्यकर्ता मजबूत है और जब भी इलाका वासियों को जरूरत पड़ेगी चो निर्मल सिंह जी के साथ सभी साथी कंधे से कंधा मिलाकर चलेगा।

इस अवसर पर पार्षद मिथुन वर्मा, पार्षद इशू गोयल, पार्षद राजविंदर कौर,विनोद धीमान हरजीत सिंह बबल, कुलदीप सिंह गुल्लू, दविंदर बजाज,धर्मपाल चढ्ढा,दविंदर मान, हरदीप लाडा, राजिंदर सिंह बीटू, रोहित शर्मा विशु, नवीन गुप्ता, अशोक सोनी दविंदर वर्मा, अशोक बूंदी, खुशबीर वालिया, गुलशन कुमार, नितिन,अमित तोमर,अजितपाल चौहान, सोनू आनंद, नरेश, वेद शर्मा, अजब सैन आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिला उपायुक्त कार्यालय के समक्ष किसान संगठनों ने भूख हड़ताल कर किया रोष प्रदर्शन

अंबाला जिला उपायुक्त कार्यालय प्रतिनिधि को प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते किसान नेता।

किसानों ने उपायुक्त के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम सौंपा ज्ञापन

अंबाला शहर, दिसंबर : बीते करीब 10 महीने से शंभू बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन को लेकर शुक्रवार को कुछ किसान संगठनों ने अंबाला जिला उपायुक्त कार्यालय के समक्ष 1 दिन की भूख हड़ताल कर जिला उपायुक्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम एक ज्ञापन सौंपा, इस मौके पर किसान संगठन के युवा जिला प्रधान गुलाब पुनिया ने बताया कि देश प्रदेश की किसान अपनी मुख्य मांगों को लेकर काफी लंबे समय से पंजाब शंभू बॉर्डर पर संघर्ष कर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। इसी कड़ी में हरियाणा के किसान संगठनों द्वारा यह निर्णय लिया गया था कि हरियाणा के सभी जिला मुख्यालयों पर किसान संगठनों द्वारा 1 दिन की भूख हड़ताल रखी जाएगी, जहां किसान अपनी मांगों को लेकर रोष व्यक्त कर अपना मांग पत्र भी सौंपेगें। प्रधान गुलाब पुनिया ने बताया कि सुबह करीब 10 बजे भारी संख्या में पहुंचे किसानों ने जिला उपायुक्त कार्यालय के सामने रोष प्रदर्शन करते हुए 1 दिन के लिए भूखहड़ताल की है।

कांग्रेस भवन में प्रफुल्ल विनोदराव गुडाधे सह प्रभारी हरियाणा कांग्रेस कमेटी ने कांग्रेस कार्यकर्ता के साथ की महत्वपूर्ण बैठक

कार्यकर्ताओं की बैठक लेते प्रफुल्ल विनोदराव गुडाधे साथ पूर्व प्रत्याशी परविंदर सिंह परी व कांग्रेसजन।

अम्बाला छावनी, दिसंबर : कांग्रेस भवन में प्रफुल्ल विनोदराव गुडाधे सह प्रभारी हरियाणा कांग्रेस कमेटी ने एक महत्वपूर्ण बैठक ली । इस दौरान अम्बाला छावनी में आगामी होने वाले नगर परिषद के चुनाव को लेकर मार्गदर्शन किया। उन्होंने बताया कि हरियाणा में होने वाले नगर निगमों, नगर परिषदों व नगर पालिकाओं के चुनाव पार्टी के द्वारा दिए गए चुनाव चिन्ह हाथ पर ही होंगे। यह भी स्पष्ट किया पार्टी हाई कमान चाहता है कि देश के अन्य प्रदेशों के स्तर पर हरियाणा में भी जो चुनाव नगर निकाय के हो रहे हैं वह अब पार्टी के चुनाव चिन्ह पर ही हो। सभी कार्यकताओं को एकजुट हो बूथ स्तर पर कार्य करने की प्रेरणा भी दी। जैसे ही सह प्रभारी ने यह बात बताई कार्यकताओं में एक जोश देखते ही बनता था। सभी कांग्रेसजनों व कांग्रेसी कार्यकताओं ने कांग्रेस हाईकमान के निर्णय की सराहना की ओर करतल कर ध्वनि से इस निर्णय का स्वागत किया।

इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रत्याशी परविंदर सिंह परी, अशोक जैन पूर्व अध्यक्ष जिला कांग्रेस कमेटी,नीलम शर्मा पूर्व चेयरमैन नगर परिषद अंबाला सदर, सुधीर जायसवाल पूर्व डिप्टी मेयर, पूर्व पार्षद बाबू कनौजिया, पूर्व पार्षद ओंकार नाथी, पूर्व पार्षद घनश्याम, पूर्व पार्षद रतनलाल, सतीश कनौजिया,मनीष राणा,सेवा दल अंबाला अध्यक्ष सलिंदर कुमार,महिला अध्यक्ष गोरी शर्मा,ऑफिस इंचार्ज पंकज शर्मा,संदीप वशिष्ठ, अमनदीप सिंह शेरा, संजीव राणा आदि कांग्रेसजन भारी संख्या में मौजूद रहे।

गांव मंडोर में गोगा माडी के कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि की पार्षद मनीष आनंद मनी ने शिरकत

पुष्पगुच्छ देकर स्वागत करते हुए

अंबाला शहर, दिसम्बर : अंबाला के वार्ड नंबर तीन के गांव मंडोर में गोगा माडी में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में बिजली विभाग के एसई वीके गोयल व वार्ड नंबर 3 के पार्षद मनीष आनंद मनी, कार्यकारी अभियंता सुखबीर सिंह, एसडीएम रविंद्र यादव ने शिरकत की। कार्यक्रम में पहुचने पर लोगों ने बुके देकर स्वागत किया। इस दौरान वीके गोयल व पार्षद मनीष आनंद मनी ने लोगों को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के बारे में जानकारी दी गई और इस योजना की लाभ लेने के लिए अपील कि की, ताकि आपका बिजली बिल कम आ सके। इस अवसर पर हरविंदर घई, अमित जैन, माया राम, सोनू, गुलशन, गोल्डी, सुरेश, लाभ सिंह, राजिंदर, भैरव, शिवम, गुरसेवक, बलविंदर आदि मौजूद रहे।

जरूरतमंद लोगों के लिए वरदान है नेकी का द्वार

जिनके पास ज्यादा है छोड़ जाएं, जरूरतमंद ले जाएं: डॉ. अनुपमा आर्य

कार्यक्रम के दौरान प्राचार्या डॉ. अनुपमा आर्य, डॉ. जोगिन्द्र

अम्बाला छावनी, दिसंबर : आर्य गर्ल्ज कॉलेज, अम्बाला छावनी के प्रांगण में नेकी का द्वार सैल की तरफ से सामाजिक कार्य हेतु कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अनुपमा आर्य ने समाज सेवा की इस श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए कहा कि हमारे दैनिक जीवन की जरूरत की वस्तुएं जब हमारे अनुरूप प्रयोग में नहीं लाई जाती लेकिन अन्य किसी भी व्यक्ति विशेष के लिए इस्तेमाल करने योग्य है तो ऐसा वस्तुओं का हमें निरादर न करते हुए सहयोग हेतु भेंट कर देनी चाहिए। नेकी का द्वार सैल विद्यार्थियों को इसी भावना की ओर अग्रसर करता है। इस मुहिम में प्रो. रंजू त्रेहन, प्रो. सिल्वी अग्रवाल, डॉ. शचि शुक्ला, डॉ. अमनदीप मक्कड़, डॉ. अनु वर्मा, कमलेश गोयल, मान तेजस कपिला व अन्य सभी सदस्य उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा को लेकर नारायणगढ़ एसडीएम सहित आरटीए ने वाहनों पर लगाए रिफलेक्टर

नारायणगढ़ में ट्रैक्टर-ट्रालियों पर रिफलैक्टर लगाते एसडीएम व आरटीए के अधिकारी।

नारायणगढ़, दिसम्बर : सड़क सुरक्षा के तहत एसडीएम शाश्वत सांगवान और आरटीए सुशील कुमार ने शुगर मिल नारायणगढ़ में ट्रैक्टर ट्रालियों व अन्य वाहनों पर रिफ्लेटर टेप लगाकर वाहन चालकों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक किया।

एसडीएम ने कहा कि कोहरे के कारण होने वाले सड़क हादसों को रोकने के लिए एहतियाती कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाई गई है और वह यातायात नियमों की पालना करे, जिससे कि सड़क दुर्घटनाएं न हो।

आरटीए सुशील कुमार ने कहा कि ट्रैक्टर.ट्रॉलियों व अन्य वाहनों पर रिफ्लेक्टिव टेप लगाई गई है। इस दौरान वाहन चालकों से सफर के दौरान विशेष सावधानी रखने को कहा गया है। वाहनों को एक-दूसरे से सुरक्षित दूरी व धीमी गति से चलाने के लिए भी कहा गया है। धुंध व कोहरे के मौसम में सफर के दौरान सावधानी रखने से वाहन चालक न केवल स्वयं बल्कि अन्य लोगों को भी सुरक्षित रख सकता है।

हम एक कदम स्वच्छता की ओर बढ़ाकर रह सकते हैं रोगों से दूर : एसडीएम

लघुसचिवालय की सफाई करते व सफाई के बारे जागरूक करते एसडीएम।

नारायणगढ़, दिसम्बर : स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अन्तर्गत शुक्रवार को एसडीएम शाश्वत सांगवान की अध्यक्षता में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। बता दें कि प्रत्येक सप्ताह शुक्रवार के दिन नारायणगढ़ में एसडीएम शाश्वत सांगवान के नेतृत्व में साफ-सफाई का कार्य किया जाता है। जिसमें नगरपालिका कर्मचारियों के अलावा अन्य लोग भी शामिल रहते है।

इस विशेष स्वच्छता कार्यक्रम के दौरान जहां एसडीएम स्वयं झाड़ू लगाकर सफाई का कार्य करते है वहीं पर लोगों को भी स्वच्छता के बारे में जागरूक किया जाता है।

एसडीएम ने कहा कि वे कुछ दिनों बाद दौबारा से यहां का निरीक्षण करेगें और कूडा.कचरा जला हुआ पाया जाएगा तो नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

स्वच्छता अभियान के अंतर्गत सेक्टर-10 में जिला उपायुक्त ने श्रमदान कर दिया सफाई रखने का संदेश

श्रमदान करते अंबाला जिला उपायुक्त पार्थ गुप्ता व अन्य पदाधिकारी।

अंबाला शहर, दिसंबर : अंबाला जिला उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने शुक्रवार को नगर निगम, नगर परिषद, लायंस क्लब अंबाला व सेक्टर 10 वेलफेयर एसोसिएशन के साथ-साथ स्थानीय लोगों के साथ श्रमदान करते हुए सभी को स्वच्छता को बनाए रखने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता बनाकर हम अपने शहर, कस्बे व जिले को सुंदर बना सकते हैं। इस अभियान में सभी की सहभागिता बेहद जरूरी है। यह बात उपायुक्त ने स्वच्छता के लिए श्रमदान अभियान के अंतर्गत आज अंबाला छावनी में सब्जी मंडी के नजदीक व सेक्टर 10 माता वैष्णो देवी मंदिर के नजदीक श्रमदान के उपरांत कही, वहीं उन्होंने कहा कि स्वच्छता को हमें अपने दैनिक जीवन में शामिल करना चाहिए। अपने आस पास के क्षेत्र को स्वच्छ एवं सुंदर रखना चाहिए। उपायुक्त ने कहा कि स्वच्छता अभियान में लायंस क्लब अंबाला व सेक्टर 10 वेलफेयर एसोसिएशन ने आज के श्रमदान में आगे आकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इससे अन्य को भी प्रेरणा मिलती है। इस मौके पर एसडीएम दर्शन कुमार, एसडीएम सतिन्द्र सिवाच, नगर निगम के संयुक्त आयुक्त पुनीत कुमार, ईओ नगर परिषद रविंद्र कुहार, मुख्य सफाई निरीक्षक विनोद बेनीवाल, मुख्य सफाई निरीक्षण मुकेश, लायंस क्लब अंबाला छावनी से प्रधान एस.ई. जयसवाल, परमजीत पम्मी, अतुल शर्मा, सेक्टर-10 वेलफेयर एसोसिएशन के पदाधिकारी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

ओमप्रकाश चौटाला के निधन पर नारायणगढ़ बार एसोसिएशन ने आधा दिन का वर्क सस्पैंड कर दी श्रद्धांजलि

बार ऐसोसिएशन नारायणगढ़ के वकील दुख प्रकट करते हुए।

नारायणगढ़, दिसम्बर : पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला के निधन पर नारायणगढ़ बार ऐसोसियशन ने आधा दिन का वर्कसैस्पेंड कर वकीलों ने श्रद्धाजलि आर्पित कर उन्हे याद किया। अपने समय में पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला ने नारायणगढ़ कोर्ट की नीवं का पत्थर लगाने का भी काम किया था। इस पर यहा वकीलों में भारी शौक की लहर है। यहा पूर्व प्रधान राजीव सिंह बरोली ने कहा कि पूर्व मुख्यमंत्री जी का आज निधन होने पर यहा नारायणगढ़ में उनको श्रद्धा व भाव के साथ यहा बार एंसोसिशन ने वर्कसस्पैंड कर उनको श्रद्धाजलि दी गई हैं।

नारायणगढ़ कोर्ट की नींव रखने वाले आग्रकाश चौटला जी थे

धर्मबीर ढांडसा बताया कि पूर्व मुख्यमंत्री ओमप्रकाश चौटाला जी एक परवकर्ता थे और उनके निधन से हमारे हरियाणा में शौक की लहर है। उसी के मध्यनजर नारायणगढ़ के बार ऐसोसिशन के वकीलों ने भी आधा दिन का वर्कसंस्पैंड कर उनकी आत्म सम्मान के लिए प्रार्थना की। यहा जो नारायणगढ़ की कोर्ट है उसकी नीव का पत्थर लगाने वाले ओमप्रकाश चौटाला जी थे,जब वह मुख्यमंत्री थे।इस लिये यहा के वकील भी उनके कर्तव्य हैं और उनका अहसान मानते हैं। इस पर वकीलों आज दुख व शौक की लहर है।

राजनीति में होते हुए ओमप्रकाश चौटाला जी ने अच्छे कार्य किए

बार कीउपप्रधान कलविन्द्र कौर ने भी पूर्व मुख्यमंत्री के निधन पर गहरा दुख प्रकट करते हुए कहा कि यहा नारायणगढ़ की कोर्ट का उन्होंने ही नीवं का पत्थर रखा था इस लिए यहा हम सभी को उनके निधन पर भारी दुख है। उन्होंने अपनी राजनीति में होते हुए अच्छे कार्य किए। इस अवसर पर सचिव रविकुमार, जाहर सिंह सहित अन्य वकील मौजूद थे।

पुलिस लाइन डी.ए.वी. स्कूल ग्राऊंड में 5 दिवसीय दिव्य गीता सत्संग समारोह का आयोजन 27 से

दिव्य गीता सत्संग समारोह में गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज करेंगे श्रीमद् भगवद गीता का वर्णन

कार्यक्रम में भाग लेते श्री कृष्ण कृपा सेवा समिति के मुख्य संरक्षक दिनेश ग्रोवर व अन्य सदस्य।

अंबाला शहर, दिसंबर : अंबाला शहर के पुलिस लाइन ग्राउंड में आगामी 27 दिसंबर को 5 दिवसीय दिव्य गीता सत्संग समारोह का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस भव्य दिव्य सत्संग समारोह में महामंडलेश्वर गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद महाराज के पावन सानिध्य में 27 दिसंबर को इस भव्य कार्यक्रम का शुभारंभ किया जाएगा, यह कार्यक्रम प्रतिदिन सांय 3 से 6 बजे तक जारी रहेगा। इस कार्यक्रम के लिए शुक्रवार को विधिवत भूमि पूजन का कार्य संपन्न किया गया, ताकि भूमि से संबंधित सारे दोष-पाप मिट जाएं और सत्संग में किसी भी तरह की कोई बाधा न आए। इस दौरान श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार के सदस्यों ने इस भूमि पूजन कार्यक्रम में भाग लिया, वहीं भूमि पूजन श्री कृष्ण कृपा सेवा समिति के मुख्य संरक्षक दिनेश ग्रोवर ने परिवार सहित पहुंचकर विशेष रूप से भाग लिया, भूमि पूजन का कार्यक्रम पंडित पंडित तिलक राज शर्मा व पवन शर्मा द्वारा विधिवत मंत्रो उच्चारण करके संपन्न करवाया गया।

इस अवसर पर पूजा स्थल पर हनुमान जी की पताका भी स्थापित की गई। श्री कृष्ण कृपा सेवा समिति के अशोक चावला ने सत्संग समारोह की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि 27 से 31 दिसंबर तक सांय 3 से 6 बजे तक पुलिस लाइन डी.ए.वी. स्कूल ग्राऊंड में दिव्य गीता सत्संग का आयोजन होगा। इस अवसर पर अशोक चावला, दिनेश ग्रोवर, राजू चावला, हैप्पी चावला, हरेन्द्र गुलाटी, रविन्द्र चोपड़ा, जगदीश सचदेवा, सुरेंद्र मदान, अशोक ग्रोवर, रमेश सचदेवा, केवल चावला, रमेश गांधी, मोनू खरबंदा, पवन चावला, सुभाष शर्मा, पवन शर्मा, राजकुमार दत्त एवं रमेश सचदेवा मौजूद रहे।

बिहार के राजस्व रिकॉर्ड में वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण और हमारी जिम्मेदारियां बिहार में जमीनों का सर्वे पर बिहार राबिता कमिटी का कार्यशाला आयोजित

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

मोतिहारी। आज मोतिहारी के डॉ० रहमान मॉडल एकेडमी में बिहार राबिता कमिटी द्वारा आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला किया गया। जिसमें सरकारी राजस्व रिकॉर्ड में वक्फ संपत्तियों का पंजीकरण और हमारी जिम्मेदारियां बिहार में जमीनों का विशेष सर्वे किया जा रहा है जो बिहार सरकार ने अभी कुछ दिनों के लिए समय बढ़ाया है इस सर्वे में तमाम जमीनों का विशेष रूप से वक़्फ़ प्रॉपर्टी का सरकारी राजस्व अभिलेख में दर्ज कराना निहायत ही जरूरी है। इस संबंध में इस कार्यशाला में इससे जुड़े बारीकियों की जानकारी विशेषज्ञों द्वारा बिंदुवार दी गई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता मौलाना अमानुल्लाह ने की तथा सेक्रेटरी बिहार राबिता कमिटी अफजल हुसैन ने मंच का संचालन किया। उक्त अवसर पर अपनी बाते रखते हुए लोगों के सवालों का मुख्य अतिथि इम्तियाज अहमद करीमी, सेवानिवृत्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी, बिहार राज्य सुन्नी वक्फ बोर्ड एवं पूर्व अध्यक्ष, बिहार लोक सेवा आयोग ने इससे जुड़ी बारीकियों के बारे में विस्तार से बताया और लोगों के सवालों का जवाब दिया इस अवसर पर ज़िला अवकाफ कमिटी के सदर सैयद मोबिन अहमद ने वक़्फ़ से जुड़े मुद्दे पर अपनी बात रखी और लोगों के सवालों का जवाब देते हुए इस सर्वे में सभी धार्मिक स्थलों को दर्ज करने की अपील की। डॉ० तबरेज अजीज ने कई बिंदुओं पर लोगों को जागरूक किया कार्यक्रम के समापन पर तनवीर खान ने लोगों का धन्यवाद किया। इस अवसर पर जिला के कई सारे बुद्धिजीवी उपस्थित रहे अफजल हुसैन, सेक्रेटरी बिहार राबिता कमिटी, सैय्यद मोबिन अहमद अध्यक्ष ज़िला अवकाफ कमिटी,पूर्वी चंपारण,डॉ० तबरेज अजीज, अध्यक्ष अंजुमन इस्लामिया मोतिहारी, शबाब रजा, सदर उर्दू लाइब्रेरी मोतिहारी, डॉ० परवेज अजीज, अध्यक्ष शान्ति समिति, मौलाना जमालुद्दीन कासमी, सेक्रेटरी जमीयत उलेमा पूर्वी चंपारण, उजैर अंजुम सीनियर जर्नलिस्ट, तनवीर अहमद खा साहब, वरिष्ठ पत्रकार डॉ० अमानुल हक, सैय्यद शाहबुद्दीन, नुरुल्लाह अंसारी रबीता कमिटी, आलमगीर हुसैन, डॉ० मिनतुल्लाह, महताब आलम, मोहसिन अहमद, फखरे अलम, इत्यादि मौजूद रहे। साथ ही इस कार्यशाला में पश्चिम चंपारण, बेतिया से भी गणमान्य लोग पहुंचे थे।

ईको कार चोरी करने वाले बदमाश को पुलिस ने पकड़ा

■ कालपी-उरई

विभिन्न स्थानों से ईको कार को चुराने वाले बदमाश को कालपी पुलिस ने गिरफ्तार करके जेल भेज दिया है। पुलिस ने आरोपी के पास से चोरी की एक एक कर बरामद की है तथा दूसरी चोरी की गाड़ी के प्रपत्र को बरामद कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक दिनांक 8.11.2024 की रात में मोती नगर जोल्हूपुर से ईको कार नम्बर 92 ए एच 31 56 को बदमाशों के द्वारा चोरी की गई थी।

उक्त मामले को लेकर के इलाकाई पुलिस छानबीन करने में जुटी हुई थी इसी दौरान कोतवाली प्रभारी निरीक्षक नागेंद्र कुमार पाठक, उपनिरीक्षक रणधीर सिंह, राजेश सिंह, शिवम सिंह, हेड कांस्टेबल मोहम्मद मुईद, सुनील कुमार की टीम ने आरोपी ऋषभ कुमार पुत्र विनीत कुमार तिवारी निवासी ग्राम सोनबरसा रेलवे स्टेशन के पास थाना शिवली जिला कानपुर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक कालपी थाने में पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 284 / 2024 धारा 303 ,(2)/ 317 दो बीएस तथा मुकदमा अपराध संख्या 256 /2024 धारा 303 बीएनएस दर्ज था। अभियुक्त ऋषभ कुमार को पुलिस ने पकड़ लिया। आरोपी के कब्जे से एक ईको नंबर 200 क्क91 ह्य40 19 बरामद की गई। तथा दूसरी ईको कार श्च 92 ड्डद्ध 31 56 के मूल प्रपत्र बरामद किए गए। पकड़े गए आरोपी द्वारा बताया गया कि दिनांक 18 12- 24 को वहां ही को नंबर अप 91 ह्य40 19 को की रात में कालपी से मैंने और मेरे साथी आकाश पुत्र टाटा गौतम निवासी रूरा झींझक थाना रूरा ने मिलकर चोरी की थी ।और आज फिर हम लोग दोबारा इस गाड़ी से जोल्हूपुर की तरफ वारदात करने के लिए जा रहे थे ।कि तभी पुलिस टीम ने पकड़ लिया। इतना कार्ड 8- -11.24 की रात मोती नगर जोल्हूपुर थाना क्षेत्र कालपी से भी एक एक गाड़ी चोरी की थी। उक्त गाड़ी नंबर का नम्बर upah3656 एक गाड़ी जो मोती नगर से चोरी की गई थी। उसी गाड़ी के मूल प्रपत्र है। पुलिस ने आरोपी को के खिलाफ आवश्यक लिखा पड़ी करके जेल भेज दिया।

ऐतिहासिक हजारीमल धर्मशाला को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने, बेतिया में विश्वविद्यालय स्थापित करने, बेतिया राज की भूमि पर वर्षों से बसे लोगों को स्थाई करने , महात्मा गांधी एवं चंपारण सत्याग्रह से जुड़े ऐतिहासिक मीना बाजार को विकसित कर संरक्षित करने के लिए पुनः मुख्यमंत्री के समक्ष रखेंगे मांग।

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

बेतिया। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेतिया पश्चिमी चंपारण आगमन के अवसर पर एक बैठक का आयोजन सभागार सत्याग्रह भवन में किया गया। इस अवसर पर सचिव सत्याग्रह रिसर्च फाउंडेशन डॉ एजाज अहमद अधिवक्ता, संस्थापक मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट डॉ अमानुल हक एवं डॉ शाहनवाज ने संयुक्त रूप से कहां कि विगत कई वर्षों से सरकार के मुखिया मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से ऐतिहासिक हजारीमल धर्मशाला को राष्ट्रीय स्मारक संग्रहालय घोषित करने, बेतिया पश्चिमी चंपारण में विश्वविद्यालय, बेतिया राज के भूमि पर वर्षों से बसों बसे लोगों को स्थाई करने महात्मा गांधी एवं चंपारण सत्याग्रह से जुड़े ऐतिहासिक राज हाई स्कूल , ऐतिहासिक मीना बाजार को विकसित कर संरक्षित करने की मांग सत्याग्रह रिसर्च फाऊंडेशन ,मदर ताहिरा चैरिटेबल ट्रस्ट एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा संयुक्त रूप से कई वर्षों से की जाती रही है । विभिन्न अवसरों पर सत्याग्रह रिसर्च फाऊंडेशन द्वारा मांग पत्र प्रदेश के मुखिया दिया जाता रहा है। चंपारण सत्याग्रह शताब्दी वर्ष 2017 में भी मुख्यमंत्री का ध्यान मुख्यमंत्री की बेतियां पश्चिम चंपारण आगमन पर इस ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता रहा है। कोर्ट ऑफ वर्ड्स की समाप्ति के बाद बेतिया पश्चिमी चंपारण में विश्वविद्यालय स्थापित करने, ऐतिहासिक हजारीमल धर्मशाला को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने, राष्ट्रीय स्मारक संग्रहालय स्थापित करने, बेतिया राज की भूमि पर वर्षों से बसे लोगों को स्थाई करने महात्मा गांधी एवं चंपारण सत्याग्रह 1917 से जुड़े ऐतिहासिक मीना को विकसित कर संरक्षित करने की मांग पुनः की गई है। जिले में विश्वविद्यालय नहीं होने की वजह से छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों को कई दशकों से काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। हम सब आशा करते हैं कि मुख्यमंत्री बिहार सरकार जिले को विश्वविद्यालय , ऐतिहासिक हजारीमल धर्मशाला को राष्ट्रीय धरोहर घोषित करने,राष्ट्रीय स्मारक संग्रहालय स्थापित करने,बेतिया राज की भूमि पर बसे लोगों को स्थाई करने ,महात्मा गांधी एवं चंपारण सत्याग्रह 1917 से जुड़े राज स्कूल एवं ऐतिहासिक मीना बाजार संरक्षित कर विकसित करने में अहम भूमिका निभाएंगे ।उनका यह प्रयास इस क्षेत्र के विकास एवं क्षेत्र की भविष्य के लिए मिल का पत्थर साबित होगा।

संक्षिप्त समाचार

बम्बा पर पुलिया न होने से लोगों को आवाजाही में दिक्कत

जालौन-उरई। बंबा किनारे घर बने होने के चलते मोहल्ले के लोगों को बंबा पार करके घरों में पहुंचना पड़ता है। यहां पुलिया न होने से लोगों को दिक्कत होती है। मोहल्ले के लोगों ने एसडीएम को शिकायती पत्र देकर पुलिया बनवाने की मांग की है। नगर के मोहल्ला नया रावतान मौजा धौरा खेड़ा बाहर हद निवासी जीशुफ, दीपू, जाकिर, रसीद, मेंहदी, याकूब, देवेश, मन्नू आदि ने एसडीएम को शिकायती पत्र देकर बताया कि उनके घर बंबा किनारे बने हैं। उन्हें मुख्य सड़क से बंबा पार करके अपने घरों तक पहुंचना पड़ता है। वर्तमान में बंबा पार करने के लिए वह बंबा पर लकड़ी के पटिए रखे हैं। जिनसे निकलते समय पटियों के खिसकने का डर बना रहता है। इनसे ही होकर बच्चे और महिलाएं भी निकलते हैं। ऐसे में कभी भी दुर्घटना होने का डर सताता रहता है। यदि बंबा पर पुलिया बनवा दी जाती है तो लोगों को निकलने में सहूलियत होगी और किसी भी प्रकार भय भी नहीं होगा। उन्होंने एसडीएम से जनहित को देखते हुए उक्त स्थान पर पुलिया बनवाने की मांग की है।

कबाड़ व्यापार में जमकर जीएसटी चोरी कर लगाया जा रहा राजस्व को चूना

जालौन-उरई । नगर के कबाड़ व्यापार में जमकर जीएसटी चोरी कर राजस्व को चूना लगाया जा रहा है। परंतु इस मामले में संबंधित अधिकारियों द्वारा कोई कार्रवाई न किए जाने से व्यापार करने वाले दुकानदार बेखौफ होकर कबाड़ के कारोबार में जीएसटी चोरी में लगे हैं। नगर से होकर लगभग प्रतिदिन ही कबाड़ से लदे ट्रक ग्वालियर, अलीगढ़, कानपुर आदि स्थानों पर टैक्स चोरी कर भेजे जा रहे हैं। नगर के कबाड़ का लाखों का कारोबार किया जा रहा है। जिसमें से अधिकांश दुकानदार जीएसटी के अंतर्गत पंजीकृत नहीं हैं। आरोप है कि फर्जी कागजातों के सहारे कबाड़ को बाहर भेजकर सरकार को लाखों रुपयों का राजस्व का चूना लगाया जा रहा है। इतना ही नहीं कबाड़ के नाम पर चोरी का भी माल खरीदने के आरोप लगते हैं। नगर के अनिल, सचिन, शिवम, नरेश आदि का कहना है कि कबा? का सामान लेकर जाने वाले ट्रकों को कमाई का जरिया बना लिया गया है। जिसके चलते अधिकारी भी इनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करते हैं। उन्होंने नगर में कबाड़ के व्यापार में लगी दुकानों को चेक करने और टैक्स चोरी व चोरी के माल का व्यापार करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

समझौता होने के बाद भी महिला दूसरे पक्ष को दे रही धमकी

जालौन-उरई। जानवर बांधने को लेकर हुए विवाद में समझौता होने के बाद भी महिला दूसरे पक्ष के व्यक्ति को धमका रही है। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर देकर जान माल की सुरक्षा की गुहार लगाई है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सिकरीराज निवासी संजीव कुमार ने पुलिस को बताया कि दो दिन पूर्व उसका पड़ोस की महिला से जानवर को बांधने को लेकर विवाद हो गया था। जिस पर महिला ने डायल 112 को सूचना दे दी थी। पुलिस की उपस्थिति में दोनों पक्षों के बीच समझौता हो गया था। समझौते के बाद महिला अब उसे झूठे मुकदमे में फंसाने और समझौते में रकम लेने की धमकी दे रही है। पीड़ित ने पुलिस से जान माल की सुरक्षा की गुहार लगाई है।

जमीन को लेकर हुआ पारिवार के लोगों में विवाद

जालौन-उरई। जमीन को लेकर हुए पारिवार के ही लोगों में विवाद हो गया। सूचना पर पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम देवरी निवासी राजकुमार व अमित कुमार का परिवार के ही योगेंद्र के साथ विवाद चल रहा था। इसी को लेकर शुक्रवार की सुबह दोनों पक्षों के बीच कहासुनी होने लगी। कुछ ही देर में दोनों पक्षों में गाली, गलौज होने लगी। रोकने पर राजकुमार व अमित ने मिलकर योगेंद्र के साथ मारपीट कर दी। जिसकी सूचना योगेंद्र ने कोतवाली में दी। पुलिस ने आरोपी राजकुमार व अमित के खिलाफ कार्रवाई की है।

बल्दाऊ धर्मशाला से बाइक ले गए चोर

कोंच। सागर तालाब स्थित बलदाऊ धर्मशाला से एक बाइक को चोर चोरी कर ले गए।जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के मुहल्ला प्रताप नगर निवासी सतीश अग्रवाल पुत्र रविन्द्र मोहन ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि बीती 17 दिसंबर की रात वह बलदाऊ धर्मशाला में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए अपनी डीलक्स बाइक नम्बर यूपी 92 पी 5401 से गया हुआ था। बाइक लॉक कर उसने धर्मशाला के गेट पर खड़ी कर दी थी। करीब 11 बजे वह धर्मशाला से बाहर निकला तो मौके से बाइक नदारद थी।शिकायतकर्ता ने बताया आसपास काफी खोजबीन करने पर भी बाइक नहीं मिली। बाइक की डिग्गी में ही बाइक के सारे कागजात रखे हुए हैं।

एंटी करप्शन टीम ने राजस्व निरीक्षक सहित 3 को 30 हजार रिश्वत लेते पकड़ा

महिला से प्रमाण पत्र बनने के नाम पर मांगे थे पैसे, मामला दर्ज

■ कोंच

एक महिला से उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र बनवाने के लिए 30 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए एंटी करप्शन टीम ने तहसील में तैनात एक राजस्व निरीक्षक सहित 2 अन्य व्यक्तियों को रंगे हांथों पकड़ लिया। एंटी करप्शन टीम द्वारा की गयी इस कार्यवाही से तहसील परिसर में हड़कंप मचा रहा।प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसील क्षेत्र के ग्राम परैथा निवासी शिवेंद्र सिंह पटेल जौनपुर में शिक्षक थे जिनका निधन बीती 30 अगस्त को जौनपुर में ही हो गया था। पति का निधन हो जाने के बाद पत्नी राधा पटेल ने कोंच तहसील में उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र बनवाने के लिए बीते करीब 2 माह पूर्व आवेदन किया था। बताया जा रहा है कि तभी से वह काम कराने के लिए राजस्व निरीक्षक पिरौना सर्किल कृष्णाबाबू खरे के चक्कर लगा रही थी। शिकायतकर्ता महिला ने बताया राजस्व निरीक्षक ने काम कराने के लिए 70 हजार रुपये की मांग की और फिर बाद में मामला 30 हजार रुपये में सल्ट गया। परेशान राधा ने पूरे मामले की जानकारी एंटी करप्शन टीम झाँसी को दे दी। शुक्रवार की सुबह करीब 9 बजे ही 2 अलग अलग गाड़ियों में सवार एंटी करप्शन टीम के करीब दर्जन भर सदस्यों ने तहसील के आसपास डेरा डाल लिया और गाडियों में लगी पुलिस की लाइट निकालकर गाड़ी के अंदर रख ली। वहीं पूरी योजना के तहत दोपहर के समय शिकायतकर्ता महिला अपने पनयारा गाँव निवासी भाई के साथ तहसील पहुंची और सीधे राजस्व निरीक्षक कक्ष में गयी जहाँ राजस्व निरीक्षक के कहने पर उसने दो दलालों को केमिकल लगे रुपये थमा दिए। जैसे ही उसने रुपये दिए, एंटी करप्शन टीम ने राजस्व निरीक्षक कृष्णा बाबू खरे पुत्र आनंद प्रकाश निवासी उरई सहित दलाल माताप्रसाद वर्मा पुत्र श्रीराम किशुन निवासी भेंड़ और सौरभ यादव पुत्र भानुसिंह निवासी ग्राम भरसूडा को घेरकर दबोच लिया। इस दौरान मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गयी और सिविल ड्रेस में इस प्रकार से पकड़ा धकड़ी किए जाने पर लोग आगे बढ़ने लगे जिसको देख टीम के सदस्यों ने अपनी-अपनी पिस्टल निकालकर भीड़ को यह साबित कराया कि वह कोई साधारण व्यक्ति नहीं बल्कि एंटी करप्शन टीम के सदस्य हैं तब कहीं जाकर भीड़ को पूरा मामला समझ में आया। वहीं टीम के कुछ सदस्य उक्त तीनों को एक गाड़ी में बैठाकर एट थाना ले गये जहाँ उक्त तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। दूसरी गाड़ी में सवार टीम के अन्य सदस्यों ने यहां एसडीएम ज्योति सिंह और प्रभारी तहसीलदार जितेन्द्र सिंह से मामले के संबंध में बातचीत की। एंटी करप्शन टीम में निरीक्षक शादाब खान, निरीक्षक ठाकुरदास, उप निरीक्षक सूमेंद्र प्रताप, इरशाद, राहुल, ओमकार, आरिफ, जितेंद्र सिंह, शिवम गुप्ता, मनोज, शिवम शामिल रहे।

श्रीशिव पुराण कथा के पांचवें दिन कथा व्यास नगायच ने विवाह की कथा सुनाई

■ जालौन-उरई

श्रीवीर बालाजी हनुमान मंदिर में आयोजित श्रीशिव पुराण कथा के पांचवे दिन कथा व्यास पंडित शिवम नगायच ने शिव विवाह की कथा सुनाई। उन्होंने कहा कि आत्मा का परमात्मा से मिलन ही शिव में लीन हो जाना है। भगवान शंकर वैराग्य के देवता माने गए हैं। परंतु शिव ने भी विवाह करके संसार को गृहस्थ आश्रम में रहकर भी वैराग्य व योग धर्म का अनुशरण करने का तरीका दिया है।

कथा व्यास पंडित शिवम नगायच ने कहा कि शिव परिवार में भगवान के वाहक नंदी, मां पार्वती का शेर, गणेशजी का मूसक और कार्तिकेय का वाहन मोर है। शिव के गले मे सर्प रहते हैं। विपरीत विचारधारा के बीच भी सामंजस्य रखना हमें शिव पुराण ही सिखाता है। भगवान के विवाह के वर्णन में मैनादेवी व हिमालय राज की पुत्री के रूप मे मां पार्वती का जन्म लेना। प्रारंभिक काल मे शिव की तपस्या करना की कथा सुनाई गई। बताया कि उसी दौरान तारकासुर के आतंक को खत्म करने के लिए शिव का तंद्रा भंग हुई। तब जाकर शिव पार्वती का विवाह हुआ। इस दौरान भजनों में ऐ री सखी मंगल गाओ री, खुशियां मनाओ री। शुभ दिन आयो आज सखी री, मंगल आशा मन को सोहे भजन की अमृत वर्षा हुई। मंदिर परिसर में शिव बारात भी निकाली गई। इस दौरान पारीक्षत मंदिर के पुजारी कमलेश महाराज, लवकुश, जय पचौरी, भोले, संजीव पचौरी, देवेंद्र प्रजापति, भगवानदास, जया, संतोष, जिज्ञासा, अनुराधा, प्रियंका, शुचिता समेत बड़ी संख्या में भक्त मौजूद रहे।

चोरों ने दो घरों को बनाया निशाना चोरी कर ले गये आधा दर्जन बकरियां

जालौन-उरई। छिरिया मलकपुरा चौकी क्षेत्र के ग्राम खनुआं निवासी मुन्ना व मंगल सिंह ने पुलिस को बताया कि पशु पालन ही उनकी आजीविका का मुख्य साधन है। पीड़ित मुन्ना ने बताया कि गुरूवार की रात उन्होंने घर में चार बकरियों को बांधा था और मंगल सिंह ने बताया कि उनकी दो बकरियां थीं। रात में किसी समय अज्ञात पशु चोर उनके घर में घुस गए। चोरों ने घर में बंधी बकरियों को खोल लिया और उन्हें चोरी कर ले गए। सुबह जब उन्होंने बकरियों को देखा तो वह गायब थीं। पशुपालकों की सूचना पर पुलिस बकरी चोरों की तलाश कर रही है।

विधायक ने यमुना नदी को कालपी के प्राचीन घाटों तक लाने की उठाई मांग

■ कालपी-उरई

कालपी में यमुना नदी की जलधारा को प्राचीन घाटों तक लाने के मुद्दे को लेकर क्षेत्रीय विधायक विनोद चतुर्वेदी ने उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदन में मामला सौंपकर समस्या के निदान करने की मांग की उठाई है। विधायक विनोद चतुर्वेदी के मुताबिक मंत्रालय तथा शासन स्तर से वार्ता हो चुकी है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि जल्द ही इस दिशा में काम शुरू होगा।

कालपी विधानसभा क्षेत्र के विधायक विनोद चतुर्वेदी ने अवगत कराया है कि बुन्देलखण्ड का प्रवेश द्वार कहे जाने वाले महर्षि वेद व्यास की जन्म स्थली धार्मिक और ऐतिहासिक नगर कस्बा कालपी जो जनपद जालौन में आता है । उक्त नगर में बहुत ही सुन्दर प्राचीन ऐतिहासिक बिहारी घाट, किला घाट आदि पक्के घाट है। एतिहासिक किलाघाट के नाम से भी जाना जाता है जहां तमाम हिन्दू स्नान पर्वों पर सम्पूर्ण कालपी क्षेत्र के अलावा नजदीकी जनपदों से हजारों श्रद्धालु यमुना मे स्नान करने आते हैं! विभिन्न पर्वो में विशाल मेले का आयोजन होता है। उन्होंने बताया कि दुर्भाग्य है कि यमुना की जलधारा घाट को छोड़ कर दूर बह रही है। जिससे घाट वीरान तथा सूने हो गये हैं। जिसका आस्थावानों को महान कष्ट है । यमुना नदी के पानी का घाटों को छोड़ने के कई कारण हैं उन्होंने कहा कि हिन्दू धर्म के आस्थावानों, श्रद्धालुओं की भावनाओं को बनाये रखने हेतु यमुना नदी की जलधारा को घाटों पर लाने की योजना बनवाकर उसका क्रियान्वयन कराई जाये।

क्षेत्रीय विधायक विनोद चतुर्वेदी ने बताया कि उक्त मुद्दे पर फिलहाल चर्चा नहीं हो सकी है। उन्होंने बताया कि उच्च स्तर पर वार्ता हो गई है।भरोसा दिलाया कि यमुना नदी की जलधारा को प्राचीन घाटों तक लाने के लिए शासन स्तर पर प्रयास किया जा रहा है।जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने भी मामले को संज्ञान में ले लिया है। इसके लिये कार्यवाही चल रही है।

एसएसबी कैम्पस में रेड क्रॉस नरकटियागंज शाखा द्वारा रक्तदान शिविर

(वर्ल्ड न्यूज फीचर नेटवर्क)

नरकटियागंज। इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी नरकटियागंज शाखा द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ। एसएसबी कैंप 44 वा बटालियन नरकटियागंज के कैंपस में आयोजित रक्तदान शिविर में 28 युनिट ब्लड डोनेशन किया गया शिविर का उद्घाटन एस एस बी के डीआईजी सुरेश सुब्रमण्यम, एस एस बी 44 वीं बटालियन के कमांडेन्ट बलवंत सिंह नेगी, रेड क्रॉस के वाइस चेयरमैन डॉ फैसल सिद्दीकी सचिव डॉ आफताब आलम ने सदस्यों के साथ संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर प्रभारी संयुक्त सचिव संजय कुमार कोषाध्यक्ष एडवोकेट विकास कुमार विरेन्द्र जायसवाल वर्मा प्रसाद रवि मजुमदार डॉ सामरीन तबरेज डॉ अनामिका डॉ विरेन्द्र नारायण डॉ राजेशवर आसिम रजा मोहम्मद काज़िम अवध किशोर सिन्हा मनोज कुमार बालेश्वर शुक्ला नवीन कुमार प्रज्ञान कुमार आदि ने सेवाएं दीं। इस रक्तदान शिविर में रेड क्रॉस के सदस्य डॉ सामरीन तबरेज डॉ विरेन्द्र नारायण आसिम रजा मनोज कुमार नवीन कुमार प्रज्ञान कुमार ने रक्तदान किया।

शहर के अलग-अलग स्थानों पर स्थित कूप व तीर्थों का भी टीम ने सर्वे किया

संभल में दूसरे दिन भी विभिन्न धार्मिक स्थलों पर पहुंची टीम, 19 कूपों के लिए थे नमूने

- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की टीम संभल में दूसरे दिन भी सर्वे का काम करेगी
- खग्गू सराय स्थित शिव मंदिर और कुएं से कार्बन डेटिंग के लिए नमूने लिए गए
- डीएम की पहल पर एएसआई ने इस ऐतिहासिक स्थल के सर्वे का कार्य शुरू किया

एजेंसी, संभल

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की टीम दूसरे दिन भी सर्वे का काम जारी रखेगी। टीम अलग-अलग धार्मिक स्थलों पर पहुंचकर नमूने लेगी। इससे पहले शुक्रवार को शहर और उसके आसपास बने 19 कूप और पांच तीर्थों का सर्वे किया। एएसआई की टीम ने खग्गू सराय स्थित प्राचीन शिव मंदिर और इसके परिसर में स्थित प्राचीन कुएं की कार्बन डेटिंग के लिए नमूने लिए हैं। ताकि पता लगाया जा सके कि यह कितने पुराने हैं। इसके अलावा शहर के अलग-अलग स्थानों पर स्थित कूप व तीर्थों का भी टीम ने सर्वे किया। संभल में प्राचीन मंदिर मिलने के बाद डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने एएसआई के निदेशक को पत्र भेजकर यहां सर्वे कराए जाने की बात कही थी। कहा था कि संभल एक धार्मिक एवं ऐतिहासिक स्थान रहा है। ऐसी मान्यता है कि यहां पर 68 तीर्थ, 19 कूप, 36 पुरे व 52 सराय हैं। अधिकारियों के भ्रमण के दौरान तीर्थ व कूप प्रकाश में आए हैं। ये तीर्थ व कूप धार्मिक और जल संरक्षण के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण हैं। चूंकि ये प्राचीन बताए जाते हैं। इसलिए इनका काल निर्धारण किया जाना धरोहर संरक्षण की दृष्टि से आवश्यक है। इसी क्रम में एएसआई की चार सदस्यीय शुक्रवार को संभल पहुंची और सर्वे किया है। टीम ने सुबह छह बजे से दोपहर साढ़े तीन बजे तक सर्वे किया।

प्राचीन शिव मंदिर और इसके परिसर में स्थित प्राचीन कुएं की कार्बन डेटिंग के लिए नमूने लिए

फडणवीस के खुलासे के बाद संसद से नीली कमीज गायब

राहुल गांधी को दिल्ली के केस की चिंता इतनी नहीं है, जितनी चिंता महाराष्ट्र में शुरू हुई एटीएस जांच की है।

अजय सेतिया की कलम से

राहुल गांधी को दिल्ली में दायर प्राथमिकी की कोई परवाह नहीं। वैसे पांच धाराओं में केस दर्ज हुआ है, जिनमें अधिकतम 10 साल की सजा हो सकती है। राहुल गांधी पर अब तक 27 मुकदमें दायर हो चुके हैं, जिनमें बाकी सारे मानहानि के हैं। यह पहला मुकदमा गुंडागर्दी का है, जिसके लिए संसद और लोकतंत्र को शर्मसार होना पड़ा है। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने जांच शुरू कर दी है। बयान प्रताप सारंगी का दर्ज होगा, मुकेश राजपूत का दर्ज होगा, बाकी गवाहों का दर्ज होगा तो राहुल गांधी का भी दर्ज होगा। हो सकता है राहुल गांधी को पुलिस स्टेशन न बुलाया जाए। क्योंकि, वह विपक्ष के नेता हैं और उन्हें कैबिनेट मंत्री का दर्जा हासिल है। इसलिए राहुल गांधी को दिल्ली पुलिस की ज्यादा परवाह नहीं, भले ही इस केस में क्राइम आ गया है। लेकिन, यह है तो राजनीतिक झगड़े का केस, जो लंबा चलेगा। इसलिए राहुल गांधी को दिल्ली के केस की चिंता इतनी नहीं है, जितनी चिंता महाराष्ट्र में शुरू हुई एटीएस जांच की है। एटीएस यानि आतंकवादी निरोधक एजेंसी की जांच। यह बात राहुल गांधी को एक दिन पहले तक पता नहीं थी कि एटीएस उनकी शहरी नक्सलियों से सांठगांठ की जांच कर रही है। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने गुरुवार को महाराष्ट्र विधानसभा में उस समय खुलासा किया, जब राहुल गांधी संसद भवन में एक बुढ़े सांसद को धक्का देकर गुंडागर्दी कर रहे थे। जैसे ही इस जांच का खुलासा हुआ, घमंड के घोड़े पर सवार राहुल गांधी शुक्रवार को गायब हो गए। संसद सत्र का आख़िरी दिन था, लोकसभा से विपक्ष का नेता गायब था। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने सिर्फ इशारा किया है, बाकी इबारत राहुल गांधी खुद समझ गए। फडणवीस ने कहा है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले 15 नवंबर को नेपाल में शहरी नक्सलियों की एक मीटिंग हुई थी, जिसमें चुनाव के दौरान गड़बड़ी फैलाने की रणनीति बनाई गई थी। लेकिन, सरकार की चौकसी के कारण वे गड़बड़ी नहीं फैला सके। देवेन्द्र फडणवीस ने खुलासा यह किया है कि नेपाल की मीटिंग में शामिल हुए संगठनों में से 20 संगठन राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में शामिल थे। इनमें से सात संगठन महाराष्ट्र के हैं, जिन्हें मनमोहन सिंह सरकार ने खुद नक्सलियों के फ्रंटल संगठन घोषित किया था। देवेन्द्र फडणवीस ने विधानसभा में एक और खुलासा किया है, वह यह कि राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में कुल 180 एनजीओ ने हिस्सा लिया था, जिनमें से 40 के तार नक्सलियों से जुड़े हैं और उन संगठनों की सूची महाराष्ट्र की कांग्रेस-एनसीपी सरकार के समय गृहमंत्री आरआर पाटिल ने जारी की थी, जिन्हें बाद में राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने का न्योता दिया था। इन सभी घोषित शहरी नक्सली संगठनों ने इन चुनावों में महा विकास अघाड़ी के लिए काम किया। देवेन्द्र फडणवीस सरकार ने यह सारा खुलासा तब किया, जब वह शहरों में नक्सलियों के फ्रंटल संगठन के तौर पर काम करने वाले संगठनों के खिलाफ बिल पेश किया। केंद्र में जबसे भाजपा की सरकार आई है, नक्सलियों और उनके समर्थक शहरी नक्सलियों के खिलाफ बड़े पैमाने पर अभियान शुरू हुआ। छतीसगढ़, झारखंड, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और ओडिशा में नक्सलियों के 48 फ्रंटल संगठन को प्रतिबंधित किया गया है। इन सभी संगठनों ने अब अपनी रणनीति का केंद्र चीन समर्थक नेपाल को बना लिया है। राहुल गांधी की नेपाल यात्राएं भी इसी लिए विवादों में रही हैं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान महाराष्ट्र के वाशिम में नेपाल का राष्ट्रीय गीत भी बजाया गया था। भारत जोड़ो यात्रा से पहले राहुल गांधी ने दिल्ली में देश के कई एनजीओ की बैठक बुलाई थी, जिसका आयोजन योगेन्द्र यादव ने किया था, यात्रा की कमान भी योगेन्द्र यादव के हाथ में थी। योगेन्द्र यादव ही नक्सल समर्थक एनजीओ से तालमेल बिठा रहे थे। इनमें से कई एनजीओ का संबंध नेपाल और चीन से जुड़ा है, जिनमे से ज्यादातर को जॉर्ज सोरोस फंडिंग करता है। जॉर्ज सोरोस के प्रतिनिधि सलील शेट्टी को भी भारत जोड़ो यात्रा ने देखा गया था। महाराष्ट्र की हार के बाद कांग्रेस भयंकर तिलमिलाई हुई है। उन्हीं शहरी नक्सलियों ने अमित शाह के भाषण से आगे पीछे का हिस्सा काटकर कांग्रेस को देश भर में दंगे फैलाने का हथियार सौंप दिया। अंबेडकर के नाम पर कांग्रेस की सारे देश में हिन्दुओं को आपस में लड़ाने और दंगे करवाने की साजिश है। जिसका खुलासा खुद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने यह कह कर किया है कि सारे देश में आग लग जाएगी। उन्होंने यह बयान संसद भवन के भीतर मीडिया को ऑन रिकॉर्ड दिया है।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस ने 8 आतंकवादियों को किया गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम पुलिस के विशेष कार्य बल (एसटीएफ) ने अल-कायदा से जुड़े आतंकवादी संगठन अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) के 8 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। ये आरोपी देशभर में स्लीपर सेल स्थापित करने की साजिश कर रहे थे। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में एक बांग्लादेशी नागरिक भी शामिल है। गुवाहाटी की एक अदालत ने 10 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। आईजीपी (एसटीएफ) पार्थ सारथी महंत ने एएनआई को बताया कि अदालत ने उन्हें 10 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

नेपाल में भूकंप घरों की दिवारों में दरार

काठमांडू। नेशनल सेंटर ऑफ सीस्मोलॉजी (एनसीएस) ने बताया कि शनिवार की सुबह नेपाल में 4.8 तीव्रता का भूकंप आया। एनसीएस के अनुसार, भूकंप भारतीय मानक समय (आईएसटी) के अनुसार सुबह 3:59 बजे आया। भूकंप का केंद्र अक्षांश 29.17 एन और देशांतर 81.59 ई पर 10 किलोमीटर की गहराई पर दर्ज किया गया। हालांकि अबकत के सूचना के अनुसार, भूकंप से अभी तक किसी भी तरह की जानमाल के नुकसान नहीं है।

हैदराबाद में एक इमारत में लगी आग

हैदराबाद। हैदराबाद के माधापुर इलाके में स्थित 'सत्व एलिक्सिर' इमारत की चौथी और पांचवीं मंजिल के कुछ हिस्सों में आग लग गई। तेलंगाना अग्निशमन विभाग के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। रंगारेड्डी के जिला अग्निशमन अधिकारी शेख खाजा करीमुल्ला ने बताया कि चार दमकल गाड़ियां आग बुझाने के काम में लगी हैं और घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

पी आर एस आई के 46 वें राष्ट्रीय सम्मेलन का रायपुर में हुआ आगाज

समाज को जागृत करने में जनसंपर्क क्षेत्र की भूमिका अहम : विजय शर्मा

एजेंसी, रायपुर

छत्तीसगढ़ के उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने 46 वें ऑल इंडिया पब्लिक रिलेशंस कॉन्फ्रेंस का शुक्रवार को शुभारंभ किया। उन्होंने इस अवसर पर जनसंपर्क की भूमिका को अहम बताया। उन्होंने कहा कि शासन की ही नहीं जन जागृति के हर क्षेत्र में जनसंपर्क और जनसंपर्क अधिकारियों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। उन्होंने छत्तीसगढ़ में बदलते परिवेश और लगातार हो रहे विकास कार्यों को रेखांकित किया। उन्होंने राज्य शासन के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने में जनसंपर्क क्षेत्र के विभिन्न उपक्रमों का उल्लेख किया। राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर के केंद्रीय, राज्य सरकारों, कॉर्पोरेट एवं निजी क्षेत्र के जनसंपर्क के प्रतिनिधियों का छत्तीसगढ़ में स्वागत किया। श्री शर्मा ने छत्तीसगढ़ की विपुल संस्कृति एवं प्राकृतिक धरोहरों का उल्लेख करते हुए सभी अतिथियों को छत्तीसगढ़ में पर्यटन का लुफ्त उठाने का आग्रह किया। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ ने विकास कार्यों से देश भर का ध्यान

अपनी ओर आकर्षित किया है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए PRSI के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर अजीत पाठक ने कहा कि जनसंपर्क क्षेत्र में 68 वर्षों से अधिक समय से कार्यरत यह राष्ट्रीय संगठन जनसंपर्क के क्षेत्र में अपनी निरंतर सेवा प्रदान कर रहा है। यह संगठन जनसंपर्क के पेशेवरों के प्रोत्साहन एवं मार्गदर्शन के साथ ही साथ युवाओं को इस क्षेत्र में अपना भविष्य तलाशने में सदैव प्रेरित किया है। समय-समय पर उनके लिए विशेष प्रशिक्षण एवं प्रोत्साहन के प्रयास किए गए हैं। पीआरएसआई के रायपुर चैप्टर के अध्यक्ष डॉ शाहिद अली ने इस जनसंपर्क महाकुंभ के आयोजन को छत्तीसगढ़ के लिए सौभाग्य का विषय बताया। उन्होंने सभी प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस सम्मेलन को राज्य के लिए गौरव निरूपित किया। शुभारंभ अवसर राष्ट्रीय महासचिव डॉक्टर पी एल के मूर्ति, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री एसपी सिंह समेत देश भर से आए 200 से अधिक प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं।

रूसी जनरल की हत्या चिंता का विषय

मास्को। रूस के रासायनिक रक्षा प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल इगोर किरिलोव की हत्या चिंता का विषय है और इसके बढ़ने का खतरा है। हंगरी के विदेश मंत्री पीटर सिज्जाटरे ने रूसी न्यूज एजेंसी आरआईए नोवोस्ती से कहा, हम यूक्रेन में शांति चाहते हैं, हम किसी भी तरह के बढ़ते जोखिम से बचना चाहते हैं, इसलिए हम इन सभी मुद्दों को चिंता के मामलों के रूप में देखते हैं। क्योंकि इस तरह के सभी कदम बढ़ते जोखिम के साथ आगे आते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 20 जनवरी को अमेरिकी राष्ट्रपति-चुनाव डोनाल्ड ट्रम्प के उद्घाटन से पहले तनाव बढ़ता है, तो उस तिथि के बाद जितनी जल्दी हो सके शांति बनाने के अवसर पर इसका बहुत नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। गौरतलब है कि श्री किरिलोव और उनके सहयोगी की मंगलवार को मास्को में इलेक्ट्रिक स्कूटर में रखे बम विस्फोट में मौत हो गयी। यूक्रेन की सुरक्षा सेवा एसबीयू के एक अधिकारी ने न्यूयॉर्क टाइम्स से पुष्टि की कि यूक्रेन हत्या के लिए जिम्मेदार है। रूस की संघीय सुरक्षा सेवा ने बुधवार की सुबह कहा कि उसने आतंकवादी हमले के अपराधी, उज़बेक नागरिक अख़मद कुर्बानोव को गिरफ़्तार कर लिया है। एजेंसी के अनुसार उसे यूक्रेनी सुरक्षा सेवाओं द्वारा भर्ती किया गया था, जिन्होंने हत्या के बदले में 100,000 डॉलर और यूरोपीय संघ के किसी देश में पुनर्वास का वादा किया था।

एक तिहाई सांसद कर रहे नेतृत्व परिवर्तन की मांग

मुश्किल में प्रधानमंत्री ट्रूडो, सहयोगी पार्टी लाएगी अविश्वास प्रस्ताव

एजेंसी,ओटावा

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पहले से ही उनकी अपनी ही सत्तारूढ़ लिबरल पार्टी के करीब एक तिहाई सांसद नेतृत्व परिवर्तन की मांग कर रहे हैं। अब उनकी सहयोगी पार्टी ने भी पल्ला झाड़ लिया है। न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) के प्रमुख जगमीत सिंह ने शुक्रवार को कहा कि वह अगले वर्ष सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाएंगे। संसद के निचले सदन में एनडीपी के 25 सदस्य हैं। 338 सदस्यीय में लिबरल पार्टी के 153 सदस्य हैं। जगमीत की पार्टी ने सदन में हाल में कई बार

विश्वास मत परीक्षणों में अल्पमत लिबरल पार्टी का समर्थन किया है। जगमीत सिंह ने एक खुले पत्र में इस बात की घोषणा की है। उन्होंने कहा कि अगर सभी विपक्षी दल अल्पमत वाली लिबरल सरकार के खिलाफ मतदान करते हैं तो ट्रूडो सत्ता खो देंगे और चुनाव कराए जाएंगे। संसद के निचले सदन हाउस ऑफ कामंस में इस समय शीतकालीन अवकाश है और 27 जनवरी से इसका सत्र आरंभ होगा। इससे पहले अविश्वास प्रस्ताव पेश नहीं किया जा सकता है। इस बीच, ट्रूडो ने अपने मंत्रिमंडल में बदलाव किया है। उन्होंने आठ नए मंत्रियों को शामिल किया और चार के कामकाज में बदलाव किया है। बता दें कि हाल ही में उप प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री क्रिस्टिया फ्रीलैंड ने इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद ट्रूडो के इस्तीफे की मांग तेज होने लगी है। हाउस आफ कामंस में सत्तारूढ़ दल के 153 सदस्यों में से उनके पद से हटने की मांग करने वाले सांसदों की संख्या बढ़कर लगभग 60 हो गई है।

पंजाब में अब एक और थाने पर फेंका ग्रेनेड

गुरदासपुर। पंजाब में पुलिस थानों पर हो रहे अटैक थम नहीं रहे हैं। रात को बंगा वडाला गांव के पुलिस थाने पर ग्रेनेड फेंका गया। गुरदासपुर के कलानौर क्षेत्र में बीते 48 घंटों में ये दूसरा ग्रेनेड हमला है। 28 दिनों में पंजाब में 8 बार ग्रेनेड फेंके जा चुके हैं। बढ़ती वारदातों से राज्य की सुरक्षा और कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। जानकारी अनुसार बंगा वडाला गांव रात को धमाके से दहल गया। लोग डर के घरों से बाहर निकले तो पता चला कि पुलिस थाने पर ग्रेनेड फेंका गया है। इसके बाद यहां रात भर यहां पुलिस की गाड़ियों के सायरन बजते रहे। एक दिन पहले ही खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स ने कलानौर पुलिस पोस्ट पर हमला किया था।

समझौते पर हस्ताक्षर किए

भारतीय सेना में शामिल की जाएंगी नई के-9 वज्र तोप, रक्षा मंत्रालय ने किया 7628 करोड़ का समझौता

एजेंसी, नई दिल्ली

रक्षा मंत्रालय ने 155एमएम/52 कैलिबर की के9 वज्र-टी स्वचालित तोप खरीदने के लिए लार्सन एंड टूब्रो से समझौता किया है। यह तोप भारतीय थल सेना में शामिल किए जाएंगे। यह पूरा सौदा 7628.70 करोड़ का है। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में शुक्रवार को कंपनी के प्रतिनिधियों और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने समझौते पर हस्ताक्षर किए। मंत्रालय के बयान में कहा गया है, के-9 वज्र-टी की खरीद देश के तोपखाने के आधुनिकीकरण को बढ़ावा देगी और भारतीय थलसेना की संचालन तैयारियों को बढ़ाएगी। यह बहुउद्देशीय तोप, किसी भी रास्ते पर चलने की अपनी क्षमता के साथ, भारतीय सेना की मारक क्षमता को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। साथ ही सटीकता के साथ गहरी मारक क्षमता को बढ़ाएगी। मंत्रालय ने कहा, के9 वज्र तोप आधुनिक तकनीक से लैस है और ज्यादा सटीकता से लंबी दूरी तक गोले बरसाने में सक्षम है। भारतीय सेना के लिए इस तोप की खरीद की यह परियोजना चार वर्षों में नौ लाख से अधिक मानव श्रम दिवस का सृजन करेगी और एमएसएमई सहित विभिन्न भारतीय उद्योगों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करेगी।

जम गई डल झील

श्रीनगर में शुक्रवार को मौसम का सबसे कम तापमान -6.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किए जाने के कारण प्रतिष्ठित डल झील के कुछ हिस्से जम गए, जिससे सामान्य गतिविधियां बाधित हुईं

निचले सदन से नए बिल को मंजूरी, ट्रंप को लगा झटका

अमेरिका में शटडाउन रोकने की कोशिशें जारी

- नया विधेयक माइक जॉनसन ने ही पेश किया है और निचले सदन से नए बिल को 366-34 से भारी बहुमत से मंजूरी दे दी
- नया विधेयक नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए झटका है क्योंकि नए विधेयक में ट्रंप की मांग को नहीं माना गया

एजेंसी, वॉशिंगटन

अमेरिका में सरकार ने बंद (शटडाउन) को रोकने की कोशिशें तेज कर दी हैं। इसके लिए नया विधेयक लाया गया है, जिसे अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स की मंजूरी भी मिल गई है। अभी उच्च सदन यानी सीनेट में इसे लेकर मतदान होना है, अगर वहां से भी मंजूरी मिल गई तो अमेरिकी जनता को क्रिसमस की छुट्टियों में शटडाउन के चलते परेशानी नहीं झेलनी पड़ेगी। हालांकि यह नया विधेयक नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लिए झटका है क्योंकि नए विधेयक में ट्रंप की मांग को नहीं माना गया है। अमेरिकी संसद के निचले सदन के सभापति माइक जॉनसन ने कहा कि कांग्रेस देश में शटडाउन नहीं होने देने की पूरी कोशिश कर रही है। नया विधेयक माइक जॉनसन ने ही पेश किया है और निचले सदन से नए बिल को 366-34 से भारी बहुमत से मंजूरी दे दी। जॉनसन ने कहा कि 'यह देश के लिए एक अच्छा परिणाम है।' हालांकि ट्रंप अभी भी अपनी ऋण सीमा बढ़ाने की मांग पर अड़े हुए हैं। ऐसे में सीनेट से विधेयक के पास होने को लेकर अभी भी संशय है क्योंकि सीनेट में अभी भी इसे मंजूरी मिलनी है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ऋणसीमा बढ़ाने की ट्रंप की मांग के पीछे असल में अरबपति एलन मस्क का दिमाग माना जा रहा है। ट्रंप ने सरकार का खर्च कम करने की जिम्मेदारी एलन मस्क को ही दी है। ऐसे में कई सांसदों में इस बात की नाराजगी है कि मस्क कांग्रेस के सदस्य नहीं हैं, लेकिन वे कांग्रेस पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। साथ ही राष्ट्रपति चुनाव जीतने के बाद ट्रंप ने जिस अंदाज में अपनी सरकार में मंत्रियों और शीर्ष अधिकारियों की की नियुक्ति की है, उससे भी उनकी पार्टी के कई सांसद नाराज बताए जा रहे हैं। यही

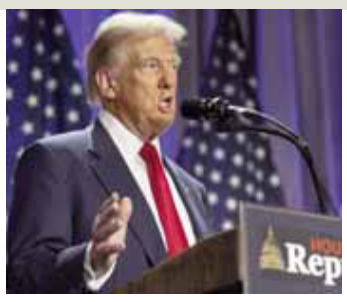

वजह रही कि ट्रंप की ऋण सीमा बढ़ाने की मांग के चलते व्यय विधेयक पारित नहीं हो सका और कई रिपबल्किन सांसदों ने भी विधेयक के खिलाफ वोट किया।

अमेरिका में लाखों कर्मचारी छुट्टी पर भेजे जा सकते हैं

अगर नया विधेयक सीनेट से पारित नहीं हो पाता है तो अमेरिका में शटडाउन होना तय है। इसके चलते सरकार के 22 लाख कर्मचारियों में से आठ लाख कर्मचारियों को छुट्टी पर भेजना पड़ेगा और सिर्फ जरूरी कर्मचारी ही बिना वेतन काम करेंगे। इससे सरकार का कामकाज बुरी तरह प्रभावित होगा और इसका असर आम जनता पर पड़ना तय है। अब चूंकि क्रिसमस की छुट्टियां हैं तो ऐसे समय में अमेरिका में बड़ी संख्या में लोग यात्रा करते हैं। शटडाउन होने से एयरपोर्ट्स पर लंबी-लंबी कतारें दिख सकती हैं।

इंफाल : हथगोले और रेडियो सेट की गई जब्त

तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षाकर्मियों पर चली गोलियां

इंफाल। मणिपुर के इंफाल पूर्वी और कंगपोकपी जिलों के कुछ भागों में तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने विदेश में बने हथियार समेत बड़ी मात्रा में हथियार बरामद किए हैं। राज्य के पश्चिमी इंफाल जिले के एक गांव से फायरिंग की सूचना मिली है। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि गुरुवार शाम कंगपोकपी जिले के साहेबुंग और एल जगनोमफाई के हथियारबंद लोगों ने पहाड़ियों की चोटी से ताइरेनपोकपी गांव को निशाना बनाया। गांव के हथियारबंद लोगों ने जवाबी कार्रवाई की। किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है।पुलिस ने कहा है कि इंफाल पूर्वी जिले में नुंगब्रम और लैरोक वैफेई क्षेत्रों में एक 7.62 एमएम रूसी आरपीडी मशीन गन और 5.56 एमएम आइएनएसएएस राइफल बरामद हुईं। इसी क्षेत्र में दो और हथियार और चार हथगोले, दो वायरलेस रेडियो सेट और गोलियां भी जब्त की गई हैं।

संपादकीय

भागवत की सुनता कौन है?

आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने गुरुवार को महाराष्ट्र के पुणे में हिंदू सेवा महोत्सव के उद्घाटन के दौरान कहा कि मंदिर-मस्जिद के रोज नए विवाद निकालकर कोई नेता बनना चाहता है तो ऐसा नहीं होना चाहिए, हमें दुनिया को दिखाना है कि हम एक साथ रह सकते हैं। भागवत इस तरह की बातें कई बार कर चुके हैं। लेकिन लगता है कि मोहन भागवत की कोई सुनता नहीं है। इसे भी सुना जाएगा, यह लगता नहीं है। मोहन भागवत का यह कथन तब आया है, जब देश में संभल, मथुरा, काशी जैसे कई जगहों की मस्जिदों के प्राचीन समय में मंदिर होने के दावे किए गए हैं। इनके सर्वे की मांग हो रही है और कुछ मामले अदालतों में लंबित हैं। भाजपा अध्यक्ष पूर्व में कह चुके हैं कि भाजपा को अब आरएसएस की जरूरत नहीं है। शायद यह सही बात है। भाजपा अब अपने आपकों आरएसएस से ऊपर समझने लगी है। नरेंद्र मोदी की लगातार जीत के बाद भाजपा में यह धारणा मजबूत हो गई लगती है कि अब मोदी आरएसएस से ऊपर हो गए हैं, इसलिए उसे आरएसएस की जरूरत नहीं है। भाजपा एक राजनीतिक दल है। उसका पराभव कभी हो सकता है, लेकिन आरएसएस सौ साल से है और उसकी जड़ें गहरी हैं। नरेंद्र मोदी के बाद भाजपा को आरएसएस की जरूरत पड़ेगी।

क्या आरएसएस इतना कमजोर हो गया कि भाजपा के उन नेताओं पर उसका बस नहीं चल रहा, जो हमेशा सांप्रदायिक बातें करते हैं, अल्पसंख्यकों को निशाना बनाते हैं?

बहरहाल, क्या मोहन भागवत के कथन के बाद उन नेताओं के विचार बदलेंगे, जो रात दिन हिंदू मुसलमान करते हैं और इस बहाने हिंदुत्व का प्रखर चेहरा बन जाना चाहते हैं। मोहन भागवत ने यह भी कहा है कि हमारे यहां हमारी ही बातें सही, बाकी सब गलत, यह चलेगा नहीं...अलग-अलग मुद्दे रहे, तब भी हम सब मिलजुल कर रहेंगे। हमारी वजह से दूसरों को तकलीफ न हो इस बात का ख्याल रखेंगे। जितनी श्रद्धा मेरी मेरी खुद की बातों में है, उतनी श्रद्धा मेरी दूसरों की बातों में भी रहनी चाहिए। मोहन भागवत की इन बातों को कोई नकार नहीं सकता। लेकिन दुर्भाग्य से आरएसएस के ही लोगों ने देश में माहौल को लगभग जहरीला बना दिया है। मोहन भागवत का यह कहना सही है कि अभी अपना देश संविधान के मुताबिक चलता है। यहां पर किसी का राज नहीं रहता। जनता अपना प्रतिनिधि चुनती है। जो चुनकर आएगा, वह शासन चलाएगा। शासन जनता का होता है। भागवत की बातें तो बहुत अच्छी हैं, लेकिन क्या आरएसएस इतना कमजोर हो गया कि भाजपा के उन नेताओं पर उसका बस नहीं चल रहा, जो हमेशा सांप्रदायिक बातें करते हैं, अल्पसंख्यकों को निशाना बनाते हैं?

पाठकवाणी

राजनैतिक भंवर में महाराष्ट्र

महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल के गठन के बाद भी विभागों के वितरण पर असमंजस बरकरार है। बड़े बहुमत से रिकॉर्ड जीत दर्ज करने के बावजूद महाराष्ट्र की महायुति सरकार जिस तरह फूंक-फूंक कर आगे कदम रख रही है, वह राजनैतिक सतर्कता है या गठबंधन के बहुमत का बोझ, कहना अभी मुश्किल ही नहीं, मुमकिन भी नहीं है। अगर अकेले बीजेपी को पूर्ण बहुमत मिल जाता तो यह स्थिति नहीं आती और सब कुछ आसानी से हो जाता। महाराष्ट्र के ताजे राजनीतिक माहौल को ऐतिहासिक कहना गलत नहीं होगा, क्योंकि 23 नवंबर को चुनाव के नतीजे आने के 12 दिनों बाद बार-बार बदलते माहौल में देवेन्द्र फड़णवीस को श्रेष्ठ मुहूर्त में विधायक दल का नेता चुना गया और वे मुख्यमंत्री बने तो लगा कि अब महाराष्ट्र उनकी मुट्ठी में है, लेकिन दस दिनों की उहापोह के बाद मंत्रिमंडल का गठन हुआ और मंत्रियों ने शपथ ली तो अब पेंच विभागों के बंटवारे पर आकर फंस गया है। पखवाड़े भर के बाद भी विभागों का समन्वित वितरण नहीं हो पाना फड़णवीस और भाजपा के लिए किसी चुनौती से कम नहीं है। मंत्रिमंडल में ढाई साल के फार्मूले से अभी तो सरकार की राह आसान हो गई है, मगर अपने नंबर के लिए ढाई साल तक इंतजार करने वालों के लिए यह इंतजार कितना सहज रहेगा यह देखने वाली बात होगी। ये आगामी कुछ दिनों में पता चल जाएगा।

-अमृतलाल मारू 'रवि', इंदौर मप्र

कुछ खास

प्रताप सारंगी नाटक कर रहे हैं। सारंगी , राजपूत , वो नागालैंड वाली सांसद...भारतीय जनता पार्टी वालों को एक्टिंग के जितने अवॉर्ड हैं, सब मिलने चाहिए। पूरे करियर में इतनी अच्छी परफॉर्मेंस आज तक नहीं देखी।

-जया बच्चन, सपा सांसद

आज का ट्वीट

''24 दिनों से किसान नेता डल्लेवाल आमरण अनशन पर हैं। उनसे मिलने का समय सरकार के किसी नेता के पास नहीं है। वह एक कैंसर पेशेंट हैं। इन्हें कुछ हुआ तो जिम्मेदारी सरकार की होगी।''

-जिग्नेश मेवाणी

सामयिक

चोटिल किया जा रहा लोकतंत्र

शाहीन सबा

संविधान पर हुई बहस में प्रधानमंत्री मोदी लगभग दो घंटा बोले मगर ठीक वही बात नहीं बोले जो बोलनी थी। लोकसभा में अपने कुल 110 मिनट के प्रवचन में उन्होंने दर्सों दिशाओ में हाथ फैलाए, पांव चलाये मगर उस असली 11 वीं मध्य दिशा के पास तक नहीं फटके जो पूरी चर्चा का मध्य था। होता है, जब सच छुपाना होता है तो झूठ के साथ-साथ बहुत कुछ ऐसा आंय-बांय-सांय भी बताना होता है जिसका कोई पता, सिरा नहीं होता। खासतौर से तब जब बात उस उठाईगीरी और सेंधमारी की हो रही हो जो खुले खजाने और दिनदहाड़े की जा रही है। विडंबनाओं की स्थिति ही नहीं होती उसकी धजा और आडम्बर भी होते हैं, उसकी भाषा और व्यंजनायें भी होती हैं। यही थीं जो पूरी निर्लज्जता के साथ भारतीय संसद के दोनों सदनों में कुल 4 दिन चली उस बहस के समाहार में दिए गए इधर मोदी के भाषण और उधर अमित शाह द्वारा की गयी उनकी खराब कार्बन कॉपी में नुमायां थे। जिसे संविधान के लागू किये जाने की 75 वीं सालगिरह के मौके पर किया गया था। ऐसा होना लाजिमी भी था-बहस संविधान के महत्त्व और इस देश को रहने योग्य बनाने में उसके योगदान पर हो रही थी और सत्ता ऐसे संगठन की राजनीतिक भुजा के बाहुपाश की जकड़न में है जो इस संविधान के ही खिलाफ है।

मोदी और शाह दोनों के भाषणों की खास बात यह थी कि इन दोनों ही ने मनुस्मृति से असंबद्धता जाहिर करना तो दूर उसका नाम नहीं लिया। यदि संविधान खतरे में पड़ता है या असुरक्षित होता लगता है तो उसे बचाने के लिए भी हम भारत के लोगों को ही मैदान में उतरना होगा।

लोकतन्त्र को रूप और सार, सिद्धान्त और बर्ताव दोनों ही तरीकों से चोटिल किया जा रहा है। संसदीय लोकतंत्र में होने वाले चुनाव शेक्सपीयर की दुखान्तिकाओं-ट्रेजेडीज-को पीछे छोड़ चुके हैं तो उनके जरिये चुने जाने वाले निकाय संसद और विधानसभाओं को मुम्बईया फिल्म वेलकम जैसी त्रासद कामेडी में बदला जा चुका है। इनमें जिसके लिए वे चुनी जातीं हैं को छोड़कर बाकी सब किया जा रहा, जो बोला जाना चाहिए उसे छोड़कर बाकी सब गरल, तरल और अनर्गल बोला और कहा जा रहा है। असहमति जताने, संगठित होने, विरोध करने और मांग उठाने के लिए जलूस, सभा, प्रदर्शन करने के संविधान में लिखे मूलभूत अधिकार लिखा पढ़ी में अभी भी है मगर बस लिखापढ़ी में ही हैं। थानेदार और तहसीलदार जैसे अदने अफसर तक उन्हें खूंटी पर टांग कर अंग्रेजी राज की मनमानी को भी पीछे छोड़ रहे हैं, उन्हें बेमानी और निरर्थक बना रहे हैं।

धर्मनिरपेक्षता, जो धर्म को राज करने या राजनीति का आधार न बनाने की सदियों पुरानी परम्परा का आधुनिक सूत्रीकरण है, आजाद भारत का तानाबाना है, की तो जैसे खाट खड़ी करके वाट ही लगाई जा रही है। धीमी तीव्रता के साथ आगे बढ़ने के रास्ते को छोड़कर अब यह कुनबा सीधे सप्तमसुर में रौद्र रस के समूहगान तक आ गया है। किसी भी धर्म, पूजा परम्परा को मानने या न मानने का मूलभूत अधिकार देने वाले संविधान की शपथ लेकर मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री बने मोहन यादव ने ऐलान कर दिया है कि अब वे 'छाती पर पांव रखकर राम और कृष्ण की बात सुनायेंगे और उन्हें सुननी पड़ेंगी' तक आ गए हैं। सारे सरकारी दफ्तरों, थानों और चौकियों में मूर्तियां पधराने के बाद कुछ करोड़ रुपये खर्च करके अपनी राजधानी के राजभवन में विशाल मन्दिर का निर्माण कर संवैधानिक समझ का तर्पण करने पर आमादा है।

लोकसभा में प्रधानमंत्री, राज्यसभा में गृह मंत्री सारी संवैधानिक और संसदीय मर्यादा को ताक पर रखकर सीधे-सीधे मुस्लिम विरोधी नफरत भड़काने वाले भाषण दे रहे हैं। अब तो न्यायपालिका को भी इसी संविधान विरोधी मुहिम के विनाश रथ में जोत दिया गया है। चन्द्रचूड़ी गोलमाल की अंगुली पकड़ कर छुटकी अदालतों द्वारा अपनी न्यायिक सीमाओं से बाहर जाकर 'मस्जिद के नीचे क्या है, दरगाह के पीछे क्या है' का खतरनाक खेल जैसे काफी नहीं था-इसलिए अब हाईकोर्ट जज भी खो-खो खेलने उतार दिए गए हैं। जज शेखर कुमार यादव के विश्व हिन्दू परिषद की सभा में जाकर दिए 'कठमुल्ला' और 'अब तो बहुसंख्यकों के हिसाब से देश चलेगा' जैसे घोर संविधान विरोधी और आपराधिक बयान से पल्ला झाड़ने की दिखावे की औपचारिकता भी नहीं की जा रही; खुद योगी आदित्यनाथ उसकी सराहना करते घूम रहे हैं। और इस जज की आलोचना को 'सत्य बोलने वाले को धमकाया जाना' करार दे रहे हैं।

कॉरपोरेट नियंत्रित गोदी मीडिया पहले ही विषाणुओं के सतत प्रवाह का जरिया बनाया जा चुका था अब कार्यपालिका, विधायिका का साम्प्रदायिकीकरण और असंवैधानिकीकरण किया जा रहा है। संविधान की एक और खूबी, बहुभाषी, बहुविध भारत की एकता को अक्षुण्ण बनाये रखने वाली खूबी उसका राज्यों का एक संघ होना, घोषित रूप से संघीय गणराज्य होना है। मोदी राज में राज्यों के अधिकारों को कम से और कमतर करते-करते अब 'एक देश एक चुनाव' के नाम पर संघीय गणराज्य की पूरी समझदारी को उलट दिया जा रहा है। संविधान पर होने वाली बहस में इन सब पर चर्चा होनी चाहिए थी। इस बात का गम्भीर आत्मावलोकन होना चाहिये था कि 75 वर्ष पहले लागू किये गए भारत के संविधान ने आगामी वर्षों में देश को जिस दिशा में ले जाने का रास्ता दिखाया गया था उस पर कितना चला गया? यदि नहीं चला गया तो अब उस दिशा में बढ़ने की क्या योजना बननी चाहिए। यह खुलासा होना चाहिए था कि संविधान की आत्मा कहे जाने वाले हिस्से भाग 3 और 4 का क्या हुआ?

संविधान के अनुच्छेद 36 से 51 तक में वर्णित राज्य के नीति निर्देशक तत्वों में लिखे संपत्ति के केन्द्रीकरण को उलटने, अधिकतम और न्यूनतम आमदनी में 10 और 1 से अधिक का अंतर न होने देने, देश की आमदनी का वितरण ऊपर की बजाय नीचे की आबादी में करने और देश को समाजवाद की राह पर ले जाने के मंसूबे कहां तक पहुंचे आदि इत्यादि! बहस इस बात पर होनी चाहिए थी कि सबको शिक्षा सबको काम, समान काम के लिए समान वेतन और जमीन के बंटवारे, समाज की चेतना को वैज्ञानिक रुझान वाला बनाने के काम कहां तक पहुंचे।

मगर ठीक इन्हीं सबको तो छुपाना था इसलिए खाली-पीली गाल बजाये गए, झूठी उपलब्धियों के ढोल सुनाये गए। कुल जमा 110 मिनट के भाषण में जो 11 संकल्प-जो उन्होंने खुद नहीं लिए जनता और राजनीतिक पार्टियों के लिए गिनाये हैं-उनमें भी बेरोजगारी, महंगाई, खेती किसानी की बदहाली और मजदूरों की जिन्दगी की मुहाली, असमानता की चौड़ी से भयावह गहरी होती खाई जैसी देश और उसकी जनता की की प्रमुख समस्याओं का जिक्र तक नहीं है। संविधान का उल्लेख भी 7 वें नम्बर के संकल्प में है सो भी 'संविधान का सम्मान हो और राजनीतिक स्वार्थ के लिए उसे हथियार न बनाया जाए' जैसे द्विअर्थी सूत्रीकरण में है। असली अर्थ इन शब्दों के बीच है और वह यह है कि संविधान की रक्षा करने जैसी बातें करना इसे राजनीति स्वार्थ के लिए हथियार बनाना माना जाएगा। मोदी और शाह दोनों के भाषणों की खास बात यह थी कि इन दोनों ही ने मनुस्मृति से असंबद्धता जाहिर करना तो दूर उसका नाम नहीं लिया। यदि संविधान खतरे में पड़ता है या असुरक्षित होता लगता है तो उसे बचाने के लिए भी हम भारत के लोगों को ही मैदान में उतरना होगा।

संविधान (129 वां संशोधन) बिल 2024-जेपीसी गठित- वन नेशन वन इलेक्शन बिल एक, चुनौतियां अनेक

एक देश एक चुनाव, देश के लिए गेम चेंजर साबित होगा-विजन 2047 का मजबूत स्तंभ

लोकसभा व राज्यसभा में सरकार को वन नेशन वन इलेक्शन बिल को पास करने के आंकड़े ना होना सबसे बड़ी चुनौती-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर यह लोकतंत्र की खूबसूरती है कि चुनाव सुधारो संबंधी विधेयक (संविधान संशोधन) बिल को संसद की अनुमति देकर जेपीसी बनाकर पूर्ण रूप में अध्ययन कर,पूरे राजनीतिक दलों, आम जनता, विशेषज्ञों हित धारकों के विचार जेपीसी द्वारा कलमबंद कर पूर्ण रूपेण रिपोर्ट पेश करने की पूरी प्रक्रिया की जाती है।कोई इस कानून पसंद करता है तो कोई विरोध दर्ज करने को भी शामिल किया जाता है, इसका सटीक उदाहरण भारत में 18 दिसंबर 2024 को गठित वन नेशन वन इलेक्शन की जेपीसी जिसमें 31 सदस्य बनाए गए हैं,जिसमें 12 सदस्य उच्च सदन यानें राज्यसभा के भी शामिल है जिसको सांसद ने बहुमत से मंजूरी दी, अब यह जेपीसी अपनी रिपोर्ट संसद में बजट सत्र 2025 के सप्ताह में पेश करेगी। परंतु मेरा मानना है कि इस लोकसभा व राज्यसभा में टू थर्ड मेजोरिटी से इस बिल को पारित करना चुनौती पूर्ण है, क्योंकि इसे पारित टू थर्ड मेजोरिटी से पारित करने से संबंधित आंकड़े एनडीए के पास दोनों सदनों में नहीं है जिसकी चर्चा हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे। चूँकि एक देश एक चुनाव देश के लिए गेम चेंजर साबित होगा, विजन 2047 का मजबूत स्तंभ बनेगा, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,लोकसभा व राज्यसभा में वन नेशन वन इलेक्शन बिल को पास करने के आंकड़ों का न होना सबसे बड़ी चुनौती है, बजट सत्र 2025 में कमेटी रिपोर्ट पेश करेगी। साथियों बात अगर हम संविधान (129 वां संशोधन) बिल को संसद में पास कर जेपीसी को प्रेषित करने की करें तो लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने के प्रावधान वाले संविधान (129वां संशोधन) बिल 2024 और उससे जुड़े संघ राज्य क्षेत्र विधि (संशोधन) बिल 2024 को लोकसभा के पटल पर पास करवाया गया। बिल को लेकर विपक्ष का कहना था कि ये सरकार का तानाशाही वाला कदम है।देश में एक साथ चुनाव कराए जाने से जुड़े दो विधेयक केंद्र सरकार ने लोकसभा में दिए थे,इस बीच, विपक्ष का तीखी बहस और विरोध देखने को मिला, जिसके बाद सरकार ने इस विधेयक को संसद की संयुक्त समिति के पास भेजने की सिफारिश की, स्पीकर ने 31 सदस्यों वाली कमेटी गठित कर दी है. पीपी चौधरी चेयरमैन बनाए गए हैं। एक देश-एक चुनाव से संबंधित आठ पेज के इस बिल में जेपीसी को अच?छा खासा होमवर्क करना होगा। संविधान के तीन अनुच्छेदों में परिवर्तन करने और एक नया प्रावधान जोड़ने की पेशकश की गई है। दरअसल, अनुच्छेद 82 में नया प्रावधान जोड़कर राष्ट्रपति द्वारा अपॉइंटेड तारीख पर फैसले की बात कही गई है। बता दें कि अनुच्छेद 82 जनगणना के बाद परिसीमन के बारे में है। साथियों बात अगर हम वन नेशन वन इलेक्शन बिल की चुनौतियों की करें तो, जहां इस बिल पास कराने के लिए सरकार को 362 वोट चाहिए होंगे, लेकिन यहां एनडीए सांसदों की संख्या 293 है, राज्यसभा में भी नरेंद्र मोदी सरकार को यही चैलेंज मिलने वाला है,जहां एनडीए के पास पर्याप्त संख्याबल नहीं है।वन नेशन वन इलेक्शन बिल को लोकसभा में स्वीकार कर लिया गया है।अब इसे संयुक्त संसदीय समिति के पास भेज दिया गया हैजेपीसी की सिफारिशें मिलने के बाद अब नरेंद्र मोदी सरकार की अगली चुनौती इसे संसद से पास कराने की होगी।चूंकि वननेशन वन इलेक्शन से जुड़ा बिल संविधान संशोधन विधेयक है इसलिए लोकसभा और राज्यसभा में इस बिल को पास कराने के लिए विशेष बहमत की आवश्यकता होगी।अनुच्छेद 368 (2) के तहत संविधान संशोधनों के लिए विशेष बहुमत की आवश्यकता होती है. इसका अर्थ है कि प्रत्येक सदन में यानी कि लोकसभा और राज्यसभा में उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई बहुमत द्वारा इस विधेयक को मंजूरी देनी होगी।इस विधेयक को दोनों सदनों के सामने प्रस्तुत किया जाना होगा और दो-तिहाई सदस्यों को मतदान करना होगा ताकि यह पारित हो सके। एक संविधान संशोधन बिल होने के नाते इस बिल को इस संवैधानिक प्रक्रिया को पूरा करना होगा।लोकसभा और राज्यसभा में इस बिल को पास कराना ही सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी।दरअसल लोकसभा में एनडीए के पास दो तिहाई बहुमत नहीं है। हां एनडीए के पास सामान्यबहुमत जरूर है, लोकसभा में अगर सभी 543 सांसद इस बिल पर वोटिंग में शामिल होंगे, तो बिल पास कराने के लिए सरकार को 362 वोट चाहिए होंगे,इस वक्त बीजेपी लोकसभा में बीजेपी के 240 सांसद हैं, अगर एनडीए का आंकड़ा देखें तो यहां इनकी सांसदों की संख्या 293 है। इस तरह से लोकसभा में सरकार को 69 सांसदों की कमी पड़ती दिख रही है,इस वक्त बीजेपी सरकार के लिए राहत की बात ये है कि गैर इंडिया ब्लॉक की कुछ पार्टियों ने वन नेशन वन इलेक्शन बिल के लिए समर्थन जताया है,अगर इंडिया ब्लॉक अपने कुनबे को छिटकने से बचाने में सफल रही तो वन नेशन वन इलेक्शन बिल को लोकसभा से पास कराने में सरकार को इस बिल को लेकर काफी चुनौतियां मिलने वाली हैं।राज्यसभा का नंबरगेम वन नेशन वन इलेक्शन बिल को राज्यसभा में पास कराने के लिए 164 वोटों की जरूरत होगी राज्यसभा में इस वक्त 245 में से 112 सीटें एनडीए के साथ है, इसमें 6 मनोनीत सांसद भी शामिल हैं, यानी कि उच्च सदन में भी सरकार के पास बिल को पास कराने के लिए जरूरी संख्याबल नहीं है। राज्यसभा में एनडीए के पास 52 वोटों की कमी पड़ रही है। अगर एनडीए जगनमोहन का साथ लेने में सफल होती है तो इन्हें 11 और और सांसदों का समर्थन हासिल हो जाएगा। लोकसभा में भले ही बीजेडी के एक भी सांसद न हो लेकिन राज्यसभा में पार्टी के 7 सांसद है,अगर बीजेपी, बीजेडी का समर्थन राज्यसभा में हासिल करने में सफल रहती है तो एनडीए को 7 और सांसदों का समर्थन हासिल हो जाएगा, के चंद्रशेखर राव की के भी राज्यसभा में 4 सांसद हैं, इसके अलावा राज्यसभा में बीएसपी के 1 सांसद, एआईएडीएमके के 3 सांसद हैं. इनके अलावा पूर्वोत्तर के कुछ सांसद भी राज्यसभा में हैं जो सरकार के साथ आ सकते हैं।.एआईएडीएमके ने अपना रुख अभी स्पष्ट नहीं किया है.लेकिन बड़ा सवाल ये है कि इस समर्थन के बावजूद एनडीए बहुमत के लिए जरूरी 164 सांसदों के आंकड़े तक नहीं पहुंच पा रही है।लोकसभा - राज्यसभा से पास कराने के बाद इस बिल को देश की आधी से अधिक विधानसभाओं में पास कराना होगा. हालांकि इस मुद्दे पर कानून के जानकारों की राय अलग अलग है,अनुच्छेद 368 (2) के दूसरे प्रावधान के तहत, कुछ संशोधनों को विशेष रूप से राज्यों के कम से कम आधे विधानसभाओं द्वारा अनुमोदित करना होता है, विशेष रूप से उन संशोधनों के लिए जो संघीय संरचना, संसद में राज्यों के प्रतिनिधित्व या सातवीं अनुसूची के प्रावधानों को प्रभावित करते हैं।वन नेशन, वन इलेक्शन बिल का विरोध करने वाली पार्टियों के पास लोकसभा में 205 और राज्यसभा में 85 सीटें हैं, कुल मिलाकर, सरकार को इस बिल को पास कराने के लिए विपक्ष की सहमति हासिल करनी पड़ेगी. हालांकि इस बिल पर विपक्ष के तेवर ऐसे लगते नहीं हैं।1960 के दशक में, एक साथ चुनाव कराने की कोई पूर्व-नियोजित योजना नहीं थी। 1951 से शुरू होने वाले सभी चुनावों के साथ, यह संयोग से हुआ और राज्यों में भी स्थिरता थी। इसलिए, राज्य विधानसभाएं और लोकसभा, दोनों ही अपना पूरा पांच साल का कार्यकाल पूरा करती रहीं।इसके परिणामस्वरूप 1951, 1952, 1957, 1962 और अंततः 1967 में तथाकथित एक साथ चुनाव हुए। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस समय हमारे 1960 के दशक में वापस जाने का सवाल नहीं है। ऐसा इसलिए क्योंकि राजनीति हमें 1960 के दशक से दूर ले जा रही है। अतः अगर हम उपरोक्त पुरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि संविधान (129 वां संशोधन) बिल 2024-जेपीसी गठित- वन नेशन वन इलेक्शन बिल एक चुनौतियां अनेक।एक देश एक चुनाव, देश के लिए गेम चेंजर साबित होगा- विजन 2047 का मजबूत स्तंभ.लोकसभा व राज्यसभा में सरकार को वन नेशन वन इलेक्शन बिल को पास करने के आंकड़े ना होना सबसे बड़ी चुनौती है

-संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

तीखी नजर

इन माननीयों का क्या भरोसा

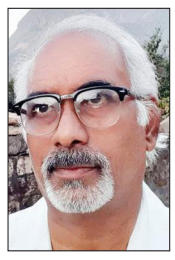

सुनील जैन राही

हे सखी गौधुली बेला में कहां से द्रुत गति से आ रही हो। न वस्त्रों का ध्यान, न सिंदूर का, चुन्नी किधर, तो चप्पल कहां है? कुछ तो ख्याल किया होता? इस उम्र में ये सब शोभा नहीं देता। अरे बाल बच्चों वाली है, कहीं किसी ने देख लिया तो कितनी बदनामी होगी? झम्मन की अम्मा पता नहीं किससे लड़ के आ रही है? जिसके मुंह से कभी ऊंची आवाज न सुनी, वो भला क्या किससे लड़ेगी? पर इतना तो ध्यान रखा होता? अब जमाना नहीं रहा कि दो लड़ाई में तीसरा बीच-बचाव करे? अब लड़ाई हो रही हो तो उल्टी चप्पल और कर दें, जिससे लड़ाई और तेज हो जाए। रही सही कसर तब पूरी कर दें जब इसके साथ-साथ कहने लगें 'चत लड़ाई पैसो देंऊ' जिज्जी आ जा, मुंह धो ले, फिर मुहल्ले में घुसिए, नहीं तो सब यही समझेंगे झम्मन की अम्मा बड़ी लड़ंकी हो गई है? जब भी बात चली, तब सभी ने यही कहा- मेहतारी होए तो झम्मन की अम्मा की तरह। जब से ब्याह के आई है तब से आज तक आवाज ना सुनी। अब जी बुढ़ापे में क्या आन पड़ी जो ऐसे बदहवास सी भागी चली आ रही है।

जिज्जी क्या बताऊं मेरी तो मति मारी गई। जब से नाग पंचमी पे पहलवानों की लड़ाई बंद हुई तब से मन मसोस के हर साल रह जाती? अब तो नाग पंचमी पे न तो नाग दिखाई दें, न पंचमी का त्योहार और न लड़ने वाले पहलवान। बड़ी इच्छा थी कि झम्मन बड़ा होकर बड़ा पहलवान बनेगा? पहलवान तो क्या सारी पसलियां भ्रष्टाचार की तरह साफ दिखाई दे रही हैं। ईमानदारी और सच्चाई तो दारू की बोतल ने कब की छीन ली। अब ऐसे में क्या उम्मीद करूं? पहलवान तो इस घर में पैदा होने से रहा?

कैसी उमंग होती, नागपंचमी पर नाग और पहलवान देखने की? कई बरसों से तरस गई। जब से गद्दों पर लड़ाई शुरू हुई है तब से शरीर पे न माटी दिखाई दे, न खरोंच! बस उठापटक ही उठापटक नजर आवे। जे भी कोई लड़ाई है। लड़ाई तो वो है जिसमें गाली-गलोज धक्का-मुक्की, रिश्ते-नातों की बात हो? एक-दूसरे के कपड़े फाड़ने की कवायद हो? सात पुश्तों की बही का जिक्र हो। मां-बहन के रिश्तों की बात हो। अरे जिज्जी ऐसी लड़ाई अब कहां? दिन लद गए। अब न आएंगे ऐसे सुनहरे दिन।

ऐसी बात ना है? मैं वैसी ही लड़ाई देख के आ रही हूं। अरे जब गांव वाले लड़ते हैं तो हाथ-पांव ज्यादा चलाते हैं। जब शहर वाले लड़ें हैं तो जबान ज्यादा। ऐसा मनोहारी, मनभावन, आनन्द से सराबोर दृश्य बार-बार आंखों को चैंधिया रहा है। एक से एक महान वक्ता, दिग्गज, विद्वान और भाषा विद्, संविधान ज्ञाता, युद्ध में महारथ हासिल योद्धा जब एक-दूसरे के सामने आ गए तो बांछे खिल गईं। शब्द बाण घोषित भाव में सर ही सर्र चले। जवाब में सर्राता हुआ नारी अस्मिता को भेदता हुए बाण जब टकराए तो फिर मर्यादा के सब बंध टूट गए। हे जिज्जी मैं तो अपनी लाज बचाकर भागी, क्या भरोसा इन माननीयों का जिनमें शर्म और मानवता का लेश नहीं बची?

सार संक्षेप

एशिया वोवीनाम फेडरेशन के महासचिव चुने गए प्रवीण गर्ग

लखनऊ : वोवीनाम एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष प्रवीण गर्ग को सर्वसम्मति से एशिया वोवीनाम फेडरेशन का महासचिव चुना गया है। पांचवी एशियाई वोवीनाम मार्शल आर्ट चैंपियनशिप का आयोजन बाली, इंडोनेशिया में 17 से 22 दिसंबर 2024 में किया जा रहा है। प्रतियोगिता के दौरान एशिया वोवीनाम फेडरेशन कांग्रेस और चुनाव का आयोजन 19 दिसंबर को किया गया। जिसमें 2024 से 2028 कार्यकाल के लिए ईरान फेडरेशन के अध्यक्ष मोहम्मद नूही को अध्यक्ष, वियतनाम से ग्यून बिन दिन्ह को एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट और गर्ग को महासचिव चुना गया। नयूमन यमाधिपुत्रा, विष्णु सहाय और पैंग सुनचुन को उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया। वर्ल्ड वोवीनाम फेडरेशन के अध्यक्ष वियतनाम से मय हूं टिन ने बताया कि खेल को जापान में 2026 में आयोजित होने वाले एशियन गेम्स और ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया की अन्य प्रतियोगिताओं में शामिल किए जाने के लिए फेडरेशन द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। क्योंकि वोवीनाम इससे पूर्व भी ओलंपिक काउंसिल ऑफ एशिया के तत्वाधान में आयोजित एशियाई इंडोर गेम्स और एशियाई बीच गेम्स मे सम्मिलित रह चुका है। गर्ग ने अपनी नियुक्ति पर खुशी जताते हुये कहा कि वह एशिया स्तर पर खेल को नई ऊंचाई पर पहुंचने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे। एग्जीक्यूटिव बोर्ड द्वारा इंडोनेशिया अध्यक्ष यामाहाधिपुत्रा से आगामी आठवीं वर्ल्ड वोवीनाम चैंपियनशिप का आयोजन अगले वर्ष बाली में 5 से 10 अगस्त के बीच कराए जाने का प्रस्ताव रखा गया।

स्कूल स्तर पर बेसिक कोच की आवश्यकता है : निखिल

नई दिल्ली : युवा मामले एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे ने शुक्रवार को कहा कि खेलो इंडिया मुहिम की कीर्ति योजना के जरिए देश से खेल प्रतिभाओं को तलाश और निखारा जा रहा है तथा स्कूलों में बेसिक स्तर पर कोच की आवश्यकता महसूस की जा रही है। खडसे ने यहां संवददाता सम्मेलन में कहा स्कूलों में पहले से ही खेल को एक विषय के रूप में पढ़ाया जा रहा है और वहां से व्यापक स्तर पर समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार ने खेलों इंडिया मुहिम के तहत विद्यालयों को कार्यक्रम तैयार करने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि स्कूल स्तर पर बेसिक कोच की आवश्यकता है और इसके लिए तैयार की जा रही है। राज्यों में जिला स्तर पर जानकारी मांगी गई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने खेलों ऐतिहासिक प्रदर्शन को देखते हुए खेलों इंडिया का बजट बढ़कर 900 करोड़ रूपये कर दिया गया है। खडसे ने कहा कि 2024 एशियाई खेलों में 107 पदकों के साथ ऐतिहासिक प्रदर्शन रहा। खेलो इंडिया और टॉप्स कार्यक्रमों में बढ़े हुए निवेश में ओलंपिक (छह पदक), पैरालंपिक (29) पदक ने सफलता में योगदान दिया।

दक्षिण अफ्रीका ने अंडर-19 महिला टी-20 विश्वकप के लिए टीम की घोषणा की

केपटाउन : दक्षिण अफ्रीका ने मलेशिया में अगले महीने होने वाले अंडर-19 महिला टी-20 विश्वकप 2025 के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। दक्षिण अफ्रीका ने 18 जनवरी 2025 से शुरू होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए टीम की कमान ऑलराउंडर कायला रेनेके को सौंपी है। टीम में अनुभवी लेग स्पिनर सेशनी नायडू और विकेटकीपर कराबो मेसो को जगह दी हैं। नायडू ने आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप 2024 से पहले पाकिस्तान के खिलाफ सीरीज में पदार्पण किया। हालांकि उन्हें संयुक्त अरब अमीरात में होने वाले टूर्नामेंट के लिए टीम में शामिल किया गया था। लेकिन वह किसी भी मैच में नहीं खेली। वहीं मेसो ने मार्च की शुरुआत में श्रीलंका के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था। टीम चयन को लेकर मुख्य कोच दिनेश देवनारायण ने कहा कि यह टीम उस भूख और दृढ़ संकल्प को दर्शाती है जो हमने पिछले 18 महीनों की किया है। उन्होंने कहा कि हमने आधुनिक क्रिकेट को दखते हुए एक जीवंत और बहुमुखी प्रतिभा वाली टीम का चयन किया। टूर्नामेंट में दक्षिण अफ्रीका को समोआ, न्यूजीलैंड और नाइजीरिया के साथ ग्रुप सी में रखा गया है। दक्षिण अफ्रीका 18 जनवरी को अंडर-19 महिला टी-20 विश्वकप के पहले दिन अपने अभियान की शुरुआत करेगा। टूर्नामेंट से पहले, वे आयरलैंड (13 जनवरी) और भारत (15 जनवरी) के खिलाफ दो अभ्यास मैच खेलेंगे।

अभय प्रताप सिंह और सुरुचि ने पिस्टल में जीते गोल्ड

नई दिल्ली : नई दिल्ली में डा. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आयोजित 67वीं नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में यूपी के शूटर अभय प्रताप सिंह ने 25 मीटर पिस्टल में गोल्ड जीता। अभय प्रताप सिंह मुजफ्फरनगर के भूपा रेड़ी गांव के रहने वाले है। वहीं हरियाणा की युवा निशानेबाज सुरुचि ने शुक्रवार को 67वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में अपना दबदबा कायम किया और देश के प्रसिद्ध निशानेबाजों के बीच 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में तीन स्वर्ण पदक जीते। सुरुचि ने कर्णी सिंह रेंज में सीनियर, जूनियर और यूथ तीनों वर्गों में स्वर्ण पर निशाना साधा। यह वही इवेंट है, जिसमें मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में पदक जीता था। झज्झर की सुरुचि क्वालिफाइंग दौर में 585 का स्कोर कर शीर्ष पर रहकर फाइनल में पहुंचीं। उन्होंने सीनियर वर्ग में 243.1 का स्कोर ओलंपियन रिदम सांगवान को परास्त किया और राष्ट्रीय चैंपियनशिप के सीनियर वर्ग में अपना पहला खिताब जीता।। महाराष्ट्र की कृष्नाली राजपूत तीसरे स्थान पर रहीं। जूनियर वर्ग के फाइनल में जूनियर विश्व चैंपियन संयम ने उन्हें कड़ी टक्कर दी। यहां उन्होंने 245.1 के स्कोर के साथ स्वर्ण और संयम ने रजत जीता। यूथ के फाइनल में उन्हें यूपी की संस्कृति बाना और हांगझोऊ एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता पलक से कड़ी टक्कर मिली। यहां, संस्कृति को रजत और पलक को कांस्य मिला। पांच वर्ष पहले शूटिंग शुरू करने वाली सुरुचि ने कहा कि यह उनके जीवन का सबसे यादगार पल है। उन्होंने पहली बार राष्ट्रीय चैंपियनशिप का स्वर्ण जीता, लेकिन तीन स्वर्ण ने इसे और खास बना दिया।

बांग्लादेश ने विंडीज पर किया क्लीन स्वीप

बांग्लादेश ने तीसरे टी-20 में वेस्टइंडीज को 80 रन से हराकर 3-0 से जीती सीरीज

● किंग्सटाउन,

जाकेर अली (नाबाद 72), परवेज हुसैन इमॉन (39) की शानदार बल्लेबाजी के बाद रिशाद हुसैन (तीन विकेट), तसकीन अहमद और महेद हसन (दो-दो विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर बांग्लादेश ने तीसरे टी-20 मुकाबले में वेस्टइंडीज को 80 रनों से शिकस्त देते हुए तीन मैचों की टी-20 सीरीज में क्लीन स्विप कर दिया।

देर रात खेले गये मुकाबले में बांग्लादेश के 189 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 60 के स्कोर तक लगातार अपने छह विकेट खो दिये। ब्रैंडन किंग (00), जस्टिन ग्रीव्स (06), निकोलस पूरन(15), रॉस्टन चेज (00) कप्तान रोवमन पॉवेल (02) और जॉनसन चार्ल्स (23) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद रोमारियो शेफर्ड और गुडाकेश मोती ने कुछ देर पारी को संभाला। 15वें ओवर में रिशाद हुसैन ने गुडाकेश मोती (12) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसी ओवर में उन्होंने अल्जारी जोसेफ (एक) को भी अपना शिकार बना लिया। रोमारियो शेफर्ड ने 27 गेंदों में एक चौका तीन छक्के लगाते हुए (33)रनों की पारी खेली। बांग्लादेशी गेंदबाजों ने वेस्टइंडीज की पूरी टीम को 16.4 ओवर में 109के स्कोर पर ढेर कर 80 रनों से मुकाबला जीत लिया। बांग्लादेश के लिए रिशाद हुसैन ने तीन विकेट, तसकीन अहमद और महेद हसन ने दो-दो विकेट लिये। तनजीम हसन साकिब और हसन महमूद ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले बांग्लादेश की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बांग्लादेश ने एक समय 65 रन पर अपने तीन विकेट गवां दिये थे। ऐसे समय में जेकर अली ने मेंहदी हसन मिराज के साथ पारी को संभाला। उन्होंने 41 गेंदों तीन चौके और छह छक्के लगाते हुए (72) रन बनाए। मेंहदी हसन मिराज (29) रन बनाए। परवेज हुसैन इमॉन ने 21 गेंदों में (39) रन बनाये। लिटन कुमार दास (14) और तनजीम हसन साकिब (17) रन बनाकर आउट हुये। बांग्लादेश ने निर्धारित 20 ओवरों में सात विकेट पर 189 का स्कोर खड़ा किया। वेस्टइंडीज के लिए रोमारियो शेफर्ड ने दो विकेट लिए। अल्जारी जोसेफ, रॉस्टन चेज ओर गुडाकेश मोती ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। बांग्लादेश ने पहली बार विंडीज पर टी-20 में क्लीन स्वीप किया।

मैकस्वीनी और हेजलवुड टीम से बाहर

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के आखिरी 2 टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम का ऐलान: कोंस्टास को पहली बार मौका, रिचड्र्सन की वापसी

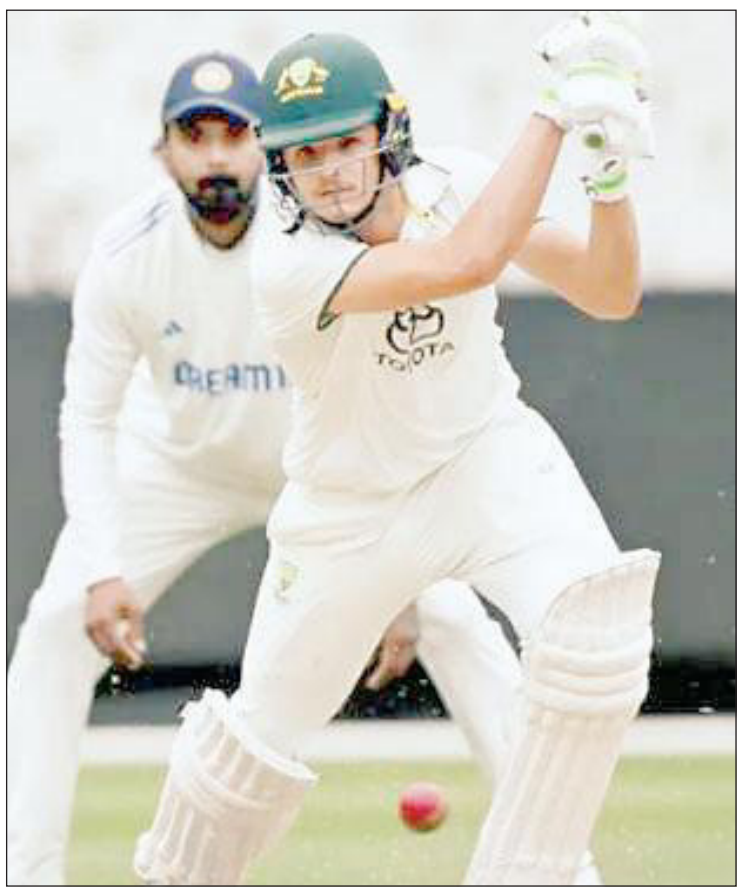

● मेलबर्न,

ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के आखिरी 2 टेस्ट मैचों के लिए टीम का ऐलान कर दिया है। इसमें 2 बड़े बदलाव किए गए हैं। पहले तीन टेस्ट में उस्मान ख्वाजा के साथ ओपनिंग करने वाले नाथन मैकस्वीनी को चयनकर्ताओं ने स्क्वॉड से बाहर कर दिया है, जबकि 19 साल के ओपनर सैम कोंस्टास को पहली बार टीम में शामिल किया गया है।

वहीं, चोट से जूझ रहे जोश हेजलवुड को भी टीम में जगह नहीं मिली है। इसके अलावा तीन साल के बाद तेज गेंदबाज झाय रिचड्र्सन की वापसी हुई है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सीरीज का चौथा टेस्ट मैच 26 दिसंबर से मेलबर्न में खेला जाएगा, वहीं आखिरी और पांचवां मुकाबला 3 जनवरी से सिडनी में खेला जाएगा। भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई प्राइम मिनिस्टर इलेवन टीम से खेलने वाले 19 साल के ओपनिंग बल्लेबाज सैम कोंस्टास को पहली बार मौका मिला है। कोंस्टास ने उस पिंक बॉल प्रैक्टिस मैच में शतकीय पारी खेली थी। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था। रिचड्र्सन को तीन साल के बाद टेस्ट टीम में मौका मिला है।

रिचड्र्सन ने अपना आखिरी टेस्ट मुकाबला दिसंबर, 2021 में इंग्लैंड के खिलाफ हुई एशेज सीरीज में एडिलेड के मैदान पर खेला था। आखिरी 2 टेस्ट मैचों के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम पैट कमिंस (कप्तान), ट्रैविस हेड (उपकप्तान), स्टीव स्मिथ (उपकप्तान), सीन एबॉट, स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, जोश इंग्लिश, उस्मान ख्वाजा, सैम कोंस्टास, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, मिचेल मार्श, झाय रिचड्र्सन, मिचेल स्टार्क, ब्यू वेबस्टर।

मेलबर्न टेस्ट में रोहित और विराट को बनाने होंगे रन

● मेलबर्न,

भारतीय क्रिकेट टीम ब्रिस्बेन से मेलबर्न पहुंच चुकी है। भारतीय टीम को सीरीज का चौथा टेस्ट मैच एमसीजी (मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड) पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना है। इस मैदान पर भारत का शानदार रिकॉर्ड रहा है, जहां टीम इंडिया ने 4 टेस्ट मैच जीतें हैं। मेलबर्न में खेले गए टेस्ट मैचों में भारतीय बल्लेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया है।

सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली और रोहित जैसे दिग्गज बल्लेबाजों ने यहां ऑस्ट्रेलियाई टीम के खिलाफ बेहतरीन पारियां खेली हैं। मेलबर्न का मैदान भारतीय टीम के लिए खास महत्व रखता है। भारतीय फैंस इस बार भी उम्मीद कर रहे हैं कि विराट कोहली अपने शानदार फॉर्म में लौटते हुए टीम के लिए मैच जिताने में अहम भूमिका निभाएंगे। कोहली का रिकॉर्ड भी यहां दमदार रहा है, और भारतीय क्रिकेट प्रेमी उन्हें इस मैदान पर एक और बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं। विराट कोहली ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर तीन टेस्ट मैच खेले हैं और इन तीन मैचों में उन्होंने कुल

6 पारियां खेलीं। इन 6 पारियों में उन्होंने 52.66 की औसत से 316 रन बनाए, जिसमें एक शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वोत्तम स्कोर 2014 में आया था, जब उन्होंने 169 रन की शानदार पारी खेली थी। अगर भारत मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पर टेस्ट मैच जीतता है, तो यह मेलबर्न में भारत की पहली हैट्रिक टेस्ट जीत होगी, जो अब तक नहीं हुई है। साल 2014 में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच मैच ड्रॉ रहा था। जबकि साल 2018 में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 137 रनों से हराया था। वहीं साल 2020 में भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 8 विकेट से मैच जीतकर इतिहास रचा था।

लगातार दूसरा मैच जीता पाकिस्तान

पाक ने दक्षिण अफ्रीका को 81 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज में बनाई अजेय बढ़त

● केपटाउन,

कप्तान मोहम्मद रिजवान (80), बाबर आजम (73) और कामरान गुलाम (63) रनों की अर्धशतकीय पारियों के बाद शाहीन शाह अफरीदी (चार विकेट) तथा नसीम शाह (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत पाकिस्तान ने दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 81 रनों से हरा दिया। इस जीत के साथ ही पाकिस्तान ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली है।

पाकिस्तान के 329 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका के लिए कप्तान तेम्बा बवूमा और टोनी डीजॉर्जी की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 34 रन जोड़े। छठे ओवर में नसीम शाह ने तेम्बा बवूमा (12) को आउट कर पाकिस्तान को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद 12वें ओवर में अबरार अहमद ने डीजॉर्जी (34) को बोल्ड कर दक्षिण अफ्रीका को दूसरा झटका दिया। रासी वान दर दुसें (23), एडन मारक्रम (21) और डेविड मिलर (29) रन बनाकर आउट

हुई। हाइनरिक क्लासेन ने 74 गेंदों में आठ चौकों और चार छक्कों की मदद से (94) रनों की पारी खेली। पाकिस्तानी गेंदबाजी आक्रमण के आगे इसके बाद दक्षिण अफ्रीका का कोई भी बल्लेबाज अधिक देर तक नहीं टिक सका। दक्षिण अफ्रीका की पूरी टीम 43.1 ओवर में 248 रन पर सिमट गई। कामरान गुलाम को उनकी आतिशी बल्लेबाजी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया। पाकिस्तान की ओर से शाहीन शाह अफरीदी ने चार विकेट तथा नसीम शाह ने तीन विकेट लिये। अबरार अहमद को दो विकेट मिले। आगा सलमान ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले देर रात खेले गये मुकाबले में पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 330 रनों का लक्ष्य दिया था। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहले ही ओवर में शफीक (05) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाज करने आये बाबर आजम ने सईम अयूब के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 10वें ओवर में वेना मफाका ने सईम अयूब (25) को आउट कर पाकिस्तान को दूसरा झटका दिया।

प्रो कबड्डी : प्लेऑफ में पहुंचे जयपुर पिंक पैंथर्स

10 अंक से पिछड़ने के बावजूद जयपुर पिंक पैंथर्स ने बंगाल वारियर्स को 31-28 से हराया

जयपुर की जीत ने मौजूदा चैंपियन पुनेरी पल्टन को लीग से किया बाहर

● पुणे,

जयपुर पिंक पैंथर्स हाफटाइम तक 10 अंक से पिछड़ रहे थे लेकिन इसके बाद शानदार वापसी करते हुए इस टीम ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में शुक्रवार को खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 123वें मैच में बंगाल वारियर्स को 31-28 से हराकर प्लेआफ का टिकट कटा लिया है। जयपुर की जीत ने हालांकि मौजूदा चैंपियन पुनेरी पल्टन को लीग से बाहर कर दिया।

पहले हाफ की समाप्ति तक जयपुर 9-19 से पीछे थे लेकिन अर्जुन (9) और अपने डिफेंडर रेजा मीरबघेरी (5 अंक) की बदौलत उसने 30 मिनट तक फासला 3 का कर दिया और फिर आलआउट लेते हुए लीड ले ली। इसके बाद जयपुर ने बंगाल को वापसी का मौका नहीं दिया और एक शानदार जीत के साथ प्लेआफ में पहुंचने वाली पांचवीं टीम बन गई। मनिंदर और फजल के बगैर सम्मान की लड़ाई में उतरी बंगाल ने चार मिनट के खेल के बाद 3-1 की लीड बना रखी थी। छठे मिनट में बंगाल के डिफेंस ने दूसरी बार अर्जुन

का शिकार करते हुए 5-2 की लीड ले ली। इसके बाद बंगाल ने जयपुर को आलआउट की ओर धकेला लेकिन अभिजीत ने बचा लिया। 10 मिनट बाद बंगाल 8-6 से आगे थे। इसी दौरान नितेश के 400 टैकल प्वाइंट पूरे हुए। ब्रेक के बाद अभिजीत ने डू ओर डाई रेड पर अंक ले जयपुर को सुपर टैकल सिचुएशन से निकाला लेकिन इसके बाद जयपुर अंक नहीं ले सकी और आलआउट हो गई। बंगाल 14-7 से आगे हो गए। आलइन के बाद अंकुश ने जयपुर को पहला टैकल प्वाइंट दिलाया। बंगाल ने हालांकि पकड़ बनाए रखते हुए हाफटाइम तक स्कोर 19-9 कर दिया। दूसरी ओर, अर्जुन पहले हाफ में 10 मिनट बाहर रहे और डिफेंस भी नहीं चला। और यही कारण था कि जयपुर एक बार फिर सुपर टैकल सिचुएशन में थे। बंगाल 10 के मुकाबले 4 फेल्ड टैकल्स के साथ बेहतर स्थिति में थे लेकिन इसी बीच अभिजीत ने प्रणय को सुपर टैकल कर जयपुर को दो बहुमूल्य अंक दिलाए। प्रणय की अगली डू ओर डाई रेड पर हालांकि सुरजीत ने गलती कर दी। अब जयपुर के दो खिलाड़ी बचे थे। प्रणय आए और रेडा ने उन्हें लपक स्कोर 15-21 कर दिया। अर्जुन रिवाइव हो गए थे। इस बीच अंकुश ने राठी को सुपर टैकल कर फासला 4 का कर दिया। 30 मिनट तक हालांकि जयपुर ने फासला तीन का कर दिया। ब्रेक के बाद रेजा ने सुंदर को लपक स्कोर 20-22 कर दिया। और फिर अर्जुन ने लगातार तीसरे अंक के साथ फासला 1 का कर बंगाल को आलआउट की ओर धकेल दिया। प्रणय ने बोनस लिया तो अर्जुन ने नितेश का शिकार कर लिया। फिर जयपुर ने आलआउट लेकर 25-24 की लीड ले ली।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- dailyloktantra@gmail.com

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)